# शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्जदारों का उत्पीड़न रोकने के लिए मुख्यमंत्री जल्द ही उपायुक्तों से मिलेंगे ... @ नम्मा बेंगलूरु


Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 04 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-34


### संसद के दोनों सदनों में चल रहा विपक्ष का हंगामा, काम ठप्प

### लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा

# जनता ने आपको मेज तोड़ने के लिए नहीं भेजा है

**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी जबसे विपक्ष के नेता बने हैं, संसद का सत्र अराजकता, शोर शराबे और नुक्कड़ छाप हरकतों की भेंट चढ़ रहा है। बजट सत्र में भी कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष यही कर रहा है। अब कोई मुद्दा नहीं तो महाकुंभ भगदड़ का मुद्दा बना कर सदन में हंगामा कर रहे हैं। ये ऐसे दुर्बुद्धिजीवी सांसद हैं कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट का मंतव्य भी समझ में नहीं आता। महाकुंभ भगदड़ को लेकर दाखिल एक याचिका खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस हादसे के तुरंत बाद ही जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन कर दिया है। इसलिए याचिका का कोई औचित्य नहीं है। अगर इसका औचित्य बनता भी है तो यह इलाहाबाद हाईकोर्ट तय करेगी। इसके बावजूद संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा जारी है। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों की सड़क छाप हरकतें जारी हैं और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव समेत अन्य सांसद कांग्रेस के पिछलग्गू बने दिख रहे हैं।

सदन में लगातार हो रहे हंगामे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों से पूछा भी कि क्या जनता ने उन्हें क्या सिर्फ नारेबाजी और हंगामा करने के लिए सदन में भेजा है? लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनता द्वारा चुनकर भेजे गए सांसद लोकसभा की मेजें तोड़ने और सड़क छाप हरकतें करने नहीं आए हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से कहा, इस विषय का उल्लेख राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में भी किया था। लिहाजा, अभिभाषण पर हो रही चर्चा के दौरान सांसद यह विषय भी रख सकते हैं। लेकिन विपक्ष के सांसद लोकसभा की यह बात समझने के लिए तैयार नहीं थे।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है, जिसमें सरकार की जवाबदेही तय की जा सकती है। बिरला ने विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की। समाजवादी पार्टी के कुछ सदस्य जब आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे तो बिरला ने कहा, आपको जनता ने मेज तोड़ने के लिए नहीं भेजा है। प्रश्न पूछने के लिए भेजा है। अगर इसीलिए भेजा है तो जोर-जोर से मारिए। उन्होंने कहा, अगर आपको देश की जनता ने नारेबाजी के लिए भेजा है तो यही काम करिए। ▶10पर

### राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों की सड़क छाप हरकतें जारी

### कांग्रेस के पिछलग्गू बने दिख रहे हैं समाजवादी पार्टी के नेता

### दिल्ली विधानसभा चुनाव: मोदी-शाह ने आप-दा सरकार की बखिया उधेड़ी

# बच्चों की शिक्षा के साथ कर रहे आपराधिक खिलवाड़ : मोदी

### केजरीवाल और उनके मंत्रियों ने किया केवल भ्रष्टाचार: शाह

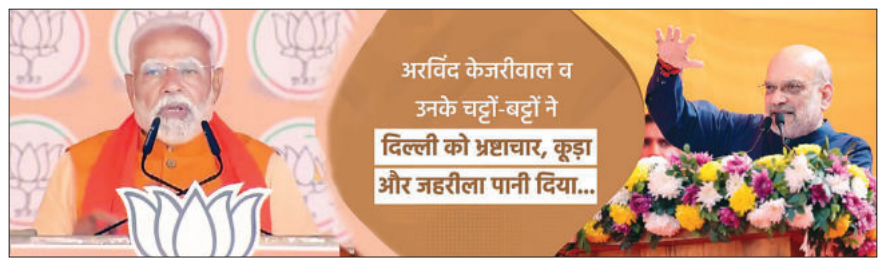


**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के प्रचार के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों ने आम आदमी पार्टी की सरकार के कृत्यों की बखिया उधेड़ी और दिल्ली के मतदाताओं से अपील की कि वे ऐसी नाकारा सरकार को फिर से सत्ता में न आने दें। पीएम मोदी ने स्कूली बच्चों की पढ़ाई के साथ किए जा रहे आपराधिक खिलवाड़ के प्रति अभिभावकों को आगाह किया। वहीं, गृह मंत्री शाह ने आम आदमी पार्टी की सरकार के भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के कुकृत्यों पर जोरदार तरीके से प्रहार किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप-दा सरकार 10वीं बोर्ड के बढ़िया नतीजे लाने के लिए 9वीं में अधिकांश छात्रों को फेल कर देती है। केवल उन्हीं छात्रों को 10वीं में पहुंचने दिया जाता है, जिनके पास होने की गारंटी होती है। पीएम मोदी ने कहा कि बोर्ड में खराब नतीजों से अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए आप-दा सरकार यह कुकृत्य कर रही है। छात्रों से बातचीत के दौरान पीएम ने कहा, मैंने सुना है दिल्ली में 9वीं कक्षा के बाद बच्चों को आगे नहीं बढ़ने दिया जाता। सिर्फ उन्हीं बच्चों को आगे बढ़ाया जाता है जो पास होने की गारंटी रखते हैं। क्योंकि अगर उनका रिजल्ट खराब हुआ तो आप-दा सरकार की साख खराब हो जाएगी। इसलिए बेईमानी से यह काम होता है। पीएम मोदी ने कहा कि आप-दा सरकार अपनी छवि बचाए रखने के लिए बच्चों के भविष्य को नुकसान पहुंचाती है।

दूसरी तरफ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि 10 वर्षों तक केजरीवाल और उनके चट्टे-बट्टों ने दिल्ली को भ्रष्टाचार, कूड़ा-कचरा, जहरीला पानी, तुष्टिकरण और धोखा दिया है। अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली के जंगपुरा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने आम आदमी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा, कनेक्टिविटी के नाम पर आप-दा सरकार ने ऐसी सड़कें दीं कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पता ही नहीं चलता। पाइप के माध्यम से ये प्रदूषित पानी भेजने का काम कर रहे हैं। मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर 65,000 फर्जी टेस्ट कराने का घोटाला इन्होंने किया। बारिश में बिजवासन तो छोड़िए, बल्कि आधी दिल्ली तालाब बन जाती है। केजरीवाल ने अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया, इसलिए आज आम आदमी पार्टी के 50 प्रतिशत से ज्यादा विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। शाह ने पूछा, केजरीवाल जी, आपके यहां ये भगदड़ क्यों मची है?

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आज मैं नई दिल्ली वालों की ओर से आपको बताने आया हूं कि वहां केजरीवाल स्वयं चुनाव हार रहे हैं। ▶10पर

## आतंकी हमले में पूर्व सैनिक की मौत, पत्नी और बेटी जख्मी

**जम्मू, 03 फरवरी (ब्यूरो)।** दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में घायल पूर्व सैनिक की सोमवार को मौत हो गई। हमले में जख्मी पूर्व सैनिक की पत्नी और बेटी का इलाज चल रहा है। दूसरी तरफ दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौटते समय लापता हुआ सैनिक बरामद कर लिया गया है।

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के बेहीबाग में आतंकियों ने एक पूर्व सैनिक और उसके परिवार के तीन सदस्यों पर हमला किया, जिसमें तीनों घायल हो गए। पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे के पेट में गोली लगी थी जबकि उसकी पत्नी और बेटी के पैर में गोली लगी थी। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां पूर्व सैनिक की आज मौत हो गई इस बीच, हमलावरों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। ▶10पर

### असम से लेकर मणिपुर में म्यांमार सीमा तक कार्रवाई

## 220 बीघा में लगी अफीम की खेती नष्ट की गई

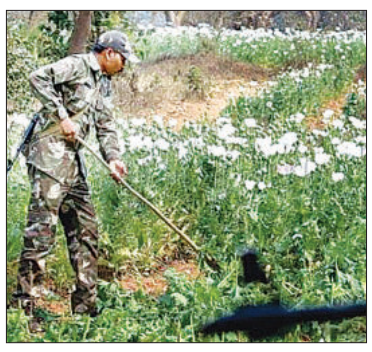

**ग्वालपाड़ा, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** असम पुलिस ने राज्य में लगभग 170 बीघे में लगी अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। इस ड्रग्स की अनुमानित कीमत 27 करोड़ रुपए है। इसकी जानकारी ग्वालपाड़ा पुलिस और असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व सरमा ने दी है। असम राइफल्स ने मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमा पर स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर लगभग 30 एकड़ (लगभग 50 बीघा) की अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया।

असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व सरमा ने कहा, ग्वालपाड़ा पुलिस ने जनवरी में चार इलाकों में 27.20 करोड़ मूल्य की 170 बीघा अफीम की खेती नष्ट कर दी। सीएम सरमा ने कोलंबिया के कुख्यात ड्रग माफिया पाब्लो एस्कोबार का नाम लेते हुए कहा कि अगली बार इस इलाके में ड्रग्स के बारे में सोचो तो सबसे पहले असम पुलिस के बारे में सोचना। ग्वालपाड़ा पुलिस ने कहा, नशीली दवाओं के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए चुनारी थाने के अंतर्गत सीतलमारी चार में 100 बीघा भूमि पर अवैध अफीम की खेती को एएसपी (मुख्यालय) जीएलपी और ओसी एलपीआर पीएस के नेतृत्व में ग्वालपाड़ा पुलिस टीम ने सीओ लखीपुर, आबकारी निरीक्षक और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी ▶10पर

## गोधरा कांड का फरार दोषी पुणे में गिरफ्तार

### जमानत लेकर था फरार शातिर चोर निकला

**पुणे, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** साल 2002 में गोधरा ट्रेन कांड का दोषी सलीम उर्फ सलमान यूसिफ जारदा (55 वर्षीय) को महाराष्ट्र के पुणे में चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि सलीम को गोधरा कांड में दोषी ठहराए जाने के बाद उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बीते साल सितंबर में जमानत पर बाहर आने के बाद वह फरार हो गया था।

पुलिस ने बताया कि बीते 7 जनवरी को पुणे के ग्रामीण इलाके जुन्नार से करीब 2.49 लाख रुपए की कीमत के टायर ▶10पर

### यूसीसी लागू होने के बाद उत्तराखंड में बदल रहा सामाजिक तानाबाना

# अनैतिक और अवैध माना जाएगा 74 रिश्तों में निकाह

**देहरादून, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने के बाद किसी से भी निकाह कर लेना आसान नहीं होगा। यूसीसी अधिनियम में 74 ऐसे रिश्तों का उल्लेख है जिनके साथ न निकाह हो सकता है और न ही उनके साथ लिव-इन रिलेशन में रहा जा सकता है। अगर ऐसा करते हैं तो इस बारे में मौलानाओं/पुजारियों को बताना होगा। वहीं रजिस्ट्रार को भी सूचना देनी होगी ताकि वह तय करें कि रिश्ता सार्वजनिक नैतिकता के खिलाफ है या नहीं। अगर रिश्ता नियमों के विरुद्ध पाया जाता है तो रजिस्ट्रेशन कैंसिल होगा।

**सरकार ने जारी की 74 रिश्ते की सूची**

यूसीसी के अंतर्गत किन रिश्तों में निकाह को कानूनी रूप से निषिद्ध किया गया है, इसके लिए सरकार ने बाकायदा सूची जारी की है। यह सूची बताती है कि यूसीसी लागू होने के बाद पुरुष किन महिलाओं और महिलाएं किन पुरुषों से विवाह नहीं कर सकेंगी। यूसीसी के सख्त नियमों के तहत अब कोई भी पुरुष या महिला सूची में शामिल रिश्तेदारों से शादी नहीं कर सकते। इन सभी रिश्तों में किए गए विवाह को यूसीसी के अंतर्गत वैध रिश्ता नहीं माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत यह नैतिक वर्जनाएं (बंदिशें) पहले से ही देश की बहुसंख्यक आबादी पर लागू थी। यूसीसी लागू होने के बाद अब यह उत्तराखंड के भीतर पूरी जनता पर और हर समुदाय पर लागू होगी। बता दें कि उत्तराखंड में लिव-इन रिलेशनशिप को एक ऐसे संबंध के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें एक पुरुष और ▶10पर

### तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

## राज्यपाल को वापस बुलाने वाली याचिका खारिज

**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** तमिलनाडु में डीएमके की अगुवाई वाली एमके स्टालिन की सरकार अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है। विधानसभा सत्र के दौरान राष्ट्रगान का अपमान करने के विरोध में राज्यपाल

**राष्ट्रगान के अपमान पर राज्यपाल ने संबोधन से किया था इन्कार**

आरएन रवि के द्वारा राज्यपाल अभिभाषण नहीं देने पर सत्ताधारी पार्टी भड़की हुई है। उसने इस मामले में राज्यपाल को वापस केंद्र बुलाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। ▶10पर

## सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 84,140/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 95,330/-
(प्रति किलोग्राम)

## मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : $34^0$

न्यूनतम : $20^0$

### रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठ से बदली दिल्ली की डेमोग्राफी

# मुस्लिम वोट बैंक बढ़ाने के लिए हो रहा देशद्रोह

**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** दिल्ली विधानसभा चुनावों के बीच जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) की चौंकाने वाली शोध रिपोर्ट सामने आई है। यह शोध रिपोर्ट बताती है कि राजधानी में बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं की अवैध घुसपैठ से यहां की जनसांख्यिकी में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। 114 पन्नों की इस शोध रिपोर्ट का शीर्षक ही है, दिल्ली में अवैध प्रवासी : सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिणामों का विश्लेषण। दिल्ली की जमीनी हालत का वर्णन करने वाले इस शोध अध्ययन में बताया गया है कि कैसे चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां वोट पाने के लिए इन लोगों का नाम रजिस्टर करवाती हैं जिससे राजधानी की धार्मिक संरचना में परिवर्तन आया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश से आए घुसपैठियों के कारण मुस्लिम आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इनसे न केवल राजधानी में भीड़भाड़ बढ़ी है बल्कि शहर के संसाधन जैसे स्वास्थ्य, सेवा और शिक्षा पर भी दबाव बढ़ा है।

रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बड़े ही नियोजित तरीके से दिल्ली के सीलमपुर, जामिया नगर, जाकिर नगर, सुल्तानपुरी, ▶10पर

**जेएनयू ने जारी की 114 पन्नों की शोध रिपोर्ट**

**दिल्ली सरकार रोहिंग्याओं को दे रही है सब्सिडी**

### केरल को भी अशांत कर रहा जनसंख्या का असंतुलन

**तिरुअनंतपुर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** केरल में भी जनसंख्या का असंतुलन इस तटीय प्रदेश के अशांत कर रहा है। तेजी से बढ़ रही मुस्लिम आबादी के कारण ईसाई और हिंदू समुदायों पर मुस्लिम वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। केरल में पैदा होने वाले 44 प्रतिशत से अधिक बच्चे मुस्लिम हैं। सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज थिंक टैंक ने 30 जनवरी 2025 को एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट का नाम रिलीजियस डेमोग्राफी इन इंडिया: राइजिंग रिलीजियस इम्बैलेंस है। इस रिपोर्ट में केरल के हिंदू, मुस्लिम और ईसाइयों समेत बाकी समुदाय के 2008 से 2021 तक के आंकड़ों पर शोध किया गया है। रिपोर्ट में इन समुदायों में हुए नए जन्म, मौतें और उसके आबादी पर होने वाले असर के विषय में बात की गई है। रिपोर्ट में पाया गया है कि सभी कारणों के चलते बीते कुछ समय में केरल के भीतर मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ी है। ▶10पर

## कार्टून कॉर्नर

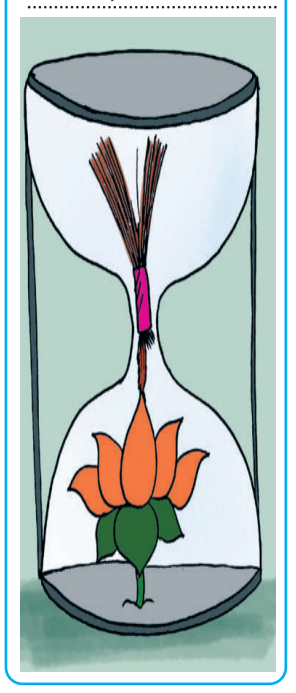

## बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित

# यह टूर्नामेंट एकता, शक्ति और टीमवर्क का प्रतीक: बबिता रायसोनी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ द्वारा जीटी मॉल में लीग ऑफ लेडी लेजेंड्स, बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के जाप से हुई। चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया और इस आयोजन के प्रति अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह बहुत उत्साहित हैं कि 8 टीमें और 64 बेहतरीन खिलाड़ी एक साथ आकर अपने कौशल और जुनून को मैदान पर दिखाने के लिए तैयार हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट केवल क्रिकेट के बारे में नहीं है, बल्कि यह एकता, शक्ति, और टीमवर्क का प्रतीक है। यह महिलाओं द्वारा मैदान पर और बाहर अपनी क्षमता दिखाने का अवसर है, और उन्हें गर्व है कि उन्होंने प्रत्येक खिलाड़ी और टीम मालिक की मेहनत और समर्पण को देखा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वह लगातार प्रैक्टिस मैचों को देख रही थीं और खिलाड़ियों के समर्पण का गवाह बनीं। आज, चाहे आपकी टीम जीते या नहीं, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपने दिल से खेला और अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। आप सभी किसी भी दृष्टिकोण से चैंपियन हैं। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने टूर्नामेंट का माहौल सेट किया।

कन्वीनर साक्षी नाहर ने टूर्नामेंट के नियमों और विनियमों के बारे में बताया और सभी टीमों को ईमानदारी और खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। कोकन्वीनर सोमना सिसोदिया ने कार्यक्रम की मेजबानी की, और खुश नाहर ने कमेंट्री करते हुए खेल के हर पल को और भी रोमांचक बना दिया। प्रतिभागी टीमें थीं, ट्रेवर्जी टाइटन्स, जिनकी कप्तान अंगिका बाफना थीं, मनोरंजन स्टार्स जिनकी कप्तान नीलम शांड थीं, रामदेव मैक्स स्ट्राइकर्स, जिनकी कप्तान जयश्री बागरेचा थीं, सिम्बायोसिस स्ट्राइकर्स, जिनकी मालिक अर्पिता लड़ानी थी, कल्टिवेटेड कैरेट्स, जिनकी मालिक सुप्रिया संपथ थीं, चोकड़ी राइजिंग स्टार्स, जिनकी मालिक मीनाक्षी और उत्शा थीं, सैवी वॉरियर्स की सविता पोरवाल और जस्ट रैपर्स की निधि पालरेचा थीं। इस टूर्नामेंट में 64 खिलाड़ियों ने शानदार प्रतिस्पर्धा और खेल भावना का परिचय दिया, और उत्साही दर्शक इस सामूहिक भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बने। सेमीफाइनल में, चौकड़ी राइजिंग स्टार्स ने सिंबायोसिस स्ट्राइकर्स को हराया, जबकि मनोरंजन स्टार्स ने सैवी वॉरियर्स को हराया। फाइनल में मनोरंजन स्टार्स ने चौकड़ी राइजिंग स्टार्स को रोमांचक मुकाबले में हराया। दोनों टीमों ने अपूर्व कौशल और टीमवर्क का प्रदर्शन किया।

चौकड़ी राइजिंग स्टार्स ने रनर्स-अप का दर्जा प्राप्त किया। व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्त करने वालों में, प्लेयर ऑफ दी टूर्नामेंट सारिका मेहता, बेस्ट बैट्सवूमन सविता पोरवाल, बेस्ट बॉलर सोनल मुथा थी। आशा संचेती ने अपनी शानदार ऑल-राउंड परफॉर्मेंस से सभी को प्रभावित किया। नेहा ने अपनी ऊर्जा से मैदान पर कब्जा किया। सोनल मुथा ने मैच विजनिंग शॉट्स खेले। सविता सियाल ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से मैच की दिशा बदली। पूनम बोहरा ने दबाव में बेहतर प्रदर्शन किया। सारिका मेहता ने शानदार क्रिकेट कौशल दिखाया। सविता पोरवाल ने रणनीति और आत्मविश्वास के साथ खेला। नताशा ने अपनी ताकतवर परफॉर्मेंस से खेल को पलटा, जबकि दीपिका भंसाली ने मैच में निर्णायक प्रदर्शन किया।

-इनकी रही उपस्थिति

जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकि और महिला विंग की मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने टीमों और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं भेजीं। केकेजी जोन कंवीनर पिंकी जैन, महिला विंग साउथ की पूर्व चेयरपर्सन, आरोग्यम कंवीनर सुनीता गांधी, चित्रा मेहता, गर्ल्स हॉस्टल की को-कंवीनर, जीतो महिला विंग नॉर्थ की पूर्व चेयरपर्सन और बिजनेस हाउसहोल्ड मॉडल कंवीनर बिंदु रायसोनी और जीतो महिला विंग कंवीनर प्रवीण सोफादिया, वाइस चेयरपर्सन नीलम शांड, ट्रेजरर संगीता पारख, जॉइंट सेक्रेटरी चंद्रा जैन, राशि जैन, प्रिया गांधी, हेमा सोलंकी, अर्पिता लढ़ानी, अंगिका बाफना, निशा कोठारी और अस्मिता चौहान ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी पूरी मदद दी। एक विशेष उल्लेख, साक्षी नाहर और सोमना सिसोदिया का रहा जिन्होंने अपनी कठिन मेहनत और नेतृत्व से सुनिश्चित किया।

# विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी का 20वां वार्षिक ध्वजारोहण सम्पन्न

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री विमलनाथ जिनालय, यंत्र मंदिर एवं श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी बसवनगुड़ी बेंगलूरु के पवित्र प्रांगण में 20वीं अमर ध्वजारोहण अवन्ती तीर्थोद्धारक, आभ श्री जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी के मंगल आशीर्वाद से मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वी वर्या श्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की पावन निश्रा एवं सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

परमात्मा की अमर ध्वजा के लाभार्थी परिवार संघवी तेजराज, कुशलराज गुलेच्छा परिवार एवं समस्त गुलेच्छा परिवार मोकलसर बेंगलूरु रहे। अमर ध्वजा गुलेच्छा परिवार द्वारा अपने सिर पर सुशोभित करके बाजते गाजते लाई गई जिसे सकल श्री संघ ने अक्षतों से बधाया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने बेंगलूरु के अनेक उपनगरों से पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया।

दादावाड़ी ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि गत वर्ष ध्वजारोहण कार्यक्रम में इस जिनालय के प्रतिष्ठाचार्य गच्छाधिपति जी गुरुदेव श्री मणिप्रभ सागर जी स्वयं उपस्थित थे और इस वर्ष भी इनके शिष्यरत्न परम विद्वान मलयप्रभ सागर जी और मुकुलप्रभ सागर जी और साध्वी वर्याएं उपस्थित हैं, जो कि बड़े ही गौरव की बात है। गुरुदेव ने सत्तरभेदी पूजा में नवमी ध्वज पूजा के दौरान कहा कि जो भी परिवार जिनालय के शिखर पर ध्वजारोहण करता है उनकी आध्यात्मिक यशकीर्ती चहुं ओर परमात्मा के अतिशय से फैलती है। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि इस जिनालय से जुड़े समस्त सदस्यों पर परमात्मा और गुरुदेव की विशेष कृपा प्राप्त है। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि प्रातः परमात्मा का स्नात्र पूजा महोत्सव और सत्तरभेदी पूजा रोहित गुरुजी के विधिविधान द्वारा सम्पन्न हुई और ध्वजारोहण कार्यक्रम में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल और श्री जिन कुशल सूरी सामायिक मंडल ने व्यवस्थाएं संभाली। ध्वजारोहण कार्यक्रम में अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, विजयराज डोसी, सुरेन्द्र रांका, पुखराज कवाड, रमेश गुलेच्छा, पारसमल पगारिया आदि लोग उपस्थित थे।

# संक्रांति उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वनबंधु परिषद महिला समिति बेंगलूरु द्वारा रविवार को चामराजनगर अंचल में आचार्य और कार्यकर्ताओं के लिए संक्रांति उपहार वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला समिति अध्यक्ष बबीता अग्रवाल और दक्षिण जोन उपाध्यक्ष बिमल सरावगी सहित 6 सदस्यों की उपस्थित रही। वनयात्रियों के विद्यालय पहुंचने पर पारंपरिक रूप से स्वागत, दीप प्रज्ज्वलन, मंत्रोच्चारण, एकल गीत, हनुमान चालीसा द्वारा कार्यक्रम का आरंभ हुआ। कार्यक्रम में अंचल समिति सदस्यों, जिला प्रचारक सहित कई सदस्यों की उपस्थिति और सहयोग रहा। कार्यक्रम की व्यवस्था और संचालन बहुत ही सुचारू रूप से हुआ। इस बार संक्रांति के अवसर पर उपयोगी वस्तुएं जैसे स्टील के गिलास सेट, दीवार घड़ी, पंखें, साड़ी, लंच बॉक्स भेंट किए गए। आचार्यों और कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता था। तत्पश्चात सभी ने भोजन का आनंद लिया और अपने अनुभव साझा किए।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।*** *बेंगलूरु सिटी पुलिस फ्रेंड्स द्वारा जेपी पार्क खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट स्पर्धा बीसीपी फ्रैंड्स कप 2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही कहा स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

# धूमधाम से किया सरस्वती पूजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, बिहार भवन, आरटी नगर की तरफ से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बिहार भवन में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाया गया। सोमवार सुबह 11:30 बजे मां शारदे की पूजा-अर्चना की गई। जिसके आचार्य पंडित रामानंद चौधरी एवं यजमान आयुष राज थे। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ थी। शाम में जीतू भाई द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंगलवार को मूर्ति विसर्जन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नवयुवक मंडल के अजीत कुमार, प्रवीण उपाध्याय, दीपेश कुमार, राहुल शर्मा, रवि, अमित झा, आशीष मिश्रा, आनंद एवं महिला मंडल का अथक सहयोग रहा। राजेश्वर सिंह, सी के करुण, प्रजापति झा, पंडित राजगुरु, मिंटू दुबे, पवन मिश्रा, उदय कुमार, विनय कुमार और यशवंत सिंह आदि लोग मौजूद थे।

# निशुल्क पैप्स स्मियर, ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में रविवार को विश्व कैंसर डे के उपलक्ष में पैप्स स्मियर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और ओरल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर श्रीरामपुरम में किया गया। कैंप की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के साथ की गई। अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया तथा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की वर्ष भर चलने वाली कैंसर जागरूकता योजना का स्वागत किया। शंकरा कैंसर अस्पताल से डॉ. कुणाल शर्मा, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. मोनालिसा, डॉ. सुनीता और उनकी टीम ने शिविर को सुनियोजित तरीके से पूरा किया। डॉ. कुणाल ने कैंसर के लक्षण और उससे बचाव के उपाय बताए। डॉ. मोनालिसा ने घर पर कैंसर की सुरक्षित जांच के बारे में जानकारी दी और सभी को प्रेरित किया। डॉ. ऐश्वर्या ने सभी को कैंसर के उपचार के विभिन्न प्रकारों और चरणों के बारे में जानकारी दी और सभी को कैंसर से लड़ने के लिए एक सकारात्मक ऊर्जा दी। सभी बहनों का पंजीकरण कर एक-एक करके निःशुल्क पैप्स स्मियर, स्तन कैंसर जांच, सर्वाइकल कैंसर जांच और ओरल कैंसर जांच की गई। गायत्री नगर वार्ड के निवर्तमान पार्षद चंद्रकला गिरीश ने कैंसर कैंप की सराहना की तथा महिला मंडल को शुभकामना संप्रेषित की। करीब 125 बहनों की स्क्रीनिंग की गई। राजाजी नगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंत्री चंद्रेश मांडोत, तेरापंथ युवक परिषद के उपाध्यक्ष राजेश देरासरिया ने अपने विचार व्यक्त किए। तेयुप मंत्री जयंतीलाल गांधी, महिला मंडल की परामर्शिकाएं, कैबिनेट, कार्यकारिणी बहनें एवं कन्या मंडल तथा विभिन्न समाज से बहुत सारी बहनें उपस्थित थी। कैंप की संयोजिका भावना पोरवाड स्नेहा चौरडिया, कन्या मंडल से प्रेक्षा मुथा, दिया गन्ना ने अथक परिश्रम किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया।

# शांतिधाम वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की सेवा एवं राशन सामग्री वितरित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री ब्यावर संघ के तत्वावधान में ब्यावर युवा महिला विंग और ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा बसन्त पंचमी के पावन दिवस मां सरस्वती की आराधना स्वरुप मानव सेवा के कार्यक्रमों की कड़ी में शांतिधाम वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की सेवा एवं एक महीने का राशन सामग्री वितरित किया गया। युवा शाखा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि ब्यावर युवा और महिला संघ सदैव मानव सेवा कार्यों के लिए तत्पर है और आगे भी रहेगा। महिला और युवा सदस्यों ने इस अवसर पर बुजुर्गों के साथ बहुत ही अच्छा समय व्यतीत किया और उनसे बहुत ही हल्के फुल्के अंदाज में उनसे पुरानी यादों के बारे में पूछा। महिला विंग संयोजक जीया हिंगड़, मोनिका कुमट ने बुजुर्गों को गेम्स खिलाए और उन्हें पुरस्कार भी प्रदान किए। इससे पहले संघ के महामंत्री अरविन्द कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, सहमंत्री नरेश बोहरा और महिला विंग संयोजक चन्द्रकला डाकलिया और सीमा बोहरा ने कार्यक्रम के सहयोगी झंवरलाल संजय कुमार गुलगुलिया परिवार और निर्मल कुमार अंजू बाफना परिवार का स्वागत अभिनन्दन किया। आश्रम में निर्मित परमात्मा महावीर का अति सुन्दर मनोहारी जिनालय के दर्शन का लाभ भी सभी उपस्थित सदस्यों को मिला। इस अवसर पर युवा शाखा के सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, कुनाल मरलेचा, रुपचंद कुमट, नीतू लोढ़ा, उत्तमचंद डाकलिया, सौरभ बोहरा, गौरव डाकलिया, विजयलक्ष्मी कोठारी, कोमल कोठारी, संतोष डाकलिया, समकित कुमट, कोमल डाकलिया, महैन्द्र मधु मकाना के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे।

# प्रेरणा मंच पर बसंत पंचमी से पहले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच एवं सशक्त शाखा प्रेरणा लोक मंच के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को बसंत पंचमी से पहले एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

चार सत्रों में कार्यक्रम हुआ, जिसमें सम्मान समारोह, प्रश्नोत्तरी, लघु कथा पर कार्यशाला एवं काव्य गोष्ठी शामिल थी। जिसे प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच के फेसबुक पर लाइव दर्शाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रचना उनियाल ने की, जबकि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शिवनारायण सादर आमंत्रित थे। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ शिक्षाविद डॉक्टर सुनील कुमार उपाध्याय एवं प्रोफेसर स्मिता शंकर उपस्थित रही। स्वागत संस्था की संस्थापक अध्यक्ष वीणा मेदनी ने किया। एडवोकेट अंजू भारती की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रथम सत्र में सम्मान समारोह हुआ। जिसमें विभा रानी श्रीवास्तव को प्रेरणा साहित्य सारथी सम्मान 2024 तो डॉक्टर संध्या जावली को प्रेरणा साहित्य चेतना सम्मान 2024 प्रदान किया गया। साहित्यिक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के पश्चात लघु कथा पर कार्यशाला हुआ, जिसे डॉक्टर शिवनारायण एवं विभा रानी श्रीवास्तव ने संभाला। जिसके पश्चात काव्य गोष्ठी हुई जिसमें वीणा मेदनी, स्मिता शंकर, रतिंदर कौर, विभा रानी श्रीवास्तव, रचना उनियाल, विनीता लवानिया, डॉक्टर कृष्णा मनीषिश्री, डॉक्टर शैलजा, एडवोकेट अंजू भारती, सतीश कुमार, संध्या जावली, पूजा पंजवानी, रीता सिंह, डॉक्टर कनकलता तिवारी, डॉ. रंजीत कुमार, बृजेंद्र मिश्रा, सुशील कुमार, डॉक्टर शिवनारायण इत्यादि ने भाग लिया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की सराहना की एवं लेखन पर अपने अमूल्य विचार रखें।

# एक कदम स्वावलंबन की ओर के अंतर्गत मेहंदी कार्यशाला का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा नारी स्वावलंबन के अंतर्गत उड़ान (सुनहरा भविष्य) एक कदम स्वावलंबन की ओर के अंतर्गत मेहंदी कार्यशाला का आयोजन महिला कारखाना में किया गया। मंत्री नम्रता पितलिया ने सामूहिक नमस्कार महामंत्र द्वारा कार्यशाला की शुरुआत कराई। तत्पश्चात महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। स्वागत भाषण अध्यक्ष नेहा चावत ने किया एवं सभी को स्वावलंबी बनने हेतु प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षिका वनिता मांडोत ने सभी बहनों को बेसिक मेहंदी कोर्स से अलग अलग कोर्स लगातार 1 महीने करवाया। इस कार्यशाला की संयोजिका कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोतिया रही, जबकि सह-संयोजिका मंजू पोरवार थी। मंडल से उपाध्यक्ष दीपिका गांधी, संगीता बोहरा, संगठन मंत्री सरोज मारू भी उपस्थित थी। इस कार्यशाला एवं गणतंत्र दिवस के मिठाई के प्रायोजक प्रेमाबाई भंवरलाल, सह-मंत्री वनिता संजय मांडोत परिवार रहे। सभी सीखने वालों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया एवं उत्साह बढ़ाने हेतु प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यशाला में 20 बहनों को स्वावलंबी बनाया।

# कर्जदारों का उत्पीड़न रोकने के लिए मुख्यमंत्री जल्द ही उपायुक्तों से मिलेंगे : शिवकुमार

### हमारी राज्य सरकार पर इतना बड़ा कर्ज नहीं

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा सरकार ने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा कर्जदारों को परेशान किए जाने से रोकने के लिए अध्यादेश बनाया है। मुख्यमंत्री आराम करने के बाद जल्द ही इस संबंध में पुलिस अधिकारियों और आयुक्तों के साथ बैठक करेंगे। बाद में वे जिलाधिकारियों के साथ अलग से बैठक करेंगे। यहां सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा हम लोगों को कानून अपने हाथ में लेने और कर्ज वसूलने के लिए गुंडों के जरिए गरीबों को डरा-धमकाकर उनका उत्पीड़न करने की इजाजत नहीं देंगे। इस पर नियंत्रण के लिए पुलिस को और अधिक अधिकार दिए जाएंगे। उन्होंने कहा बेलगावी, बीदर, मैसूरु, रामनगर समेत कई जिलों में ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। मुख्यमंत्री और सहकारिता मंत्री ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस पर नियंत्रण के लिए अध्यादेश तैयार किया गया है और एक-दो दिन में इसे राज्यपाल के पास भेज दिया जाएगा। इस तरह के उत्पीड़न के मामलों की शिकायत करने के लिए हर जिला कार्यालय में हेल्पलाइन शुरू की गई है। मैं सभी से अपील करता हूं कि अगर ऐसे मामले उनके संज्ञान में आते हैं तो तुरंत इस हेल्पलाइन पर संपर्क करें और गरीबों की मदद करें। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कर्नाटक दिवालिया है वाले बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा हमें पता होना चाहिए कि केंद्र सरकार पर कितना कर्ज है। हमारी राज्य सरकार पर इतना बड़ा कर्ज नहीं है। जब हमने इस गारंटी योजना की घोषणा की, तो प्रधानमंत्री ने भी कहा कि हमारा राज्य दिवालिया हो जाएगा। बाद में, सभी राज्य चुनावों में उन्होंने गारंटी योजना की नकल करने वाली योजनाओं की घोषणा की। हमारी सरकार ने वोट के लिए नहीं, बल्कि महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे आम लोगों की मदद के लिए गारंटी योजना की घोषणा की। आइए अपनी सरकार की वित्तीय स्थिति और दिवालियापन को एक तरफ रख दें। आइए सबसे पहले हम केंद्र सरकार के बजट में कर्नाटक राज्य के लिए किए गए योगदान की सूची दें। इससे पहले गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा ऋण वसूली में अपनाई जाने वाली अवैध प्रथाओं को रोकने के लिए बनाए जा रहे कानून को अदालतों द्वारा अमान्य नहीं किया जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अध्ययन किए जा रहे हैं। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमने पहले ही कैबिनेट की बैठक में इस पर चर्चा कर ली है और मुख्यमंत्री को अधिकार दे दिए हैं। पहले से तैयार किए गए मसौदा विधेयक में कुछ संशोधन किए गए हैं। कुछ और हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वे अदालत जाने और इसके कार्यान्वयन में बाधा डालने के खिलाफ चेतावनी दे रहे हैं। अध्यादेश को मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम सहित अन्य मौजूदा विधेयकों को मिलाकर अंतिम रूप देने को कहा गया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिकारी शीघ्र ही सभी चर्चाएं पूरी कर लेंगे और राज्यपाल को भेज देंगे।

# विधान सौधा परिसर में 27 फरवरी से साहित्य महोत्सव शुरू होगा : यूटी खादर

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा हमने 27 से 3 मार्च तक विधान सौधा मैदान में साहित्य महोत्सव, सांस्कृतिक महोत्सव, पुस्तक मेला और खाद्य मेला आयोजित करने का निर्णय लिया है। यहां सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने कहा साहित्य महोत्सव का आयोजन लेखकों, साहित्यकारों और विद्वानों को विधानसभा के करीब लाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। हम एक लेखक को पुरस्कार प्रदान करेंगे। आम लोगों के लिए प्रवेश निशुल्क रहेगा। हम सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम करेंगे। हमारी आशा है कि यह साहित्य महोत्सव हर साल आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग, कन्नड़ साहित्य परिषद, कन्नड़ विकास प्राधिकरण, विभिन्न अकादमियों, विश्वविद्यालय प्रसारकों और निजी प्रकाशन गृहों सहित कुल 150 स्टॉल लगाए जाएंगे। हम महोत्सव में कन्नड़ भाषा को 80 प्रतिशत और अन्य भाषाओं को 20 प्रतिशत प्राथमिकता देंगे। दो मंचों पर साहित्य पर चर्चा और संवाद आयोजित किए जाएंगे। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हम पुस्तक विमोचन के लिए भी एक मंच प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा हम प्रत्येक विधायक को अपने क्षेत्र विकास निधि से पुस्तकें खरीदने और उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और पुस्तकालयों को आपूर्ति करने का एक विशेष अवसर प्रदान करेंगे। वे संबंधित स्कूलों, कॉलेजों या पुस्तकालयों से परामर्श करने के बाद उन्हें खरीद सकते हैं कि उन्हें किन पुस्तकों की आवश्यकता है। कुछ सरकारी कॉलेजों और पुस्तकालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें नहीं हैं। यह इस कमी को पूरा करने का एक अवसर होगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा साहित्यिक महोत्सव के आयोजन के लिए विधानसभा सचिवालय, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, पुलिस विभाग तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रतिनिधियों की एक समिति गठित की गई है। हमारा उद्देश्य वामपंथ और दक्षिणपंथ के बीच कोई भेदभाव किए बिना सभी को खुला अवसर प्रदान करना है। समिति ही कार्यक्रम के आयोजन के बारे में निर्णय लेगी। हम इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे। उन्होंने कहा हम इस साहित्यिक महोत्सव के लिए उपयुक्त नाम और लोगो के साथ आने के लिए जनता को आमंत्रित कर रहे हैं। सबसे अच्छा नाम और लोगो सुझाने वालों को पुरस्कार दिया जाएगा।

# बस में यात्री के बैग से 10 लाख रुपये से अधिक का सोना चोरी

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

केएसआरटीसी बस में यात्रा करते समय एक यात्री के बैग से लगभग 10.08 लाख रुपये के सोने के आभूषण और 3,000 रुपये नकद चोरी होने के बाद दक्षिण कन्नड़ के बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

बेंगलूरु के येलहंका न्यू टाउन निवासी 68 वर्षीय राजगोपाल कारंत द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, वह एक निजी पारिवारिक कार्यक्रम के लिए बंटवाल तालुक के मणिनलकुरु गांव में अपनी पत्नी के गृहनगर मुलकाजे माड जा रहे थे। 1 फरवरी की रात को, वह अपनी पत्नी और दामाद के साथ बेंगलूरु मैजेस्टिक से केएसआरटीसी बस में सवार हुए, जिसमें सोने के आभूषण एक बॉक्स में रखे थे और उनके बैग में 3,000 रुपये नकद थे। यात्रा के दौरान, जब बस कुनिगल के पास रुकी, तो राजगोपाल, उनकी पत्नी और उनके दामाद ने अपना बैग बस के अंदर छोड़ दिया और शौचालय का उपयोग करने के लिए बाहर निकल गए। 2 फरवरी को सुबह-सुबह करिन्जा क्रॉस पहुँचने पर, उन्होंने अपना बैग खोला और पाया कि 144 ग्राम सोना और नकदी गायब थी। यह संदेह करते हुए कि चोरी या तो बस के अंदर या कुनिगल में होटल के पास हुई है, राजगोपाल ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया। वर्तमान में जांच चल रही है।

### नाबालिग से सामूहिक बलात्कार का मामला

# राज्य में लोग बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों का शिकार होने के डर में जीने को मजबूर: विजयेन्द्र

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

भाजपा ने सोमवार को कर्नाटक सरकार पर राज्य के मांड्या जिले में 8 वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना को लेकर निशाना साधा। भाजपा ने कहा राज्य के लोग बलात्कार, महिलाओं पर अत्याचार और दिनदहाड़े डकैती जैसे गंभीर अपराधों का शिकार होने के डर में जीने को मजबूर हैं। यहां पत्रकारों से वार्ता में राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा मांड्या में नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सबसे जघन्य और विकृत मानसिकता वाले अपराधियों का अमानवीय कृत्य है। इस घटना ने सभ्य समाज को शर्म से झुका दिया है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है और असामाजिक तत्व स्थिति का फायदा उठाकर नाबालिगों के साथ बलात्कार, महिलाओं पर अत्याचार और दिनदहाड़े डकैती की घटनाओं को बिना किसी डर के अंजाम दे रहे हैं। विजयेंद्र ने जोर देकर कहा कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के मुख्यमंत्री और मंत्री सत्ता की राजनीति में व्यस्त हैं क्योंकि राज्य में सत्ता की साझेदारी का दौर खत्म हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि अधिकारी राज्य में अनिश्चित स्थिति का फायदा उठा रहे हैं और उन्हें अपनी चूक के लिए जवाबदेह नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा मांड्या की नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना राज्य में हुए जघन्य अपराधों की लंबी सूची में शामिल हो गई है। अगर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार सख्त कार्रवाई करने में विफल रहती है, तो लोग इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि राज्य असामाजिक ताकतों के साथ मिलीभगत कर रहा है। रविवार को मांड्या पुलिस स्टेशन की सीमा में सामने आई इस घटना ने चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि यह एक सरकारी स्कूल के परिसर में हुई थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना 31 जनवरी को हुई थी, जब तीनों आरोपियों ने लड़की को केक का लालच दिया था। उन्होंने चाकू से डराकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया और पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना तब सामने आई, जब लड़की गंभीर रक्तस्राव के कारण दर्द बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी और उसने अपनी मौसी को इस भयावह घटना के बारे में बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# माइक्रोफाइनांस द्वारा परेशान किए जाने पर मुझे फोन करें: कुमारस्वामी

### आत्महत्या जैसे कदम ना उठाएं

**मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।**

केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिले में माइक्रोफाइनेंस कर्मचारियों का उत्पीड़न बढ़ रहा है और यदि उनमें से कोई आपके घर आकर आपको परेशान करता है तो तुरंत मुझे फोन करें। श्रीरंगपट्टण विधानसभा क्षेत्र के संटेकासलगेरे गांव में भूमि सिद्धेश्वर स्वामी मंदिर जीर्णोद्धार कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा यदि कोई माइक्रोफाइनेंस कंपनी आकर आपको परेशान करे तो डरें नहीं। अगर कोई गुंडा लेकर आएं और हंगामा करें तो मुझे तुरंत फोन करें, मैं यहां हूं। आपका जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोगों को किसी भी कारण से किसी की जान नहीं लेनी चाहिए। वे ब्याज और चक्रवृद्धि ब्याज वसूल कर लोगों को प्रताड़ित कर रहे हैं। यह अमानवीय है। गांवों के युवा बिना किसी लाभ के ऑनलाइन गेम के आदी हो रहे हैं। वहां भी वे कर्ज में डूब रहे हैं और अंततः मौत के शिकार हो रहे हैं। मंत्री ने चिंता व्यक्त की कि यह अत्यंत दुखद है। 2018 में मेरे मुख्यमंत्री बनने से पहले मांड्या जिले में 200 से अधिक किसानों ने आत्महत्या कर ली थी। मौतों की यह श्रृंखला मेरे लिए बहुत ही सदमा देने वाली थी। मैं मांड्या आया और किसानों से आत्महत्या न करने की अपील की। तब 25,000 करोड़ रुपये खर्च कर ऋण माफ किया गया। उन्होंने ऋण-मुक्त कानून लागू किया। उन्होंने कहा मैं व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति के पास गया और अधिनियम पर हस्ताक्षर करवाए। माइक्रोफाइनेंस का मामला कुछ महीने पहले चामराजनगर में शुरू हुआ। पूरे राज्य में मौतों का सिलसिला जारी है। हालाँकि, हमारे राज्य के कानून मंत्री अभी भी इस पर व्यापक रूप से विचार कर रहे हैं। सरकार, जो अन्य मुद्दों पर बिजली की गति से निर्णय लेती है, लोगों को माइक्रोफाइनांस से बचाने के लिए मीन राशि पर भरोसा कर रही है। इसमें संदेह क्यों है? गांव का जीवन अस्तव्यस्त है। पुराने गांव लुप्त हो रहे हैं। मानवीय मूल्य लुप्त हो रहे हैं। भारत आज विश्व में तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। हालाँकि, समाज प्रदूषित होता जा रहा है। युवा पीढ़ी भटक रही है। मंत्री ने आशा व्यक्त की कि हम प्रगति करें, विकास करें तथा हमारा समाज खुशहाल हो। अतीत में समाज में सेवा और निस्वार्थता की भावना थी। यदि कोई समस्या होती तो गांव वाले बैठकर खुद ही उसका समाधान कर लेते। अब ऐसी कोई स्थिति नहीं है। भाई-बहन जमीन के एक छोटे से टुकड़े के लिए लड़ रहे हैं और पुलिस थाने और कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगा रहे हैं। शांति का जीवन बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि गांव का विकास होना चाहिए, लेकिन हमें अपने मूल्यों को नहीं छोड़ना चाहिए। राजनीति में एक दूसरे से लड़ना जरूरी नहीं है। आप अपनी इच्छानुसार वोट करें। उन्होंने फुसफुसाते हुए कहा कि राजनीति एक नियमित काम नहीं बननी चाहिए। इस मौके पर आदिचुंचनगिरी मठ के अध्यक्ष डॉ. निर्मलानंदनाथ महास्वामी की दिव्य उपस्थिति थी। पूर्व विधायक रवींद्र श्रीकंठैया, मंदिर जीर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष एस. तमन्ना, उपाध्यक्ष शिवन्ना और समिति के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

# निर्मला सीतारमण बताएं कि उन्होंने कर्नाटक के लिए क्या किया: गृह मंत्री

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सवाल किया कि वह कर्नाटक को कोई योजना दिए बिना कैसे बात कर सकती हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा क्या हमें अपने राज्य को किसी तरह की योजना नहीं देनी चाहिए?

उन्होंने कहा हमें शर्म आती है कि जो लोग हमसे राज्यसभा में चुनकर आए, उन्होंने हमें बजट में पैसे नहीं दिए। निर्मला सीतारमण आरोप लगाने से पहले मुझे बताएं कि आपने कर्नाटक के लिए क्या किया है।

आपको बताना होगा कि आपने क्या काम किया है। उन्होंने सवाल किया कि नीति आयोग का मापदंड क्या है। यदि कृष्णा ऊपरी नदी परियोजना के लिए घोषित धनराशि उपलब्ध नहीं कराई गई तो राज्य पर केंद्रीय बजट में शून्य धनराशि होने का आरोप कैसे लगाया जा सकता है? उन्होंने कहा कि हम गरीबों के लिए गारंटी योजना लेकर आए हैं। मुझे विधायक बी.आर. पाटिल के इस्तीफे और उनकी हताशा के बारे में जानकारी नहीं है। कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद विधायक निर्वाचन क्षेत्रों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किये गये। उसके बाद कोई बोरियत नहीं रही। परमेश्वर ने कहा कि मुख्यमंत्री बी.आर. पाटिल से बात करेंगे, लेकिन उन्हें नहीं पता कि वे क्या बात करेंगे। माइक्रोफाइनांस उत्पीड़न पर अंकुश लगाने के लिए एक अध्यादेश लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री अध्यादेश के मसौदे की समीक्षा करेंगे और उसे राज्यपाल को भेजेंगे। कुछ कानून पहले से ही मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि इनके इस्तेमाल के लिए अध्यादेश लाना होगा।

### नलिन कटील के खिलाफ एफआईआर रद्द करने का मामला

# सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील खारिज की

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को जनाधिकार संघर्ष परिषद के सह-अध्यक्ष आदर्श आर. अय्यर द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कटील के खिलाफ दायर की गई शिकायत के आधार पर शुरू की गई प्राथमिकी (एफआईआर) को रद्द करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली विशेष अनुमति याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

एफआईआर में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य का नाम था। अय्यर की शिकायत के आधार पर एफआईआर में लगाए गए आरोपों में जबरन वसूली शामिल थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने कहा कि उन्होंने शिकायत की जांच की और पाया कि यह पूरी तरह से धारणाओं से भरी हुई है। पीठ ने कहा कि शिकायत में किए गए दावों का समर्थन करने के लिए कोई सामग्री या सबूत नहीं दिखाया गया है। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण को संबोधित करते हुए कहा उच्च न्यायालय का कहना है कि कोई सबूत नहीं है और आप अय्यर तीसरे व्यक्ति हैं। अय्यर की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों का दुरुपयोग करके कुछ कंपनियों के प्रमुख व्यक्तियों को भाजपा के पक्ष में चुनावी बॉन्ड खरीदने के लिए मजबूर करके लगभग 8,000 करोड़ रुपये की जबरन वसूली की गई। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने कहा, जबरन वसूली दिखाने के लिए कोई सबूत नहीं है। भूषण ने कहा कि शिकायत ने एक स्पष्ट मामला प्रस्तुत किया है कि लोगों को ईडी की छापेमारी का डर दिखाया गया था, किसी को इस सवाल पर गौर करना होगा। न्यायमूर्ति कुमार ने कहा कि अदालत केवल अटकलों के आधार पर इन आरोपों की जांच नहीं कर सकती। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट द्वारा इससे संबंधित न्यायिक प्रश्नों पर विचार करने के बाद रद्द कर दिया गया था। व्यक्तिगत मामलों में, अदालतें अपने विशेष तथ्यों और परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेंगी। हालांकि, पीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि विशेष अनुमति याचिका को खारिज करने का उसका निर्णय किसी भी व्यक्ति के रास्ते में नहीं आएगा जिसके पास एफआईआर दर्ज करने का औचित्य साबित करने के लिए सामग्री और सबूत हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

# एक सप्ताह में पता चल जाएगा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का नाम: विजयेंद्र

**शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।**

पार्टी के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने विश्वास जताया है कि एक सप्ताह में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का पता चल जाएगा और शीर्ष नेतृत्व उचित निर्णय लेगा।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराया जाए या नहीं, इसका फैसला नेता करेंगे। एक सप्ताह में हमें पता चल जाएगा कि भाजपा का नया नेता कौन होगा। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों द्वारा स्पष्ट निर्णय लिया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि शायद किसी भी राजनीतिक दल में संगठनात्मक चुनाव इतने व्यवस्थित तरीके से केवल भाजपा ही कराती है। मंडल, जिला, राज्य अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हमारे केंद्रीय नेताओं द्वारा तय किए गए व्यवस्थित तरीके से होते हैं। पिछले एक साल से हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इस भ्रष्ट और दुष्ट राज्य सरकार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ रहे हैं। प्रदेश की जनता, कार्यकर्ता, हमारी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और विधायक जानते हैं कि पिछले एक साल में मैंने प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर किस तरह काम किया है। मैं पूरी तरह आश्वस्त हूं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वह पार्टी अध्यक्ष बने रहेंगे। इस वर्ष जिला अध्यक्ष चुनाव में काफी प्रतिस्पर्धा थी। इसी प्रकार, पार्टी के वरिष्ठ नेता राज्य अध्यक्ष चुनाव के लिए भी अपनी इच्छा व्यक्त कर रहे हैं। पार्टी के नेता सब कुछ देख रहे हैं, सब ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि इसका सुखद अंत होगा। पिछले एक साल से मैंने किसी भी व्यक्ति या पार्टी के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया है। इसलिए मैं राज्य अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक हूं। मैंने एक महान जिम्मेदारी को बहुत सफलतापूर्वक निभाया है। इस प्रकार, प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा इसका उत्तर 8 दिन में मिल जाएगा। उन्होंने कहा तब सभी प्रश्नों का उत्तर मिल जाएगा। इस अवसर पर एमएलसी डी.एस.अरुण और धनंजय सरजी उपस्थित थे।

### कोटेकर बैंक डकैती मामला

# मुख्य आरोपी द्वारा उपलब्ध कराई गई पिस्तौल जब्त

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कोटेकर बैंक डकैती के सिलसिले में पुलिस ने एक पिस्तौल जब्त की है, जो वर्तमान में मुंबई में रहने वाले एक प्रमुख साजिशकर्ता शशि थेवर द्वारा प्रदान की गई थी। मुख्य आरोपी मुरुगंडी को दी गई पिस्तौल गोलीबारी स्थल से लगभग 200 मीटर की दूरी पर बरामद की गई। हालांकि, चूंकि शशि डकैती के समय मौजूद नहीं था, इसलिए अपराध में हथियार का इस्तेमाल नहीं किया गया। लुटेरों की गिरफ्तारी के बाद, मुरुगंडी ने पुलिस को एक स्थानीय साजिशकर्ता की संलिप्तता के बारे में सूचित किया। हालांकि डकैती की योजना छह महीने पहले ही बना ली गई थी, लेकिन मुरुगंडी और शशि थेवर की टीम ने अपनी योजना को अंतिम रूप देने के लिए नवंबर में बैंक के पास अज्जिनादका का दौरा किया। ऐसा माना जाता है कि पिस्तौल को प्लास्टिक में लपेटा गया था और अज्जिनादका में झाड़ियों में छिपा दिया गया था। रिपोर्ट बताती हैं कि शशि थेवर, जो कई डकैती के मामलों में शामिल रहा है, ने धारावी में के सी रोड डकैती के लिए मुरुगंडी की टीम को प्रशिक्षित किया था। मुरुगंडी ने डकैती को अंजाम देने के लिए तमिलनाडु के दो लुटेरों और उत्तर प्रदेश समेत अलग-अलग राज्यों के तीन अन्य लोगों को भी शामिल किया था। तमिलनाडु के दो लुटेरों को जेल भेज दिया गया है, जबकि पुलिस बाकी तीन और मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी हुई है। गिरफ्तार किए गए लोगों में मुरुगंडी के पिता और घटना के दौरान गोली लगने से घायल एक अन्य आरोपी कन्नन फिलहाल जेल में हैं। मुरुगंडी का गोली लगने से घायल होने के बाद उसका इलाज चल रहा है, जबकि योसुआ राजेंद्र को पुलिस हिरासत से जिला जेल में स्थानांतरित किया जाएगा। माना जा रहा है कि मुरुगंडी को पूरी डकैती और इसमें शामिल सभी लोगों के बारे में विस्तृत जानकारी है। चूंकि उसका इलाज चल रहा है, इसलिए और खुलासे होने की उम्मीद है। पुलिस को उम्मीद है कि शशि थेवर की गिरफ्तारी से स्थानीय कनेक्शन के बारे में और जानकारी मिलेगी और जांच इसी दिशा में आगे बढ़ रही है। अधिकारियों को संदेह है कि शशि थेवर मुंबई से पूरी डकैती की साजिश रच रहा था। 67 वर्ष की आयु में, वह शारीरिक रूप से अपराध स्थल पर मौजूद नहीं था, लेकिन रिपोर्टों से पता चलता है कि डकैती के दिन वह दूर से मुरुगंडी की टीम को निर्देश दे रहा था।

# महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री ने केएसआरटीसी सेवा की सराहना की

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) द्वारा अपनाई गई विकासोन्मुखी पहलों की सराहना की है। महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, एमएसआरटीसी के उपाध्यक्ष माधव कुसेकर और अधिकारियों की एक टीम ने शहर में केएसआरटीसी मुख्यालय का दौरा किया और राज्य सरकार से निगम की प्रतिष्ठित बसों के संचालन, पुनरुद्धार, नवीनीकरण, ई-टिकटिंग, कार्गो सेवा, श्रमिकों के बारे में जानकारी ली।

कल्याण पहल, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा और कई अन्य पहलों के बारे में परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने निगम के उपाध्यक्ष रिजवान नवाब और निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की और जानकारी प्राप्त की। बाद में, उन्होंने निगम के बेंगलूरु सेंट्रल डिवीजन की यूनिट 2 का दौरा किया और ऐरावत क्लब क्लास, ऐरावत क्लब क्लास 2.0, अम्बारी ड्रीम क्लास, पालकी, अम्बारी उत्सव, स्काई बस, अश्वमेध, राजहंस और नगर ट्रांसपोर्ट सहित अन्य वाहनों को देखा। उन्होंने यूनिट और कार्यशाला के रखरखाव तथा वाहन पुनर्वास कार्य का निरीक्षण करने के लिए परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी की सराहना की और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

# दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में कोई भी कोरगा परिवार बीपीएल कार्ड के बिना नहीं

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

प्रधानमंत्री की विशेष कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) योजना के तहत, जिसका उद्देश्य हाशिए पर पड़े आदिवासी समुदायों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना है, दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी जिलों के कुल 243 कोरगा परिवारों को नए गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) राशन कार्ड जारी किए गए हैं। इस पहल की अंतिम तिथि 31 जनवरी थी। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इन दोनों जिलों के सभी कोरगा परिवारों के पास अब बीपीएल राशन कार्ड हैं। केंद्र सरकार द्वारा पीवीटीजी के रूप में मान्यता प्राप्त कोरगा और जेनु कुरुबा परिवारों को नए राशन कार्ड के लिए आवेदन करने और वितरित करने की प्रक्रिया 24 दिसंबर को शुरू हुई। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2025 निर्धारित की गई थी। दक्षिण कन्नड़ में, कुल 320 सदस्यों वाले 159 परिवारों

और उडुपी जिले में 84 परिवारों को 31 जनवरी तक बीपीएल राशन कार्ड मिल चुके हैं। पीवीटीजी परिवारों के लिए विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार की योजनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन इन लाभों तक पहुँचने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, आईटीडीपी विभाग ने नाम, जाति और आय प्रमाण पत्र और आधार विवरण सहित आवश्यक डेटा एकत्र किया और आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से लगभग 15 दिन पहले उन्हें खाद्य विभाग को सौंप दिया। पात्र लाभार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन जमा करने और उनके कार्ड प्राप्त करने से पहले केंद्रीय कार्यालय द्वारा इस जानकारी को मैप किया गया था। मैसूरु, कोडागु और चामराजनगर जिलों में भी राशन कार्ड वितरण पहल चल रही है, जहाँ जेनु कुरुबा समुदाय की पहचान पीवीटीजी के रूप में की गई है। राज्य भर में कुल 1,670 पीवीटीजी परिवारों को राशन कार्ड मिलने वाले हैं, जिनमें मैसूरु में 365 परिवार, कोडागु में 342 और चामराजनगर में 516 परिवार शामिल हैं। दक्षिण कन्नड़ आईटीडीपी अधिकारी बसवराजू ने कहा 2011 की जनगणना के अनुसार, दक्षिण कन्नड़ में 1,235 कोरगा परिवार हैं, जिनमें 4,800 सदस्य हैं, जबकि उडुपी में 2,450 कोरगा परिवार हैं, जिनमें 9,500 सदस्य हैं। दक्षिण कन्नड़ में फैले कोरगा परिवारों का पता लगाने और उन्हें राशन कार्ड प्रदान करने के प्रयास किए गए हैं। इसके अलावा, बेघर या जीर्ण-शीर्ण घरों वाले लोगों के लिए नए घर बनाने के लिए 4.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता सहित अन्य सरकारी योजनाएं विशेष रूप से कोरगा परिवारों के लिए उपलब्ध हैं। उनके लाभ के लिए कई पोषण और कल्याणकारी योजनाएं भी शुरू की गई हैं।

# मीडिया में सरकार बदलने और लोगों को नेता बनाने की ताकत: शिवकुमार

### वर्ष 2023-24 का वार्षिक पुरस्कार समारोह आयोजित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि स्थानीय प्राधिकरणों में मीडिया को प्राथमिकता के आधार पर आवास उपलब्ध कराने के लिए आरक्षित सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। कर्नाटक मीडिया अकादमी के वर्ष 2023-24 के वार्षिक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि निजी भूखंड आवंटित करते समय भी मीडिया के लिए आरक्षण करने की योजना है। मीडिया के लिए स्थान उपलब्ध कराने हेतु शीघ्र ही योजना तैयार की जाएगी। आखिरी क्षण में पत्रकारों को अपना घोंसला स्वयं बनाना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने कहा था कि पत्रकारिता का लक्ष्य लोगों और देश की सेवा करना है। कर्नाटक में पत्रकारों को जो स्वतंत्रता प्राप्त है, वह किसी अन्य राज्य में नहीं है। उन्होंने कहा कि मीडिया संविधान का चौथा अंग है और आलोचना होने पर गलतियों को सुधारना, लोगों की भावनाओं को समझना तथा समाज में सकारात्मक योगदान देना मीडिया की जिम्मेदारी है। पत्रकारों और राजनेताओं का यह कर्तव्य होना चाहिए कि वे सच लिखें, सच बोलें और सच का सम्मान करें। मीडिया को हमारी गलतियों को सुधारने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि मीडिया में समाज, अधिकारियों और राजनेताओं को मार्गदर्शन देने की भी शक्ति है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारों को स्वास्थ्य बीमा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया में सरकार बदलने और लोगों को नेता बनाने की ताकत है। उन्होंने कहा कि फर्जी खबरें फैलाने में संयम बरतना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर यह भी घोषणा की कि वे अपने शिक्षण संस्थान में पत्रकारिता पाठ्यक्रम शुरू करेंगे। मीडिया लोगों के जीवन से अभिन्न रूप से जुड़ गया है। ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है कि विज्ञापन के बिना कुछ भी नहीं किया जा सकता। क ामतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जब गारंटी की घोषणा की गई थी तब आर्थिक स्थिति के बारे में जागरूकता थी। उन्होंने अनुरोध किया कि आपका आशीर्वाद मुझ पर और सरकार पर बना रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहुत सारे प्रतिभाशाली लोग हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे पेशेवर रूप से आगे बढ़ने और नेता बनने के अवसर का लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के.वी. प्रभाकर ने कहा कि पत्रकारिता को लोगों की जीवनरेखा कहने वाले डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के शब्दों और मूल्यों को संरक्षित करने और विस्तारित करने के लिए मीडिया अकादमी को कार्यक्रम तैयार करना चाहिए। हमारा संविधान पत्रकारिता की सांसों की रक्षा के लिए है, जो लोगों और समाज की जीवनरेखा है। जैसा कि हमारे संविधान निर्माता अम्बेडकर ने स्वयं कहा था, पत्रकारिता को सच्ची जीवनरेखा बने रहना चाहिए। पत्रकारिता का पेशा मुद्रण-प्रणाली के युग से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग तक विकसित हो चुका है। चाहे प्रौद्योगिकी में हमारा करियर कितना भी आगे बढ़ जाए, सत्य और समझौताहीन मूल्य कभी नहीं बदलने चाहिए। लेकिन आज अटकलबाजी वाली पत्रकारिता, काल्पनिक पत्रकारिता और फर्जी खबरों का संकट बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में न्यूजरूम को बहुत सावधान और जिम्मेदार होने की जरूरत है। पिछले दो वर्षों से पुरस्कार नहीं दिये गये हैं। हमारे विभाग के विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कार पांच वर्षों से लंबित थे। उन्होंने कहा कि हमने अपने कार्यकाल में हर चीज को बांटने का काम किया है। उन्होंने बताया कि हम अपने समुदाय की सभी मांगों को पूरा कर रहे हैं जो दशकों से लंबित थीं, जिनमें पत्रकार परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य बीमा, मुफ्त बस पास और पेंशन में वृद्धि शामिल है।

### लड़की ने स्कूल में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया

# मांड्या में दो लड़कों के खिलाफ पॉक्सो मामला दर्ज

**मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।**

पुलिस ने सोमवार को बताया कि आठ वर्षीय लड़की ने आरोप लगाया है कि इस जिले में उसके स्कूल के शौचालय के अंदर दो लड़कों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। यह घटना 31 जनवरी को हुई थी।

हालांकि, शिकायत रविवार को तब सामने आई जब लड़की की मां ने पुलिस से संपर्क किया। उसके बयान का हवाला देते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सरकारी स्कूल की कक्षा दो की छात्रा ने आरोप लगाया है कि दो लड़के उसे शौचालय में ले गए, जहां उन्होंने उसे कपड़े उतारने की धमकी दी और उसके बाद डंडे से उसकी पिटाई की। उन्होंने उसके निजी अंगों पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि उसने जिन लड़कों की पहचान की है, उनमें से एक उसका सहपाठी है जबकि दूसरा उच्च कक्षा का है। उन्होंने कहा कि लड़की ने आरोप लगाया कि आरोपी छात्रों ने उसे घटना के बारे में किसी को न बताने की धमकी दी, लेकिन बाद में उसने अपनी मां को इस बारे में बताया। मांड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने बताया कि लड़की के बयान के आधार पर दोनों लड़कों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और घटनाओं के क्रम का पता लगाने और तथ्यों की पुष्टि करने के लिए जांच जारी है। जांच के तहत पुलिस स्कूल परिसर से सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। हालांकि, लड़की की मेडिकल जांच रिपोर्ट में निजी अंगों पर ऐसी कोई चोट नहीं पाई गई है। पुलिस ने कहा कि लड़कों के बयान दर्ज किए जाएंगे और उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा हम फिलहाल मामले की जांच कर रहे हैं और लड़की द्वारा दिए गए बयान की जांच कर रहे हैं। उसके बयान में कुछ विसंगतियां हैं।

# महाकुंभ में सतीश जारकीहोली को अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रार्थना की

**बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान लोक निर्माण विभाग और जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली के समर्थकों ने उन्हें कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रार्थना की। 144 साल बाद आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान रविवार तड़के समर्थकों ने गंगा, जमुना सरस्वती नदियों के संगम पर डुबकी लगाई और कर्नाटक कांग्रेस के नेता को अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रार्थना की। जारकीहोली की तस्वीर लेकर उन्होंने तीर्थ स्थल पर कई बार सतीश जारकीहोली अगले मुख्यमंत्री के नारे लगाए। पारंपरिक परिधानों में नारे लगाते जारकीहोली समर्थकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। घोडागेरी से अरुण और शिवकुमार और गोकक से समीर रंगसुभे उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने जारकीहोली को मुख्यमंत्री बनाने के लिए महाकुंभ में प्रार्थना की। यह ऐसे समय में हुआ है जब कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर कांग्रेस के अंदर खींचतान चल रही है। जारकीहोली ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है कि वे कर्नाटक में 2028 के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। हालांकि, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आदेश के बाद से मुख्यमंत्री बनने की चाहत रखने वालों द्वारा मुख्यमंत्री पद को लेकर सार्वजनिक बयानबाजी बंद हो गई है।

# कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार 2028 तक नहीं चलेगी: कुमारस्वामी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने एक साहसिक भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार 2028 तक नहीं चलेगी। कुमारस्वामी ने सरकार की अस्थिरता के लिए एक प्रमुख कारक के रूप में कांग्रेस विधायकों के बीच बढ़ते असंतोष की ओर इशारा किया। प्रेस से बात करते हुए उन्होंने कहा यह सरकार (कर्नाटक में कांग्रेस सरकार) 2028 तक नहीं चलेगी। कांग्रेस विधायकों में असंतोष बढ़ रहा है। हमें नहीं पता कि यह कब फूटेगा, लेकिन आइए इंतजार करें और देखें। कुमारस्वामी ने कहा कि यह सुझाव देना गलत है कि विपक्ष सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया यह सच नहीं है कि हम उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं। उनके विधायक और लोग खुद इस सरकार की नींव

को अस्थिर कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने सरकार द्वारा विकास के लिए आवंटित धन की कमी के बारे में एक प्रमुख चिंता को उजागर किया। उन्होंने तर्क दिया कि वित्तीय बाधाओं के कारण कांग्रेस विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने में असमर्थ थे, जिसने पार्टी के भीतर व्यापक असंतोष में योगदान दिया था। कुमारस्वामी ने कहा सरकार के कार्यों को लेकर उनमें बहुत असंतोष है, और यह जल्द ही सामने आएगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि इस असंतोष से सरकार की स्थिरता में गिरावट आना तय है। इस बीच, कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के राजनीतिक सलाहकार के पद से इस्तीफा दे दिया है। पाटिल ने शुक्रवार को इस्तीफा देते हुए कहा कि वह अभी तक इस्तीफे के कारणों का सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा मैंने परसों इस्तीफा दे दिया। मैंने मुख्यमंत्री को एक विस्तृत पत्र लिखा है। अगर वह मुझे बुलाते हैं तो मैं उनसे बात करूंगा। उन्होंने कहा कई कारण हैं, लेकिन मैं उन्हें सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं कर सकता। मैंने अभी तक सीएम से बात नहीं की है। मैं अपना इस्तीफा वापस नहीं लूंगा।

### वक्फ विधेयक को लेकर जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा

# खास तरह का एजेंडा आगे बढ़ाने में लगा है विपक्ष

**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

वक्फ विधेयक की समीक्षा के लिए गठित की गई संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि विपक्ष एक खास तरह के एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने वक्फ बिल को लेकर बनी 428 पन्नों की रिपोर्ट में से 281 पन्नों पर असहमति नोट पेश किया है। उन्होंने कहा कि सभी पक्षकारों से बात करने और विचारों पर गौर करने के बाद अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई है। वक्फ संशोधन विधेयक को संसद में पेश किए जाने की तैयारी है।

जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, विपक्ष ने यह कहकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की थी कि अगर बिल पारित हो जाता है तो सभी वक्फ संपत्तियां छीन ली जाएंगी, ठीक उसी तरह से वह देश में एक खास एजेंडे को आगे बढ़ाकर तुष्टिकरण की कोशिश की जा रही है। हमने जेपीसी की बैठकों में वक्फ बोर्ड, अल्पसंख्यक आयोग, सरकारी अधिकारी, हितधारक और इस्लामी विद्वान सभी को गवाह के रूप में बुलाकर बात की और उनको सुना। इसके बाद हमने 428 पन्नों की रिपोर्ट तैयार की है और हमने रिपोर्ट स्पीकर को सौंप दी है।

जेपीसी अध्यक्ष ने कहा कि 428 पन्नों की रिपोर्ट में हमने हर खंड में संशोधन का अनुरोध किया था। असदुद्दीन ओवैसी, नसीर हुसैन और अन्य सभी ने अपना इनपुट दिया था। हमने उनके संशोधन के आधार पर मतदान किया और बहुमत के आधार पर संशोधन को स्वीकार कर लिया। विपक्ष ने 281 पन्नों पर असहमति नोट दिया था। जब सदन में रिपोर्ट पेश की जाएगी तो सभी असहमति नोट भी शामिल किए जाएंगे। अब संसदीय लोकतंत्र में और क्या किया जा सकता है? जेपीसी अध्यक्ष ने कहा कि जब लोकसभा अध्यक्ष की पीठ और कार्य समिति सहमत होगी, तब हम इसे सदन में पेश करेंगे।

इससे पहले 30 जनवरी को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने 655 पेज वाली रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी थी। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने इसे असंवैधानिक करार दिया था। उनका आरोप है कि यह कदम वक्फ बोर्डों को बर्बाद कर देगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की ओर से लोकसभा में पेश किए जाने के बाद 8 अगस्त, 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया था। विधेयक का मकसद वक्फ संपत्तियों को विनियमित और प्रबंधित करने से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करने के लिए वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन करना है।

# महाराष्ट्र में बीते साल 38 हजार करोड़ की हुई वित्तीय धोखाधड़ी

**मुंबई, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

महाराष्ट्र के गृह विभाग के अनुसार, बीते साल महाराष्ट्र में वित्तीय धोखाधड़ी के 2,19,047 मामले सामने आए। इनमें 38 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई। आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में वित्तीय धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले देखे गए। मुंबई में साल 2024 में वित्तीय धोखाधड़ी की 51,873 मामले रिपोर्ट हुए, जिनमें 12,404.12 करोड़ रुपए की धांधली की गई। पुणे शहर में साल 2024 में धोखाधड़ी के 22,059 मामले दर्ज हुए, जिनमें 5122 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। पूरे पुणे जिले की बात करें तो इसमें 42,802 मामले दर्ज हुए, जिनमें से 16115 मामले पिंपरी चिंचवाड़ में, 4628 मामले ग्रामीण इलाकों में दर्ज हुए। इनमें क्रमशः 3291 करोड़ रुपए और 434 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। ठाणे जिले में 35,388 धोखाधड़ी के मामले रिपोर्ट हुए। इनमें से ठाणे शहर में 20,892 मामले, नवी मुंबई में 13,260 और ठाणे ग्रामीण इलाकों में 1236 मामले दर्ज हुए। इनमें कुल 8,583 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी हुई। मीरा भयंदर और वसई विरार में वित्तीय धोखाधड़ी के 11,754 मामले दर्ज हुए, जिनमें 1431 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। नागपुर शहर में 11,875 मामले और नागपुर ग्रामीण में 1620 मामले दर्ज हुए हैं। नासिक में यह आंकड़ा 9169 मामले और 1047 करोड़ रुपए का नुकसान शामिल है।

छत्रपति संभाजीनगर जिले में 543.61 करोड़ रुपए की वित्तीय धोखाधड़ी के 6,090 मामले दर्ज किए गए, जबकि अमरावती जिले में 223.059 करोड़ रुपए से जुड़े 2,778 मामले दर्ज किए गए। आंकड़ों के अनुसार, छत्रपति संभाजीनगर शहर में 4,837 और अमरावती शहर में 1,819 मामले दर्ज किए गए। सोलापुर जिले में 3,457 मामले दर्ज किए गए, जहां लोगों को इस तरह की धोखाधड़ी में 394.54 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अन्य जिलों में, बुलढाणा में 1,531 मामले, चंद्रपुर में 1,792 और लातूर में 1,624 मामले दर्ज किए गए, जिनमें क्रमशः 239.19 करोड़ रुपए, 175.39 करोड़ रुपए और 240.45 करोड़ रुपए की राशि शामिल है। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और वित्तीय लेनदेन से संबंधित संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करने का आग्रह किया है।

# स्कूल में सरस्वती पूजा करने वाले हिंदू शिक्षक को मुस्लिमों ने पीटा

**नदिया, 03 फरवरी (एजेंसियां)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार में मुस्लिम कट्टरपंथियों के हौसले काफी बुलंद बने हुए हैं। हालात ये हो गए हैं कि हिंदू अगर अपने त्यौहार भी मनाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें मुस्लिम कट्टरपंथियों के गुस्से का सामना करना पड़ता है। ऐसी ही एक घटना नादिया से प्रकाश में आई है, जहां बसंत पंचमी के मौके पर स्कूल में सरस्वती पूजा करना चाह रहे हिंदू शिक्षक को इस्लामिक कट्टरपंथियों ने बेरहमी से पीट दिया।

यह घटना पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के अंतर्गत आने वाले हरिंगहाटा ब्लॉक में हुई। इसी ब्लॉक में स्थित है दासपोल डांगा प्राइमरी स्कूल। इस स्कूल में अधिकतर मुस्लिम समुदाय के छात्र पढ़ते हैं। स्कूल में हिंदू छात्रों की संख्या बहुत ही कम है। स्कूल में पढ़ाने वाले एक हिंदू शिक्षक ने बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा मनाने का प्रस्ताव रखा। जैसे ही इसकी भनक मुस्लिम कट्टरपंथियों को लगी तो वे भड़क गए।

स्थानीय मुस्लिम कट्टरपंथियों ने स्कूल में घुसकर हिंदू शिक्षक पर हमला कर दिया। कई कट्टरपंथियों ने मिलकर शिक्षक को पीटा और उन्हें गालियां दी। वहीं दूसरे लोग तमाशा देखते रहे। शिक्षक पर हमले का मास्टरमाइंड अलीमुद्दीन नाम का कट्टरपंथी है, जिसने आसपास के मुस्लिमों को भड़काया था। इस पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। हालांकि, दबाव के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शांति समिति ने फैसला किया है कि स्कूल में सरस्वती पूजा मनाई जाएगी।

# जलवायु परिवर्तन से खतरे में हैं कश्मीर के वेटलैंड

**जम्मू, 03 फरवरी (ब्यूरो)।**

कश्मीर के वेटलैंड, जो कभी महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र हुआ करते थे, लंबे समय से चल रहे सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण लगातार खतरे में हैं। इन चुनौतियों ने कश्मीर के नाजुक वेटलैंडों को काफी नुकसान पहुंचाया है, जिससे पर्यावरणविदों, स्थानीय समुदायों और वन्यजीव अधिकारियों के बीच चिंताएं बढ़ गई हैं। नतीजतन, कश्मीर को एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है जो वन्यजीवों और कृषि दोनों को बनाए रखता है।

जानकारी के लिए प्रवासी पक्षियों के लिए एक पड़ाव के रूप में अपने महत्व के लिए व्यापक रूप से 'एवियन एयरपोर्ट' के रूप में जाना जाने वाला होकरसर प्रभावित वेटलैंडों में से एक है। हर साल, हजारों पक्षी अपने प्रवास के दौरान इस वेटलैंड से गुजरते हैं। हालांकि, चल रही शुष्क परिस्थितियां और बदलते जलवायु पैटर्न इस प्रवासी पक्षियों के महत्वपूर्ण अभयारण्य अर्थात वेटलैंड को खतरे में डाल रहे हैं। एक पर्यावरण विशेषज्ञ का अनुमान है कि 55 वर्ग किलोमीटर वेटलैंड गायब हो गया है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि मुख्य रूप से लंबे समय तक सूखे की स्थिति, कम वर्षा और बढ़ते तापमान के कारण यह परिस्थिति पैदा हुई है। नतीजतन, इन वेटलैंडों में जल स्तर काफी कम हो गया है, जिससे पक्षी आबादी में उल्लेखनीय गिरावट आई है जो कभी कश्मीर में आते थे। यह सच है कि यह स्थिति वैश्विक जलवायु

रिपोर्टों को दर्शाती है, जो संकेत देती है कि पिछला दशक रिकार्ड पर सबसे गर्म रहा है। कश्मीर कोई अपवाद नहीं है, लंबे समय तक सूखे की अवधि के कारण नदियों का प्रवाह कम हो जाता है, जिससे यह समस्या और भी बढ़ जाती है।

संयुक्त राष्ट्र की जलवायु रिपोर्ट ने इसे क्षेत्र के पारिस्थितिकी भविष्य के लिए एक गंभीर चिंता के रूप में चिन्हित किया है। श्रीनगर के वन्यजीव वार्डन अल्ताफ अहमद कहते हैं कि प्रवासी पक्षियों को सहारा देने के लिए वेटलैंड्स को न्यूनतम जल स्तर की आवश्यकता होती है, खासकर सर्दियों में। उनके मुताबिक, ये वेटलैंड्स एक अनूठा वातावरण प्रदान करते हैं, दलदल, सूखापन और पानी का संयोजन, जो इन पक्षियों के लिए आवश्यक है।

जबकि पानी की कमी बढ़ रही है, अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रवासी पक्षियों के लिए आवश्यक न्यूनतम जल स्तर बनाए रखा जाए, खासकर होकरसर जैसे प्रमुख वेटलैंड्स में। उन्होंने बताया कि वेटलैंड्स में पानी नदी की तरह नहीं बहता है; यह एक कटोरे जैसी संरचना में रहता है, जो इसे लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करता है। सूखे की अवधि और भूजल निर्वहन में कमी के बावजूद, वेटलैंड्स अच्छी तरह से टिके हुए हैं।

उदाहरण के लिए, होकरसर में जल स्तर को नियंत्रित करने के लिए सिंचाई विभाग की मदद से गेट लगाए गए हैं। अहमद कहते हैं कि फिलहाल यह पिछले 5-10 सालों में सबसे अच्छे स्तर पर है। हालांकि, चुनौतियां बनी हुई हैं, खास तौर पर प्लास्टिक कचरे के आस-पास की धाराओं के जरिए वेटलैंड में प्रवेश करने के कारण।

यही नहीं वुल्लर में झेलम और होकरसर में धूड़ गंगा नहर जैसी धाराएं आबादी वाले इलाकों से होकर गुजरती हैं, जो ठोस कचरे की महत्वपूर्ण मात्रा लेकर आती हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, अधिकारियों ने कई उपाय लागू किए हैं, जिनमें स्टील ट्रैश बैरियर, मैनुअल वेस्ट रिमूवल और फ्लोटिंग ट्रैश बैरियर शामिल हैं। अहमद बताते हैं कि ये हस्तक्षेप वेटलैंड को साफ करने और प्रवासी पक्षियों का समर्थन करने वाले पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने में मदद करते हैं। जबकि वन्यजीवों के लिए जल स्तर बनाए रखना एक प्राथमिकता है और अपशिष्ट प्रबंधन एक महत्वपूर्ण कार्य बना हुआ है।

# अमृत स्नान के दिव्य आयोजन पर साधु संतों ने की प्रशंसा

**महाकुंभ नगर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर महाकुंभ 2025 में।सोमवार अखाड़ों द्वारा भव्य अमृत स्नान किया जा रहा है। संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ संगम तट पर उमड़ी है। इस अवसर पर देशभर के प्रमुख संतों ने भव्य और दिव्य व्यवस्थाओं के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की।

जूना अखाड़ा पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी महाराज ने कहा, बसंत पंचमी के इस पावन पर्व पर पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है, हमारा सामाजिक सद्भाव, आध्यात्मिक मूल्य आज पूरे विश्व के केंद्र में हैं। योग और आयुर्वेद के माध्यम से भारत की अद्भुत स्वीकृति बढ़ रही है। हम वही हैं जो पूरे संसार को अपना परिवार मानते हैं। हम यह भी चाहते हैं कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाए जाएं और प्लास्टिक का उपयोग न किया जाए।

-आचार्य महामंडलेश्वर एवं निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज, निरंजनी अखाड़ा ने कहा, आज बसंत पंचमी का पावन पर्व मनाया जा रहा है। सभी सनातनी आज मां सरस्वती की आराधना करेंगे। सभी अखाड़े पवित्र स्नान कर रहे हैं। कोई भी सरकार इस परंपरा को तभी समझ सकती है जब सरकार में कोई धर्म को समझने वाला हो, और धर्म को योगी जी (आदित्यनाथ) से बेहतर कोई नहीं समझ सकता।

आनंद अखाड़े के आचार्य स्वामी बालकानंद गिरी जी ने कहा, अमृत स्नान को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में बहुत भाव और दिव्या तैयारी की है। शासन और प्रशासन की ओर से भी पूरा सहयोग किया गया है। पूरी दिव्यता के साथ अमृत स्नान सम्पन्न हो रहा है। समस्त अखाड़े अपने-अपने समय के अनुसार त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा रहे हैं। सभी को अमृत स्नान का लाभ मिलेगा।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने कहा, आज बसंत पंचमी के अवसर पर अंतिम अमृत स्नान हुआ। अमृत स्नान के बाद हम वाराणसी के लिए प्रस्थान करेंगे। हमें स्नान के लिए 40 मिनट का समय दिया गया है। सभी श्रद्धालुओं से आग्रह करता हूं कि बिना आवश्यक कारण संगम घाट न आएं।

अटल पीठाधीश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती ने कहा, अमृत स्नान बहुत शांतिपूर्वक और उत्कृष्ट तरीके से संपन्न हुआ। इस कुंभ मेला का उद्देश्य विश्व में शांति और एकता स्थापित करना है। सभी को इससे एक सीख लेनी चाहिए। यहां सभी जाति और धर्म के लोग एकत्रित होते हैं। एकता, समृद्धि और भाईचारे की भावना बनी रहे। निरंजनी अखाड़ा के -महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद गिरी महाराज ने कहा, महाकुंभ स्वयं ही अमृत स्नान है। मुगल शासन के दौरान जिसे शाही स्नान कहा जाता था, आज वैदिक संस्कृति में उसे अमृत स्नान के नाम से जाना जाता है। गंगा मात्र दर्शन से ही पापों से मुक्त करने की क्षमता रखती है, और हम यहां त्रिवेणी में उपस्थित हैं। आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, आज बसंत पंचमी के अवसर पर अमृत स्नान हो रहा है। मुझे नहीं लगता कि इससे पहले कभी कुंभ में इतनी बड़ी संख्या में लोग आए होंगे। बच्चों और बुजुर्गों को पहले स्नान कराया जाना चाहिए। श्रद्धालुओं को सभी का ध्यान रखना चाहिए। मैं युवाओं से भी आग्रह करता हूं कि वे सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करें। महानिर्वाणी अखाड़ा महामंडलेश्वर विश्वेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा, आज का स्नान पूरे विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करने का अवसर है। यहां सभी प्रकार के लोग आए हैं। प्रशासन द्वारा किए गए इंतजाम उत्कृष्ट हैं।

# उत्तराखंड के पांच नगरों के शुरू हो रही हेली-सेवा

**देहरादून, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पांच अन्य शहरों के लिए नियमित हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने के लिए स्वीकृति दे दी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय इस दिशा में अपनी पूरी योजना बना चुका है।

देहरादून से बागेश्वर, हल्द्वानी से बागेश्वर, देहरादून से पौड़ी, देहरादून से श्रीनगर, देहरादून से नैनीताल के लिए सहस्त्रधारा हेलीपोर्ट से ये सेवाएं शुरू किए जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसी माह के मध्य से ये सेवाएं शुरू हो सकती हैं। अभी हल्द्वानी से मुनस्यारी,हल्द्वानी से पिथौरागढ़, हल्द्वानी से चंपावत की नियमित उड़ान चल रही है, साथ ही देहरादून और हिंडन( दिल्ली) से भी पिथौरागढ़ तक नियमित उड़ाने हो रही है। जिनमें किफायती किराया लिया जा रहा है, पर्यटन और स्थानीय नागरिकों की सुविधाओं को देखते हुए नई उड़ानें शुरू किए जाने पर धामी सरकार ने स्वीकृति प्रदान की है।

# संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

**मुजफ्फरपुर,03 फरवरी (एजेंसियां)।**

मुजफ्फरपुर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह बीते तीन दिनों से इलाजरत था और आज उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि युवक को कुछ लोग बुलाकर ले गए और उसे जहर देकर मार डाला। घटना मोतीपुर थाना क्षेत्र के परसौनी गांव की है। मृतक के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर मामले की जांच में जुट गई है। मृतक युवक की पहचान धर्मेन्द्र कुमार सहनी (28) के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में मृतक के भाई ने बताया कि मेरा भाई धर्मेंद्र असम के दीमापुर जिले में निजी कंपनी में काम करता था। चार दिन पहले ही वह अपने गांव आया था। गांव के कुछ लोगों से हमारा पूर्व से विवाद चल रहा है। उनलोगों ने मेरे भाई को बुलाकर अपने घर ले गए। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर घर के लोगों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि धर्मेंद्र उन्हीं लोग के घर पर है। उसकी तबियत खराब थी और उसके मुंह से झाग आ रहा था, जिसके बाद हमलोग आननफानन में उसे लेकर अस्पताल में ले गये। उसकी हालत लगातार बिगड़ती ही जा रही रही थी। आज इलाज के दौरान इसकी मौत हो गई। मृतक के भाई धर्मेंद्र सहनी ने जहर देकर मार देने का आरोप लगाया है।

# एकता का महाकुंभ : महाकुंभ केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया की आध्यात्मिक प्रेरणा का स्रोत है: योगी

**महाकुंभ नगर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर महाकुंभ 2025 में पवित्र त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले पूज्य साधु-संतों, धर्माचार्यों, सभी अखाड़ों, कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा,

महाकुंभ केवल भारत नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की और कहा कि इस आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालु भगवान की कृपा प्राप्त करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस महाकुंभ को भारत की सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक मूल्यों को प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया और इसके द्वारा समाज में शांति, समृद्धि और सद्भाव की भावना को साझा करने की शुभकामनाएं दीं।

# त्रिवेणी तट पर नागा साधु बने आकर्षण का केंद्र

## अंतिम अमृत स्नान पर नागा साधुओं को देखने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

**महाकुंभ नगर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

महाकुंभ 2025 के अंतिम अमृत स्नान के दौरान नागा साधुओं का अद्भुत प्रदर्शन श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। त्रिवेणी तट पर इन साधुओं की पारंपरिक और अद्वितीय गतिविधियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अमृत स्नान के लिए ज्यादातर अखाड़ों का नेतृत्व कर रहे इन नागा साधुओं का अनुशासन और उनका पारंपरिक शस्त्र कौशल देखने लायक था।

कभी डमरू बजाते हुए तो कभी भाले और तलवारें लहराते हुए, इन साधुओं ने युद्ध कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। लाठियां भांजते और अठखेलियां करते हुए ये साधु अपनी परंपरा और जोश का प्रदर्शन कर रहे थे।

बसंत पंचमी के अमृत स्नान के लिए निकली अखाड़ों की शोभा यात्रा में कुछ नागा साधु घोड़ों पर सवार थे तो कुछ पैदल चलते हुए अपनी विशिष्ट वेशभूषा और आभूषणों से सजे हुए थे। जटाओं में फूल, फूलों की मालाएं और त्रिशूल हवा में लहराते हुए उन्होंने

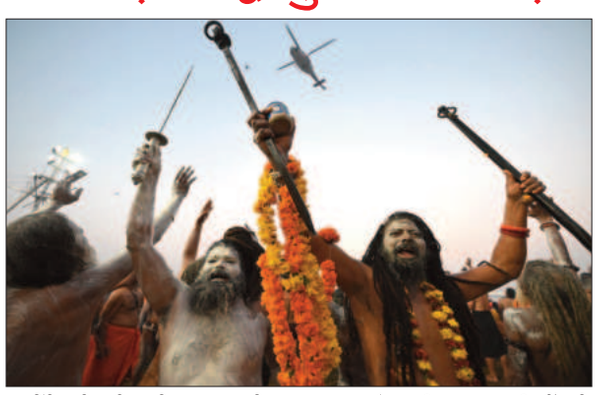

महाकुंभ की पवित्रता को और भी बढ़ा दिया। स्व-अनुशासन में रहने वाले इन साधुओं को कोई रोक नहीं सकता था, लेकिन वो अपने अखाड़ों के शीर्ष पदाधिकारियों के आदेशों का पालन करते हुए आगे बढ़े। नगाड़ों की गूंज के बीच उनके जोश ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। त्रिशूल और डमरू के साथ उनके प्रदर्शन ने यह संदेश दिया कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के मिलन का उत्सव है।

शोभायात्रा के दौरान मीडिया ही नहीं, बल्कि आम श्रद्धालुओं के मोबाइल के कैमरे भी नागा साधुओं को कैप्चर करने के लिए हवा में लहरा रहे थे। नागा भी किसी को निराश नहीं कर रहे थे, बल्कि वो अपने हाव भाव से उन्हें आमंत्रित कर रहे थे। कुछ नागा तो आंखों में काला चश्मा लगाकर आम लोगों से इंटरैक्ट भी कर पा रहे थे। उनकी इस स्टाइल को हर कोई कैद कर लेना चाहता था। यही नहीं, नागा साधु नगाड़ों की ताल पर नृत्य करते हुए अपनी परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी जोश और उत्साह से भरपूर गतिविधियों ने श्रद्धालुओं के बीच अपार उत्साह पैदा किया। जितने उत्साहित नागा साधु थे, उतने ही श्रद्धालु भी उनकी हर गतिविधि को देख मंत्रमुग्ध हो गए। स्नान के दौरान भी नागा साधुओं का अंदाज निराला था। त्रिवेणी संगम में उन्होंने पूरे जोश के साथ प्रवेश किया और पवित्र जल के साथ अठखेलियां कीं। इस दौरान सभी नागा आपस में मस्ती करते नजर आए।

पुरुष नागा साधुओं के साथ ही महिला नागा संन्यासियों की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। पुरुष नागाओं की तरह ही महिला नागा संन्यासी भी उसी ढंग से तप और योग में लीन रहती हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि ये गेरुआ वस्त्र धारण करती हैं उसमें भी ये बिना सिलाया वस्त्र धारण करती हैं। उन्हें भी परिवार से अलग होना पड़ता है। खुद के साथ परिवार के लोगों का पिंडदान करना होता है तब जाकर महिला नागा संन्यासी बन पाती हैं। जब एक बार महिला नागा संन्यासी बन जाती हैं तो उनका लक्ष्य धर्म की रक्षा, सनातन की रक्षा करना होता है। इस महाकुंभ में हर कोई इनके बारे में जानने को उत्सुक नजर आ रहा है।

नागा साधुओं ने अपने व्यवहार और प्रदर्शन से यह संदेश दिया कि महाकुंभ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मनुष्य के आत्मिक और प्राकृतिक मिलन का उत्सव है। उनकी हर गतिविधि में महाकुंभ की पवित्रता और उल्लास का अद्वितीय अनुभव झलक रहा था। महाकुंभ 2025 का यह आयोजन नागा साधुओं की विशिष्ट गतिविधियों और उनकी परंपराओं के कारण लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

# भारतीय संस्कृति के रंग में रंगे विदेशी श्रद्धालु

### त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान से अभिभूत हुए विदेशी श्रद्धालु

**महाकुंभ नगर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

बसंत पंचमी के अवसर पर विदेशी श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करते हुए भारतीय संस्कृति के जीवंत रंगों में रंगे दिखाई दिए। वो न सिर्फ भारतीय मित्रों के साथ आध्यात्मिक गहराइयों में डूबे नजर आए, बल्कि अन्य तीर्थयात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत करते भी दिखे। विदेशी श्रद्धालुओं ने इस विशेष अवसर पर भारतीय परंपराओं को अपनाते हुए दिव्य स्नान में भाग लिया और अपनी यात्रा को एक अद्वितीय और अविस्मरणीय अनुभव बताया।

इटली से आए एक विदेशी श्रद्धालु ने कहा कि मैंने कुछ मिनट पहले पवित्र डुबकी लगाई। यह एक जीवन में मिलने वाला अनोखा अवसर जैसा महसूस हो रहा है।

लोग इस क्षण के लिए 144 वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे थे। खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं। यह मेरे जीवन के सबसे सुंदर अनुभवों में से एक रहा। यहां के लोग हमारे प्रति बहुत ही दयालु रहे हैं।

क्रोएशिया से आए एंड्रो ने बसंत पंचमी के अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के बाद कहा कि मैंने और मेरी पत्नी ने पवित्र स्नान किया। यह एक अद्भुत अनुभव है। वास्तव में दिव्य महाकुंभ की अनुभूति हो रही है। यहां व्यवस्थाएं और सुविधाएं सब कुछ बहुत शानदार और उत्तम रहा।

ऑस्ट्रिया से आई अविगेल कहती हैं, यह अविश्वसनीय और अद्भुत है। यह जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है। मैंने भारत के लोगों को समझना शुरू किया है। इससे पहले मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। इटली से एक अन्य श्रद्धालु भी कहते हैं, यह मेरे लिए इस तरह का पहला अवसर है। मैं इटली से आ रहा हूं और मैं बहुत बहुत खुश हूं। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा अनुभव है।

# बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर त्रिवेणी में उमड़ा जन समुद्र

**महाकुंभ नगर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

बसंत पंचमी के पवित्र अवसर पर सोमवार को त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान के लिए आस्था का जनसमुद्र उमड़ पड़ा। महाकुंभ के तीसरे अमृत स्नान पर करोड़ों श्रद्धालु देर रात से ही पुण्य की कामना के साथ संगम की रेत पर एकत्रित होने लगे।

हर-हर गंगे, बम बम भोले और जय श्री राम के गगनभेदी उद्घोष से पूरा मेला क्षेत्र गूंज उठा। सीएम योगी के विशेष निर्देश पर सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम रहे कि परिंदा भी पर न मार सके। यहां डीआईजी और एसएसपी खुद मैदान में उतरकर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे थे।

श्रद्धालुओं के साथ साधु-संत,

महामंडलेश्वर और देश-विदेश से आए भक्त संगम में पवित्र डुबकी लगाते नजर आए। इसके साथ ही सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अमृत स्नान के लिए अद्भुत और दिव्य महाकुंभ की सभी व्यवस्था सुनिश्चित की गई। यातायात पूरी तरह सुचारु रहा और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। स्नान के बाद श्रद्धालु दान-पुण्य करते दिखे।

बसंत पंचमी पर अमृत स्नान के दौरान महाकुंभ का डिजिटल स्वरूप भी आकर्षण का केंद्र रहा। जहां हर व्यक्ति इस दिव्य अनुभूति को अपने कैमरे में सुरक्षित करने के लिए उत्साहित नजर आया। संगम तट पर फूल-मालाओं से लदे संतों पर उत्साहित श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। जिससे पूरे महाकुंभ का माहौल और भव्य बन गया।

# महाकुंभ भगदड़ पर याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

### न्यायिक आयोग कर रहा है हादसे की जांच

**नई दिल्ली/लखनऊ, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

सुप्रीम कोर्ट ने मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ पर दाखिल की गई जनहित याचिका की सुनवाई करने से इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को याचिका पर संज्ञान लिया और इसे दाखिल करने वाले वकील विशाल तिवारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने को कहा।

याचिका में वकील विशाल तिवारी ने मांग की थी कि यूपी सरकार के अफसरों पर कार्रवाई की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में पहले ही एक न्यायिक आयोग बन गया है जो जांच कर

रहा है। कोर्ट ने याचिका वापस लेने और हाईकोर्ट जाने की छूट दे दी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी एक ऐसी ही याचिका दाखिल की गई है। गौरतलब कि 29 जनवरी, 2025 को हुई भगदड़ को प्रयागराज में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी जबकि 60 घायल हुए थे।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने वकील विशाल तिवारी की जनहित याचिका पर सुनवाई की। याचिका में भगदड़ की घटनाओं को रोकने और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत समानता व जीवन के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की इन दलीलों पर गौर किया कि न्यायिक जांच शुरू की गई है।

याचिका में केंद्र और सभी राज्यों को पक्षकार बनाते हुए केंद्र तथा राज्य सरकारों को महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि महाकुंभ जैसे आयोजनों में वीआईपी मूवमेंट को सीमित किया जाए और ज्यादा से ज्यादा जगह आम आदमी के लिए रखी जाए। सभी राज्यों को सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने तथा आपात स्थिति में अपने-अपने निवासियों की सहायता के लिए प्रयागराज में सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए।

जनहित याचिका में श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में आसानी से पहुंचने में मदद के लिए कई भाषाओं में साइनेज और अनाउंसमेंट कराने की भी मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि उपस्थित लोगों को सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में बताने के लिए एसएमएस और व्हाट्सएप संदेशों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

# अंतिम अमृत स्नान पर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा, लगे जयकारे

**महाकुंभ नगर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

महाकुंभ 2025 के अंतिम अमृत स्नान बसंत पंचमी के दिन सोमवार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराई।

हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। पुष्प वर्षा की शुरुआत सुबह 6.30 बजे से ही हो गई, जब अखाड़ों का अमृत स्नान जारी था। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद नागा संन्यासियों, संतों और श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने

पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों की खास तौर पर व्यवस्था की गई थी। महाकुंभ के सभी स्नान पर्वों पर पुष्प वर्षा कराने की तैयारी की गई है। प्रत्येक स्नान पर्व पर लगभग 20 कुंतल गुलाब की पंखुड़ियों से बारिश की जा रही है। पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा और पहले अमृत स्नान पर्व मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई थीं, जबकि मौनी अमावस्या के दूसरे अमृत स्नान पर भी सांकेतिक रूप से पुष्प वर्षा कराई गई।

अमृत स्नान के दौरान पुष्पवर्षा से नागा संन्यासी, साधु संत और श्रद्धालु भी अभिभूत नजर आए। हर हर महादेव, जय श्री राम, गंगा मैया की जय जैसे जयकारों से पूरा त्रिवेणी क्षेत्र गुंजायमान हो गया। मालूम हो कि प्रयागराज उद्यान विभाग की ओर से अमृत स्नान के लिए पहले ही पर्याप्त फूलों की व्यवस्था की गई है। उद्यान विभाग की ओर 20 क्विंटल से अधिक मात्रा में गुलाब के फूलों का स्टॉक जमा किया गया था। वहीं 5 क्विंटल फूल रिजर्व में भी रखे गए हैं।

# महाकुंभ में उमड़ा आस्था का जनसमुद्र, संख्या 35 करोड़ के पार

**महाकुंभ नगर, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच गया है। इसी क्रम में बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर महाकुंभ में अब तक स्नानार्थियों की संख्या ने 35 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया।

सोमवार को सुबह 8 बजे तक 62.25 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इसके साथ ही महाकुंभ में स्नानार्थियों की कुल संख्या 35 करोड़ के पार हो गई। अभी महाकुंभ को 23 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ के ऊपर जा सकती है।

प्रयागराज में श्रद्धालुओं के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन करोड़ों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर भी सुबह से ही करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम स्नान को पहुंचे। रविवार 2 फरवरी को करीब 1.20 करोड़ ने स्नान किया था, जिसके बाद कुल स्नानार्थियों की संख्या 35 करोड़ के करीब पहुंच गई थी, जिसने सोमवार सुबह यह आंकड़ा पार कर लिया। स्नानार्थियों में 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे।

यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था।

एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई।

संपादकीय

# केंद्र से आर्थिक मुराद

कहीं तालियां, कहीं बाहुपाश, हर बजट की समझ में खुद को ढूंढना अब इल्तिजा है। यूं तो केंद्रीय बजट का श्रृंगार मध्यम वर्ग की संवेदना पर मरहम लगाता प्रतीत हो रहा है, लेकिन छोटे मंसूबों में बड़े उपकार के मुहावरे समझना कठिन है। अब सीधा गणित है भी नहीं कि हम अपने राज्य के आसपास बजट को सीधा खड़ा कर दें, फिर भी तलाश यह है कि हिमाचल इसके भीतर अपनी आर्थिक मुराद पूरी करे। केंद्र से सीधे संबोधन की सुर्खियां लालायित करती हैं, तो हिमाचल का मध्यम वर्ग आयकर के बारह लाख क्लब का लाभान्वित सदस्य तो हो ही गया। जो कर्मचारी कल तक ओपीएस के बाहुपाश में हिमाचल सरकार के बाहुपाश में थे, उनके लिए आयकर का नवीन मुहावरा, बड़े काम का हो गया। देश के मध्यम वर्ग के मार्फत अब राष्ट्रीय खुशहाली के ख्वाब अगर बाजार में पल्लवित होते हैं, तो हिमाचल में सियासत इसी बुनियाद को पुख्ता करेगी। हम कई बार लिख चुके हैं कि हिमाचल में चुनाव के विषय और वर्ग को समझना है, तो मध्यम वर्ग-मध्यम वर्ग जपना ही होगा। यहां कर्मचारी वर्ग की ताजपोशी में मिशन रिपीट का सबब अगर पूरा नहीं होता, तो इसलिए कि गैर सरकारी क्षेत्र का मध्यम वर्ग ही राष्ट्रीय औसत से दोगुना है। यानी देश में 31 प्रतिशत मध्यम वर्ग के मुकाबले हिमाचल में साठ से सत्तर प्रतिशत जनसंख्या इसी दायरे में चिन्हित हो रही है। खैर एक वर्ग केंद्र ने अपने नजदीक कर लिया, तो इसके मायने हिमाचल के बजट में भी देखे जाएंगे। जिसने जान लीं बारीकियां अपने हुस्न कीं, वह मुंह दिखाने के काबिल बनता गया। ऐसे में उन प्रतिक्रियाओं के अक्स में हिमाचल प्रदेश की आशाओं को देखना होगा, जिन्हें साधने की कला में कांग्रेस और भाजपा के जनप्रतिनिधि आमने-सामने हैं। सांसदों के गलियारे में हमारे हिस्से के अल्फाज अगर प्रशंसा कर रहे हैं, तो अब सुरेश कश्यप, राजीव भारद्वाज, अनुराग ठाकुर, कंगना रनौत, इंदु गोस्वामी, प्रो. सिकंदर कुमार से लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से गुजारिश है कि बजट के बीच हिमाचल के मौन को तोड़ें। यह दीगर है कि केंद्र की हर योजना की झलक में प्रदेश के लाभ सुनिश्चित हैं, लेकिन मात्रात्मक दृष्टि से अब कांग्रेस शासित प्रदेश होने की गुरबत है। जीएसटी की साधना में प्रदेश का कर ढांचा अगर मन्नत पूरी नहीं कर पा रहा है, तो हिसाब की ईमानदारी में गफलत तो है। इसलिए जब बिहार पर बजट का झुकाव देखा गया, तो हिमाचल पर सूखे की मार डराती है। कहां तो हमारे सांसद बड़ी परियोजनाओं के सपने दिखाते हैं और कहां हकीकत में बजट आंखें बंद कर लेता है। हम राजनीतिक दुर्ग लांघते आर्थिक कांटों की पीड़ा का एहसास कर सकते हैं, क्योंकि हम पहाड़ी राज्य अपने ही संसाधनों को मौन कर बैठे हैं। हम हिमाचल के पड़ोसी जम्मू-कश्मीर में दौड़ती वंदे भारत के नक्शे पर अंब-अंदौरा को निकली ट्रेन का इंजन ज्वालामुखी-कांगड़ा तक लाना चाहते हैं, लेकिन बजट खामोश है। केंद्रीय बजट की खामोश पलकों को अपनी उम्मीदों से खोलना चाहते हैं, इसलिए इसकी हर खूबी की प्रतीक्षा है, इसके भीतर बहते हर प्रोत्साहन की मंजिल में खुद को रखना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि केंद्रीय परियोजनाओं में पर्वतीय राज्य का विशेष वित्तीय दर्जा घायल न हो। पिछड़े सौ जिलों के उद्धार में हिमाचल की भौगोलिक दुरुहता कम हो जाए। इंडिया पोस्ट से निकलती ग्रामीण आर्थिकी में हिमाचल के पिछड़े गांव शरीक हो जाएं। मत्स्य उद्योग से जल स्रोत और बांध परियोजनाओं के मुहाने जुड़ जाएं। होगा यह बजट गेम चेंजर, मगर राजनीतिक खेल में फंसी हमारी मुराद कैसे पूरी होगी, यह जवाब तमाम सांसदों को देना होगा। हिमाचल न तो ऊंट है और न ही सवाल इसके मुंह में जीरे का है, बल्कि यहां पर्वतीय अधिकारों के मानदंड अनिश्चित हैं। बेशक केंद्रीय बजट पर्यटन की आंखों से देखते हुए 50 स्थलों का विकास करना चाहता है। ऐसे में हम पहाड़ की आर्थिकी को पर्यटन से तभी रूबरू कर पाएंगे, अगर प्रस्तावित स्थलों में हिमाचल का ट्राइबल टूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित हो जाए या ग्रामीण पर्यटन में निखार आ जाए।

> केंद्रीय बजट का श्रृंगार मध्यम वर्ग की संवेदना पर मरहम लगाता प्रतीत हो रहा है, लेकिन छोटे मंसूबों में बड़े उपकार के मुहावरे समझना कठिन है। अब सीधा गणित है भी नहीं कि हम अपने राज्य के आसपास बजट को सीधा खड़ा कर दें, फिर भी तलाश यह है कि हिमाचल इसके भीतर अपनी आर्थिक मुराद पूरी करे। केंद्र से सीधे संबोधन की सुर्खियां लालायित करती हैं, तो हिमाचल का मध्यम वर्ग आयकर के बारह लाख क्लब का लाभान्वित सदस्य तो हो ही गया। जो कर्मचारी कल तक ओपीएस के बाहुपाश में हिमाचल सरकार के बाहुपाश में थे, उनके लिए आयकर का नवीन मुहावरा, बड़े काम का हो गया। देश के मध्यम वर्ग के मार्फत अब राष्ट्रीय खुशहाली के ख्वाब अगर बाजार में पल्लवित होते हैं, तो हिमाचल में सियासत इसी बुनियाद को पुख्ता करेगी।

### ट्रंप के नए कार्यकाल में उनकी नई आर्थिक रणनीति उभर कर दिखाई दे रही

# भारत-अमरीका आर्थिक संबंधों का सच

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बात करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए भारत-अमरीका के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के उपायों पर सार्थक चर्चा की। इस चर्चा के बाद भारत-अमरीका के बीच आर्थिक संबंधों का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा

नरेंद्र 27 जनवरी को भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बात करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए भारत-अमरीका के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के उपायों पर सार्थक चर्चा की। इस चर्चा के बाद भारत-अमरीका के बीच आर्थिक संबंधों का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। यह भी बात महत्वपूर्ण है कि जहां फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री मोदी के अमरीका जाने की संभावना है, वहीं क्वाड के शिखर सम्मेलन में इसी वर्ष 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत आने की संभावनाएं हैं और इससे अमरीका के साथ भारत के कारोबारी संबंध भी और व्यापक होंगे। गौरतलब है कि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप ने अमरीका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद अपने पहले संबोधन में कहा कि अब अमरीका का स्वर्णिम दौर शुरू हो रहा है। अमरीका फिर से अमीर देश बनेगा। अमरीका फिर से मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा और अमरीकी नागरिकों को समृद्ध बनाने के लिए दूसरे देशों के उत्पादों पर टैक्स और टैरिफ बढ़ाए जाएंगे। ट्रंप के नए कार्यकाल में उनकी नई आर्थिक रणनीति उभर कर दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि शपथ ग्रहण करने के बाद ट्रंप ने नए आर्थिक फैसले लेते हुए कहा कि यदि ग्लोबल ट्रेड में ब्रिक्स देशों के द्वारा डॉलर का इस्तेमाल घटाया जाएगा तो ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी ट्रैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने ऐसा कुछ नहीं कहा जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

ट्रंप इस बार दोगुने आर्थिक ताकतवर राष्ट्रपति दिखाई दे रहे हैं। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ट्रंप ने पहले भी उनके संबोधनों में स्पष्ट संकेत दिया है कि उनकी नई आर्थिक रणनीति में जहां समृद्ध अमरीका के सपने को साकार करने के लिए आयात शुल्कों को बढ़ाना शामिल है, वहीं बदलती हुई दुनिया में उथल-पुथल मचाते हुए अमरीका को चुनौती दे रहे चीन के आर्थिक दबदबे को कारोबारी प्रतिबंधों व ऊंचे शुल्कों से नियंत्रित करना भी शामिल है। ट्रंप ने सबसे पहले चीन, कनाडा, मैक्सिको सहित उन शीर्ष पांच-छह देशों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाने का संकेत दिया है, जिनके साथ अमरीका का व्यापार घाटा सबसे अधिक है। इन देशों पर कड़े आर्थिक फैसले भारत के लिए फायदेमंद होंगे। चूंकि ट्रंप ने भारत को भी कुछ उत्पादों के लिए अधिक आयात शुल्क वाला देश कहा है, ऐसे में भारत के द्वारा अमरीका के व्यापक हित में कुछ उत्पादों से



शुल्क घटाए जाने से भारत को अमरीका में निर्यात के अधिक मौके प्राप्त होंगे। भारत में अमरीकी राजदूत एरिक गारसेटी ने कहा है कि ट्रंप के आगमन से भारत और अमरीका के आर्थिक रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप को शपथ ग्रहण करने के बाद बधाई देते हुए एक-दूसरे के हित में मिलकर काम करने का संदेश दिया है। ऐसे में ट्रंप की आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत के लिए आर्थिक मौके उभर कर दिखाई दे रहे हैं। खास तौर पर ट्रंप ने भारतीयों को बड़ी राहत का ऐलान करते हुए कहा कि एच-1बी वीजा बंद नहीं होगा, क्योंकि इस समय अमरीका को अच्छे प्रोफेशनल्स की जरूरत है। निःसंदेह ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमरीका प्रथम' की धारणा को उच्च प्राथमिकता देते हुए परस्पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं की जगह अमरीका की आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती की ओर बढने का संकेत दिया है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व स्तर पर जो आर्थिक-कारोबारी नियम, समझौते और सहकारी एजेंडे बनाए गए थे, वे सब इस समय ध्वस्त होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

खास तौर से चीन ने स्वीकार्य वैश्विक कारोबारी नियमों का पालन नहीं किया है। चीन ने न केवल रणनीतिक रूप से पश्चिम का औद्योगीकरण समाप्त करने का काम किया है, बल्कि उसने पश्चिम की कई नई तकनीकें भी चुराई हैं। इनके दम पर चीन का दबदबा बढ़ता ही जा रहा है। 2024 में अमरीका का सबसे ज्यादा व्यापार घाटा चीन से रहा है। स्थिति यह है कि वर्ष 2030 तक चीन का विनिर्माण क्षेत्र समूचे पश्चिम के विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में अधिक हो जाने का अनुमान है। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले माह दिसंबर 2024 में चीन की सालाना सेंट्रल इकानॉमिक वर्क कॉन्फ्रेंस (सीईडब्ल्यूसी) में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की चुनौती से निर्मित कुछ उल्लेखनीय बिंदुओं पर चर्चा करते हुए अमरीका से मुकाबले की नई आर्थिक रणनीति बनाई गई। इसके तहत चीन में मांग में ठहराव, बिगड़ती बाहरी आर्थिक चुनौतियों और चीनी अर्थव्यवस्था में लगातार गिरावट की बात स्वीकार करते हुए अधिक बड़े आर्थिक प्रोत्साहन का रास्ता चुना गया है। 'उदार मौद्रिक नीति' पर रजामंदी बन गई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ट्रंप के नए कार्यकाल के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने अनुमान जताया है कि अमरीका के नए राष्ट्रपति ट्रंप से चीन को भारी नुकसान हो सकता है और भारत समेत आसियान देशों को फायदा होगा। वैश्विक अर्थविशेषज्ञों का यह भी मत है कि भारत और अमरीका के बीच लगातार बढ़ता हुआ व्यापार ट्रंप के नए कार्यकाल में और बढना संभावित है। वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 120 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। वर्ष 2024 में जनवरी से जून 2024 के बीच अमरीका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनने के साथ-साथ भारत के लिए अमरीका निर्यात के लिए सबसे बड़े बाजार सबसे प्रमुख निर्यात के रूप में रेखांकित हो रहा है। पिछले वर्ष भी अमरीका के साथ व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में रहा है और यह अधिशेष 35.3 अरब डॉलर स्तर पर है।

ट्रंप के पहले शासनकाल में भारत चीन के खिलाफ सख्ती का फायदा नहीं उठा सका था। ऐसे में ट्रंप द्वारा अमरीकी प्रशासन की बागडोर संभालने के बाद भारत को ऐसी बहुआयामी रणनीति पर आगे बढना होगा, जिससे एक ओर अमरीका में निर्यात बढ़ सके, वहीं दूसरी ओर वैश्विक निर्यात में भी तेज बढ़त मिल सके। हम उम्मीद करें कि अब जब डोनॉल्ड ट्रंप ने अपने नए कार्यकाल में अमरीका को नए सिरे से गढने के लिए चीन, कनाडा व मैक्सिको पर अधिकतम शुल्क लगाने के साथ-साथ भारत के भी कुछ उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने का संकेत दिया है, तब भारत के द्वारा अमरीका के व्यापक हित वाले उत्पादों पर शुल्क में उपयुक्त कमी की रणनीति के साथ आगे बढना लाभप्रद होगा। ऐसे में अमरीका को अधिक निर्यात बढ़ाने और चीन प्लस वन के मद्देनजर वैश्विक स्तर पर अधिक निर्यात के मौके भारत की मुट्ठी में आते हुए दिखाई दे सकेंगे। हम उम्मीद करें कि ट्रंप के द्वारा जो नई आर्थिक इबारत लिखी जाएगी, उससे भारत-अमरीका के आर्थिक रिश्तों का नया दौर आगे बढ़ेगा और अमरीका के साथ मजबूत आर्थिक रिश्ते भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में भी मददगार साबित होंगे। नए अवसरों का दोहन करना होगा।

दृष्टि कोण

# बेसहारा पशुओं की समस्या और उसका समाधान

हिमाचल प्रदेश में बेसहारा पशुओं की समस्या दिनोंदिन विकराल होती जा रही है। वर्तमान में बेसहारा पशुओं की संख्या 36311 बताई जा रही है जिनमें से 20202 गोसदनों में भर्ती हैं। ये विभागीय आंकड़े हैं, हालांकि असल में यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि आए दिन नए-नए पशु गांवों में बेसहारा घूमते हुए मिल जाते हैं। किसानों को फसल बचाने के लिए रातें खेतों में काटनी पड़ रही हैं। कईयों ने अपने-अपने खेतों में बांस का बाड़ लगाने की कोशिश भी की है, किन्तु कोई लाभ नहीं हो रहा है। पशुओं और बंदरों के संयुक्त हमलों से बहुत से खेत वीरान हो चुके हैं। लोगों ने बीजना ही बंद कर दिए हैं। समस्या आजीविका पर सीधे आघात की है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। सरकार अपनी तरफ से प्रयास भी कर रही है, किन्तु समस्या काबू नहीं आ रही है तो जाहिर है कि व्यवस्था पर समाधान के प्रयास छोटे पड़ रहे हैं। प्रदेश में कुल गोवंश की संख्या 18 लाख 28 हजार है। 2003 में यह संख्या 22 लाख के लगभग थी। यानी पशुपालन के प्रति रुझान कम हो रहा है। हालांकि दूध का उत्पादन तो बढ़ा ही है। 2013 में जो उत्पादन 11.39 लाख टन था, वह बढ़ कर 2024 में 16.17 लाख टन हो चुका है। प्रदेश में दूध की मांग 20 लाख टन के आसपास है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 650 ग्राम है, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से पर्याप्त है, किन्तु 2 करोड़ के लगभग पर्यटकों का दबाव भी है, इसलिए उत्पादन से निश्चय ही मांग पूरी नहीं हो रही है। गांव-गांव में आपको अमूल, वेरका आदि के दूध और दूध उत्पाद बिकते दिख जाएंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 4 लाख टन का टोटा हर साल पड़ रहा है। वास्तव में यह कमी और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि कितना ही नकली दूध उत्पाद भी हर साल पकड़ा जाता है। इसका निष्कर्ष यह निकलता है कि दूध की खपत की कोई समस्या नहीं है, और दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए पशुपालन को प्रोत्साहित करने की पर्याप्त गुंजाइश है। फिर भी पशु सडक़ पर क्यों हैं, इस बात की खोज होनी चाहिए। इस तरह समस्या के दो रूप सामने आ रहे हैं। एक तो जो पशु सडक़ पर हैं, उनको आसरा कैसे दिया जाए और दूसरा, कि नए पशु बेसहारा न छोड़े जाएं। जो बेसहारा घूम रहे हैं, उनके लिए गोसदन बना कर व्यवस्था की जा रही है किन्तु वह पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। कई गोसदन खाली पड़े हैं और कई, अभाव की स्थितियों के साथ जूझ रहे हैं। गो सदनों को जो राशि प्रति पशु दी जा रही है, वह पर्याप्त नहीं है। एक-तीन साल से बड़े पशु को दिन में कम से कम 5 किलो सूखा घास और 20 किलो के आसपास हरा चारा मिलना चाहिए। महीने में कम से कम डेढ़ क्विंटल तूड़ी ही चाहिए जिसकी कीमत 1500 के लगभग होगी। लेकिन मिलते तो केवल 700 रुपए हैं। अब इसके अलावा हरे चारे और कार्यकर्ता का खर्चा अलग से है। इसके चलते कोई भी इस काम में हाथ डालने से डरता है। समाज से भी छोटी मोटी मदद ही मिलती है जिससे कमी पूरी नहीं हो सकती। अतः गोसदनों पर खर्च की व्यवस्था को सुधारा जाना चाहिए। 2022 तक मंदिरों से प्राप्त दान और दारू की बोतल पर लगाए गए कर से लगभग 25 करोड़ रुपए सरकार के पास आए, उसका पूरा निवेश इस कार्य पर होना चाहिए, फिर भी कमी रहे, तो अलग से सोचा जा सकता है। पहाड़ी इलाकों में ट्रैक्टर नहीं चलने के कारण लोग बैल तो पाल ही लिया करते थे। सरकार ने पॉवर टिलर को अनुदान देकर प्रचारित किया और बैलों को पालने की संभावना ही खत्म कर दी। यदि इसके बजाय बैल पालने वालों को सबसिडी दी जाती तो बेसहारा पशु संख्या में 40 फीसदी कमी आ सकती थी। वर्तमान में पशुपालन को इतना लाभदायक बनाने की जरूरत है कि लोग अच्छी आमदनी के लिए इसको अपना लें। गांव में भी अब घर-घर पशु पालन की व्यवस्था चरमरा गई है, क्योंकि युवक नौकरी की तलाश में घरों से दूर जाने को मजबूर हैं और एकल परिवारों का चलन बढ़ गया है।

कुछ अलग

# खोदा पत्थर निकला . . .

जैसे ही पुजारी को सरकार की तरफ से मेहनताने की पहली किस्त, तनख्वाह के रूप में मिली, मंदिर में स्थापित मूर्ति में भगवान प्रवेश कर गए। इस चमत्कार का श्रेय लेने के लिए सरकार के मुख्यमंत्री स्वयं मंदिर पहुंच गए थे। पहुंचें भी क्यों नहीं, उनके चमत्कार ने ईश्वर को धरती पर ही नहीं, मूर्ति पर भी उतार दिया था। अब मूर्ति में भगवान और भगवान में मूर्ति थी। पुजारी फूला नहीं समा रहा था, लेकिन वह धन्यवाद केवल मुख्यमंत्री को ही दे रहा था। यह देख भगवान को मूर्ति के भीतर गुस्सा आ गया। वह तमतमाए स्वर में कई श्लोक, कई लोक और कई अनमोल वचन पढ़ गए। एक बार उनके दिल में आया कि मूर्ति छोडक़र चले जाएं, लेकिन फिर अपने प्रोपेगंडा को लेकर चिंतित हो गए। अंतरमन में भगवान गुनगुनाए, 'अंततः पुजारी का ख्याल मेरी वजह से ही तो कर रही है सरकार। अभी मंदिर को बनाए दिन ही कितने हुए। कल तक तो यहां खेत और खेत के ऊपर किसान था। वह सब्जी उगाकर कुछ कमा लेता था, लेकिन कमाई इतनी नहीं थी कि भगवान की मूर्ति बना ले। आखिर भगवान भी तो मूर्ति की वजह से ही संसार में आ सकता है। मैं पैदा ही तब हुआ जब किसी नेता ने आकर प्रणाम किया, वरना ढेरों पत्थर, गुम हो गए भगवान बनते-बनते, लेकिन टूटे वही जो इनमें मजहब खोजते लगे। ईश्वर को मजहब बनने से डर लगता है, लेकिन कुछ पाने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है। ईश्वर अगर मजहब न होता, तो वह न जाने कब से हर दिल में एक दुआ बन के रहता, लेकिन अब दुआएं पारिश्रमिक हैं। एक हाथ दो, दूसरे से ले लो। मुख्यमंत्री ने पुजारियों से लेकर इमामों और ग्रंथियों तक को पारिश्रमिक दे के सारी दुआएं कब्जा लीं। इससे भी खुदा दुखी है। वह यह तय नहीं कर पा रहा कि कब राम, कब रहीम और कब वाहे गुरु बने। वह मूर्ति में है, तो उसकी दुआएं एक तरह की हैं। कुरान में और ग्रंथ साहिब में भी अगर वही हैं, तो फिर ईश्वर भी परिचय के लिए खास जगह खोज रहा है। खैर, दुआएं अभी कई अन्य मजहबों में बाकी हैं। अब दुआएं खाता बन गईं, बही खाते में कुछ धर्म आ गए, लेकिन 'पुजारी' तो किसी भी रूप में आ सकते हैं। जिन्होंने नेताओं तक के मंदिर बनाए या जो मंचों और मीडिया पर आकर पूजा कर रहे हैं, उन्हें भी तो घोषित पारिश्रमिक मिले। अब मूर्ति में बैठा भगवान यह तय नहीं कर पा रहा कि उसके अपने मजहब से कितनी दुआएं निकल सकती हैं, लेकिन यह देख सामने से मुख्यमंत्री हंस रहा था। उसे मालूम है कि कब किस मजहब से किस मिकदार में दुआएं निचोडऩी हैं। इसलिए वह सीधे खुदा से नहीं, पुजारी इमाम और ग्रंथी पर विश्वास कर रहा है। भगवान उसकी कुटिलता से हिल गए, बल्कि फंस गए हैं। वह मूर्ति से बाहर निकल कर अपनी राह पर निकलना चाहते हैं, लेकिन पारिश्रमिक प्राप्त पुजारी मुख्यमंत्री की खातिर भगवान को अपने ही मेहनताने का भागीदार मानकर बाहर आने नहीं दे रहा। भगवान ने क्रोधित होकर आकाशवाणी कर दी, 'मैं आइंदा मुफ्त में कहीं भी पूजा में नहीं जाऊंगा। स्थापित करने से पहले मेरा मेहनताना तय करो।' मुख्यमंत्री फिर हंसा और अपने पुजारी के कंधे पर हाथ रखकर बोला, 'भगवन ! इस मंदिर में अब आपको पारिश्रमिक नहीं मिलेगा। यहां तो भक्त और पुजारी तय हो चुके हैं। आओ कहीं आगे बढ़ें।' मजबूर ईश्वर मूर्ति से बाहर आए और मुख्यमंत्री के साथ खुद के लिए नई मूर्ति ढूंढने निकल पड़े। एक पुरानी इमारत में पहले से बसे विश्वास पर मुख्यमंत्री को शक हुआ।

देश दुनिया से

# पाठ्यक्रमों में बदलाव भी बन गया सत्ता पाने का हथियार

देश के नेताओं ने सत्ता पाने के लिए शिक्षा को भी राजनीतिक हथियार बनाया है। सत्ता बदलते ही नेता अपनी विचाराधारा के हिसाब से स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में बदलाव करके वोट बैंक को पक्का करने की जुगत में लगे रहते हैं। विद्यार्थी इन सब के बीच फुटबाल बने रहते हैं। उन्हें वही पढना होता है जोकि सरकारें उन्हें पाठ्यक्रमों के जरिए पढ़ाती हैं। बेशत तथ्य तोड़मरोड़ कर ही क्यों न पेश किए जाएं। हालात यह है कि सत्ता में बदलाव के साथ पाठ्यक्रम भी बदलते रहते हैं। देश में शिक्षा में इस तरह के बदलाव पर लंबे अर्से से बहस छिड़ी हुई है। राजनीतिक दल बदलाव को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते हैं।

इसी कड़ी में नया विवाद कर्नाटक में हुआ है। कर्नाटक यूनिवर्सिटी की किताब के सेलेबस को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि इसमें गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया। कर्नाटक विश्वविद्यालय के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के पहले सेमेस्टर की किताब में ऐसा कंटेंट लिखा गया है, जिससे भारत की एकता बाधित होती है। कथित तौर पर सेलेबस में संघ परिवार, राम मंदिर के निर्माण और भारत माता आदि की आलोचना की गई थी और कुछ गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सेलेबस में आरएसएस की आलोचना करने के लिए बार-बार संघ परिवार जैसे शब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले जब कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी तब पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर इसी तरह के आरोप लगाए गए थे।

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आने पर आरोप लगाए थे कि पूर्ववर्ती सिद्दारमैया सरकार ने महज अल्पसंख्यक समुदाय के तुष्टिकरण और कम्युनिस्ट विचारधारा थोंपने के लिए किताबों में विभिन्न बदलाव किए थे। इस दावे की पुष्टि करते हुए सरकार ने कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए संशोधनों को दिखाने के लिए 200 पृष्ठों की किताब भी जारी की थी, जिसमें पाठ्यपुस्तकों में हिंदू देवताओं और ऐतिहासिक आंकड़ों को गलत तरीके से पेश किया गया। भाजपा का आरोप था कि विजयनगर के शासकों, मैसूर राजाओं वडियारों, राष्ट्र कवियों कुवेम्पु, बेंगलुरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा और सर एम विश्वेश्वरैया पर अध्यायों को या तो हटा दिया गया या उन पर सामग्री कम कर दी गयी। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने टीपू सुल्तान, मोहम्मद गजनी, हैदर अली और मुगलों का बखान किया। सत्ता में आने पर भाजपा ने टीपू, हैदर अली, गजनी और मुगलों पर अध्यायों को अब हटा दिया और स्वतंत्रता सेनानियों तथा मराठा शासक शिवाजी और केम्पेगौड़ा जैसी ऐतिहासिक शख्सियतों को पाठ्यपुस्तकों में प्रमुखता दी गई। राजनीतिक नजरिए से पाठ्यक्रमों में राज्य ही नहीं केंद्र में जो भी सरकार सत्ता में रही उसने अपनी दलीलों के साथ बदलाव किए हैं। यह सब किया जाता है देशहित और संस्कृति-सभ्यता के इतिहास को बचाने के नाम पर। वर्ष 2019 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)



ने कक्षा 12वीं के राजनीति विज्ञान पाठ्यपुस्तक में गुजरात दंगों के बारे में अध्याय जोड़ दिया गया। इस अनुच्छेद में दो परिवर्तन किये गये। अनुच्छेद में शामिल शीर्षक मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगे को बदलकर गुजरात दंगे कर दिया गया। इसी अनुच्छेद के पहले वाक्य से मुस्लिम शब्द भी हटा दिया गया। अनुच्छेद के शीर्षक के अलावा अनुच्छेद के अन्दर के पाठ को नहीं छुआ गया। गुजरात में भाजपा शासन के दौरान 2002 में हुए मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगों का संदर्भ पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया है, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान हुए सिख विरोधी दंगों को बरकरार रखा गया।

वर्ष 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से यह तीसरी बार है जब सरकार ने पाठ्यपुस्तक संशोधन की कवायद की। इससे पहले 2017 और 2019 में पाठ्यपुस्तकों में संशोधन किया गया था। हटाए गए खंडों में मुगलों पर एक पूरा अध्याय शामिल है, जो एक मुस्लिम राजवंश था, जिसने भारत पर 200 वर्षों तक शासन किया और भारत के संस्थापक पिता मोहनदास करमचंद गांधी द्वारा हिंदू-मुस्लिम एकता की खोज की चर्चा से संबंधित पाठ को हटाया गया। गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की ब्राह्मण उत्पत्ति और भाजपा के वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगाए गए संक्षिप्त प्रतिबंधों को सुविधाजनक रूप से हटा दिया गया, जैसा कि 2002 के गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों को भी हटाया गया। वर्ष 2022 में एनसीईआरटी ने स्कूलों की किताबों में बदलाव किये। इनमें प्राचीन और मध्ययुगीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के बारे में अभी तक पढ़ाए जाने वाले कई तथ्यों को हटा दिया गया। मम्लूक, तुगलक, खिलजी, लोधी और मुगल साम्राज्य समेत सभी मुस्लिम साम्राज्यों के बारे में जानकारी देने वाले कई पन्नों को हटाया गया। जाति व्यवस्था से भी जुड़ी काफी जानकारी को हटा दिया गया, जैसे वर्ण प्रथा वंशानुगत होती है, एक श्रेणी के लोगों को अछूत बताना, वर्ण प्रथा के खिलाफ विरोध, 2002 के गुजरात दंगे, आपातकाल, नर्मदा बचाओ आंदोलन जैसे जन आंदोलनों आदि जैसी आधुनिक भारत की कई महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जानकारी को भी हटा दिया गया। पाठ्यपुस्तकों से विवादास्पद हटाए गए तथ्यों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा था कि भाजपा-आरएसएस पाठ्यपुस्तक की सामग्री बदल सकते हैं, लेकिन वे इतिहास को नहीं मिटा सकते।

भाजपा सरकार द्वारा पाठ्यपुस्तकों के भगवाकरण की व्याख्या करते हुए, केरल के कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा था कि संघ परिवार इतिहास के निरंतर भय में रहता है क्योंकि यह उनके असली चेहरे को उजागर करता है। वे इतिहास को फिर से लिखने और उसे झूठ से ढकने का सहारा लेते हैं। संघ परिवार में आरएसएस और भाजपा सहित उसके संबद्ध संगठन शामिल हैं। रोमिला थापर और जयति घोष जैसे प्रख्यात शिक्षाविदों, जिन्होंने एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के पिछले संस्करण लिखे हैं।

आप का नजरिया

# जनता की जेब का बजट

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के लिए जो बजट लोकसभा में पेश किया है, उसकी बुनियादी व्याख्या यह की जा रही है कि देश का मध्य वर्ग, वेतनभोगी वर्ग 'बम-बम' है। मोदी सरकार ने लंबे इंतजार के बाद मध्य वर्ग की मुराद पूरी की है। यह 'बम-बम' स्थिति कुछ हद तक सही भी है, क्योंकि अब 12.75 लाख रुपए सालाना तक की आय आयकर-मुक्त होगी। इसमें हमने 75,000 रुपए 'मानक कटौती' के भी जोड़ दिए हैं। अब इतनी आय वाले को सालाना 80,000 रुपए से अधिक का फायदा होगा। करीब 88 फीसदी करदाता ऐसे बताए जा रहे हैं, जो नए बजट के लागू होने के बाद आयकर-मुक्त हो जाएंगे, लेकिन यह बजट का 'अद्र्धसत्य' ही है, क्योंकि बजट का नजरिया आम आदमी की जेब भरने का रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि आम आदमी की जेब कैसे भरे, उसकी बचत कैसे हो, वह देश के विकास में भागीदार कैसे बने, यही बजट की सोच रही है। यही 'विकसित भारत' का बजट है। बहरहाल देश की जनता की जेब में पैसा होगा, तो वह खर्च भी किया जाएगा। उससे बाजार में मांग बढ़ेगी और औसत नागरिक की खपत भी बढ़ेगी। नतीजतन उद्योगों में उत्पादन भी बढ़ेगा। अंततः देश की अर्थव्यवस्था का ही विस्तार होगा। बेशक सरकार ने आम करदाता, मध्य वर्ग की जेब में पैसा इसीलिए डालने का निर्णय लिया है, ताकि उससे आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से अधिक रहे। अभी तो यह दर 6.4 फीसदी के आसपास है। वैसे पूरी गणना करें, तो हमारी विकास दर 5 फीसदी से भी कम है। यदि विकास दर लगातार 10 सालों तक 8 फीसदी से अधिक रहती है, तो ही हम 'विकसित भारत' की ओर मजबूती से बढ़ सकते हैं। दरअसल भारत में मध्य वर्ग परिभाषित ही नहीं है। कुछ विशेषज्ञ 30-35 करोड़ आबादी को ही मध्य वर्ग के दायरे में मानते हैं, जबकि कुछ थिंक टैंक मानते हैं कि देश में 6-36 लाख रुपए सालाना कमाने वाले करीब 56 करोड़ लोग मध्य वर्ग में ही आते हैं। नए बजट के बाद इस जमात के हाथ में करीब 1 लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त आएंगे। तय है कि वह पैसा, अंततः, बाजार में ही आएगा। मांग के साथ उपभोग भी बढ़ेगा। यह भी एक सत्य है कि 2 करोड़ से कुछ अधिक करदाता ही आयकर का भुगतान करते हैं। बेशक बीते साल 7-8 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न भरीं, लेकिन उनमें से करीब 5.20 करोड़ ने रिटर्न तो फाइल की, लेकिन एक रुपया भी आयकर नहीं दिया। सवाल है कि 146 करोड़ की आबादी वाले देश में मात्र 2 करोड़ के ही आयकर का भुगतान करने से अपेक्षित मांग और खपत बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को इतना विस्तार दे सके कि हम 'विकसित भारत' का सपना साकार कर सकें? यथार्थ तो यह है कि देश में बेरोजगारी दर दहाई का आंकड़ा पार कर चुकी है। औसत आय बढ़ नहीं पा रही है, क्योंकि नौकरियां नहीं मिल रही हैं। औसत व्यक्ति और घर के रोजमर्रा के खर्च महंगे होते जा रहे हैं। देश में प्रति व्यक्ति आय कम हो गई है। विदेशी मुद्रा भंडार भी घट गया है। हम करीब 325 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था हैं, लिहाजा 5 ट्रिलियन डॉलर का सपना अभी बहुत दूर है।

# इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू अमेरिका दौरे पर, राष्ट्रपति ट्रंप से करेंगे अहम मुलाकात

**वाशिंगटन, 03 फरवरी (एजेंसियां) ।**
इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक महत्वपूर्ण राजनयिक यात्रा पर अमेरिका पहुंचे हैं, जहां वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। यह बैठक मंगलवार, 04 फरवरी को व्हाइट हाउस में होगी और दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा, गाजा संघर्ष-विराम और रणनीतिक सहयोग पर चर्चा होने की संभावना है। नेतन्याहू ने रवाना होने से पहले कहा कि यह दौरा इजराइल-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने का अवसर है। बैठक के दौरान गाजा पट्टी में स्थायी शांति, ईरान के बढ़ते प्रभाव को रोकने और अरब देशों के साथ राजनयिक संबंधों को और मजबूत करने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।इस मुलाकात का समय इसलिए भी खास है क्योंकि गाजा संघर्ष-विराम के दूसरे चरण को लेकर वार्ता जल्द शुरू होने वाली है। इससे पहले हुए समझौतों के तहत बंधकों की अदला-बदली की गई थी, जिससे शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की उम्मीदें बनी हैं। वहीं पिछले महीने संघर्ष-विराम के प्रभावी होने के बाद गाजा पट्टी पर फिर से नियंत्रण हासिल करने वाले हमास गुट ने कहा है कि वह युद्ध की समाप्ति और इजराइली बलों की पूर्ण वापसी के बाद ही दूसरे चरण में मुक्त किए जाने वाले बंधकों को रिहा करेगा।

### नेतन्याहू की पत्नी के खिलाफ आपराधिक मामले की जांच शुरू

**येरुशलम।** इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी सारा भी मुश्किल बढ़ रहीं हैं। खबर है कि इजरायल की पुलिस ने उनके खिलाफ आपराधिक जांच शुरू कर दी है। यह जांच पति बेंजामिन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी हुई है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने पति के मुकदमे में मुख्य गवाह को धमकाने की कोशिश की थी।रविवार को स्टेट एटॉर्नी की तरफ से जारी पत्र में जानकारी दी गई है कि सारा नेतन्याहू के खिलाफ आपराधिक जांच चल रही है।

## न्यूज ब्रीफ

### सर्बिया के रेलवे स्टेशन पर शेड गिरने से 15 की मौत, अब घिरे राष्ट्रपति

**बेलग्रेद।** सर्बिया की राजधानी बेलग्रेद के एक रेलवे स्टेशन का शेड गिर गया था। यह घटना एक नवंबर 2024 की है। इसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। लेकिन, इस घटना ने सर्विया की सरकार की नींव हिला दी है। घटना से चंद महीने पहले ही इस स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा किया गया था। घटना के बाद सर्विया की जनता में आक्रोश फैल गया। शेड का मलबा सर्विया की सरकार और प्रशासन में भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गया। इस कारण बीते 12 साल से सत्ता में बने राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिस और उनकी सरकार निशाने पर आ गए हैं। इस घटना के बाद उनके खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन होने लगे। देश के हर इलाके में विरोध प्रदर्शन होने लगे। इस प्रदर्शन में छात्र बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। प्रदर्शनकारी स्टेशन के निर्माण के आदेश और उससे जुड़ी हर एक जानकारी सार्वजनिक करने की मांग कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन इतना तेज हो गया है कि अब बात सर्विया के राष्ट्रपति वुसिस के इस्तीफे तक पहुंच गई है। वर्ष 2014 में वुसिस सर्विया के प्रधानमंत्री बने थे। उसके तीन साल बाद 2017 में वह राष्ट्रपति बन गए। वुसिस इससे पहले देश सूचना मंत्री भी रह चुके हैं लेकिन, इनकी सरकार में लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगते हैं। लोकतंत्र की मजबूती की रेटिंग करने वाली एक संस्था फ्रीडम हाउस ने कहा कि 2019 में इस देश की हातल और खराब हो गई और वह देश पार्टी फ्री देश बन गया। इस दौरान देश में मीडिया पर खूब हमले हुए और पूरी ताकत राष्ट्रपति के हाथों में सिमट गई। लेकिन, इस घटना ने राष्ट्रपति की कुर्सी हिला दी है। जनता सड़कों पर है। इससे पहले 2023 में लोग राष्ट्रपति के खिलाफ सड़क पर उतरे थे। उस तक राष्ट्रपति पर चुनाव में धांधली करने के आरोप लगे थे। इस वक्त फिर से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लेकिन अब देखना होगा कि इन प्रदर्शनों के आगे राष्ट्रपति का रुख कैसा रहता है।

### अमेरिका के भरोसेमंद सलाहकार रहे रॉजर्स चीन के लिए कर रहे थे जासूसी अब हुए गिरफ्तार



**वॉशिंगटन।** अमेरिका ने अपने फेडरल रिजर्व सिस्टम के अंतरराष्ट्रीय विभाग में वरिष्ठ सलाहकार रहे जॉन हैरॉल्ड रॉजर्स को चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि चीनी खुफिया एजेंसियों ने रॉजर्स को अपने जाल में फंसा लिया। बदले में रॉजर्स ने चीनी अधिकारियों के साथ जो डाटा साझा किया, उससे चीन को अमेरिकी बाजार में हेराफेरी करने का मौका मिल सकता था। इस महत्वपूर्ण जानकारी में अमेरिकी आर्थिक नीति भी शामिल थी, जिससे चीन अमेरिकी बांड या प्रतिभूतियों को बेचने या खरीदने में लाभ उठा सकता था। जानकारी के अनुसार, रॉजर्स ने 2010 से 2021 तक फेडरल रिजर्व के अंतरराष्ट्रीय विभाग में काम किया, जहां उन्हें गोपनीय जानकारी तक पहुंच थी। अमेरिकी जांच एजेंसियों का दावा है कि 2023 में रॉजर्स को एक चीनी विश्वविद्यालय में अंशकालिक प्रोफेसर के रूप में लगभग साढ़े चार लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया गया।

### कांगो में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति, भारतीय दूतावास ने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी



**जोहान्सबर्ग।** कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर किंशासा स्थित भारतीय दूतावास ने बुकावु में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। दूतावास ने जारी परामर्श में बताया कि एम23 विद्रोही समूह बुकावु से मात्र 20-25 किलोमीटर की दूरी पर पहुंच चुका है, जिससे वहां की स्थिति और अधिक संवेदनशील हो गई है। इस परिदृश्य को देखते हुए भारतीय नागरिकों से कहा गया है कि वे जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों की ओर प्रस्थान करें। दूतावास ने आपातकालीन स्थिति में संपर्क के लिए हेल्पलाइन नंबर (+243 - 890024313) और एक ईमेल आईडी जारी की है। साथ ही, भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और यात्रा से बचने की कड़ी सलाह दी गई है।

# सेंटोरिनी में 200 बार लगे भूकंप के झटके डर से स्कूल बंद, बचाव दल तैनात

**एथेंस, 03 फरवरी (एजेंसियां) ।**

**ग्रीस के प्रसिद्ध द्वीप सेंटोरिनी और उसके आसपास के इलाकों में शुक्रवार से अब तक 200 से ज्यादा बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसके चलते वहां के स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बचाव दल को तैनात है और लोगों को स्वीमिंग पूल खाली करने का निर्देश दिया गया है।**

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये झटके सेंटोरिनी के ज्वालामुखी के कारण नहीं हैं, सबसे तेज झटका रविवार को 3:55 बजे लगा, जिसकी तीव्रता 4.6 थी और इसका केंद्र 14 किमी की गहराई में स्थित था। 4 से ज्यादा तीव्रता वाले कुछ झटके और दर्जनों 3 की तीव्रता वाले झटके लगे। अभी तक किसी भी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सेंटोरिनी के साथ-साथ आसपास के द्वीपों अमोर्गोस, अनाफी और आईओएस पर स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

भूकंप के झटकों को लेकर चिंता जताई जा रही है कि यह एक बड़े भूकंप की चेतावनी हो सकती है। रविवार को पीएम ऑफिस में ग्रीस के सशस्त्र बलों के प्रमुख और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक तय की है। फायर ब्रिगेड विभाग ने एक खोजी कुत्ते के साथ बचाव दल की एक टुकड़ी भेजी।

एहतियात के तौर पर बल भेजे गए। बचावकर्मियों ने खुले मैदानों में तंबू लगा दिए हैं। सेंटोरिनी ज्वालामुखी ने करीब 1600 ईसा पूर्व में इतिहास के सबसे बड़े विस्फोटों में से एक को जन्म दिया था। इस विस्फोट ने द्वीप को तबाह कर दिया, एक शहर को दफन कर दिया और भूकंप व सुनामी की लहरें पैदा कीं, जिसका असर क्रेते द्वीप और मिस्र तक देखा गया है।

द्वीप के लोगों को सलाह दी गई है कि वे खुली हवा में होने वाले बड़े आयोजन से बचें और द्वीप में घूमें तो ऐसी चट्टानों से दूर रहें जो गिर सकती हैं। वहीं सेंटोरिनी के मामले में मुख्य शहर का बड़ा हिस्सा चट्टान के करीब बना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह अनुमान लगाना असंभव है कि बड़ा भूकंप का झटका आ सकता है या नहीं, लेकिन उनका मानना है कि क्षेत्र संभावित रूप से 6 तीव्रता का भूकंप पैदा कर सकता है।

### ट्रंप की भरोसेमंद महिला को मिली व्हाइट हाउस में बड़ी जिम्मेदारी




**वॉशिंगटन।** कैरोलिन लेविट की उम्र और संजीदगी ने तब सबको चौंका दिया जब उन्होंने व्हाइट हाउस में प्रेस सेक्रेटरी का पद संभाला, लेकिन उनके पति की उम्र ने सभी को और भी ज्यादा हैरान कर दिया। 20 जनवरी को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद, कैरोलिन ने 28 जनवरी को नए प्रशासन के तहत अपनी पहली व्हाइट हाउस प्रेस कॉन्फ्रेंस ब्रीफिंग दी। वह सिर्फ 27 साल की उम्र में इस पद पर सेवा देने वाली सबसे युवा हैं। उनकी युवा उम्र ने उन लोगों को चौंका दिया जो उन्हें देखकर गलतफहमी में थे कि वह बड़ी उम्र की हैं। एक शख्स ने एक्स पर कहा, अभी-अभी व्हाइट हाउस प्रेस ब्रीफिंग के कुछ मिनट देखे और नई प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट 27 साल की हैं (वह 40 की दिखती हैं) और इस पद पर सबसे युवा हैं। झूठ नहीं बोलूंगा, वह तेज हैं लेकिन बहुत चतुराई से सवालों को टालना भी जानती हैं। हालांकि, उनके पति निकोलस रिचियो की उम्र - जो उनसे 32 साल बड़े हैं - ने और भी ज्यादा ध्यान खींचा। कैरोलिन ने पहले बताया था कि निकोलस (59) सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं, जब उन्होंने उनके कुछ फोटो पोस्ट किए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि वे एक पॉलिटिकल ईवेंट में एक कॉमन फ्रेंड के जरिए मिले थे। उनका रिश्ता, जो ज्यादातर प्राइवेट रखा गया है, 2023 में एक कदम आगे बढ़ा जब उन्होंने क्रिसमस पर अपनी सगाई को कन्फर्म करते हुए एक पोस्ट की। उन्होंने लिखा, मुझे अपने सपनों के आदमी से शादी करने का मौका मिला। मैं बहुत अधिक खुशनसीब महसूस कर रही हूं। ईश्वर का शुक्रिया।

# टैरिफ लगाने के चक्कर में अमेरिका की 10 खरब डॉलर से ज्यादा की राशि दांव पर

**वाशिंगटन, 03 फरवरी (एजेंसियां) ।**
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान कुछ देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का वादा किया था। अब उस वादे पर अमल करने की प्रक्रिया के तहत पहला कदम उठा लिया गया है। ट्रंप सरकार मेक्सिको, कनाडा और चीन के सामान पर 25 फीसद का टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। कनाडा से आयात फ्यूल पर 10 फीसद तक का टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका का 10 खरब डॉलर से ज्यादा की राशि दांव पर है। इकोनॉमिक एक्सपर्ट्स ने इसको लेकर ट्रंप सरकार को चेतावनी भी दी है। विशेषज्ञों की राय में ट्रंप सरकार का यह कदम आत्मघाती साबित हो रहा है। दूसरी तरफ, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि इससे एक तरफ जहां अवैध इमिग्रेशन पर रोक लगेगी वहीं ट्रेड डेफिसिट को कम करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही इलीगल ड्रग्स पर भी नकेल कसी जा सकेगी। टैरिफ वॉर प्रेसिडेंट ट्रंपी की ओर से चला गया बड़ा दांव है। व्हाइट हाउस में अपने चार से अधिक साल के कार्यकाल के दौरान ट्रंप की ओर से लागू की गई यह बड़ी आर्थिक नीति है। इससे अमेरिकी लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ सकती है। ट्रंप ने शनिवार को 1.4 ट्रिलियन डॉलर के इंपोर्टेड गुड्स पर टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। टैक्स फाउंडेशन के अनुमान के मुताबिक, यह ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान टैरिफ से प्रभावित 380 अरब डॉलर मूल्य के विदेशी सामानों के तीन गुना से भी अधिक है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान महंगाई उतना बड़ा मसला नहीं था, जितना कि अभी है। मौजूदा समय में किराने के सामान से लेकर वाहन तक पर महंगाई की मार पड़ रही है। टैरिफ लगाने से सामान के और महंगा होने की संभावना है। ऐसे में पहले से ही महंगाई का सामना कर रहे अमेरिकी लोगों पर और आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। बता दें कि इस बार के राष्ट्रपति चुनाव में महंगाई बड़ा मुद्दा था। ट्रंप के इस कदम का उलटा असर हा सकता है। लोग पहले से ही महंगाई से परेशान हैं और शेयर बाजार भी अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। रोजगार की तस्वीर भी संतोषजनक नहीं है, ऐसे में बेरोजगारी की समस्या और बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स की सीनियर फेलो मैरी लवली का कहना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा आत्मघाती कदम हो सकता है। यह एक बहुत बड़ा दांव है। यह अर्थव्यवस्था की रफ्तार को कम करने और महंगाई बढ़ाने वाला कदम साबित हो सकता है। 'वॉल स्ट्रीट जॉर्नल' में पब्लिश एक लेख में राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से टैरिफ लगाने की स्ट्रैटजी को 'इतिहास का सबसे मूर्खतापूर्ण ट्रेड वॉर' करार दिया गया है।

## विरोध प्रदर्शन

लॉस एंजिल्स में लोग विरोध प्रदर्शन करते हुए, ये प्रदर्शन सरकार द्वारा प्रवासीयों को डिटेंशन सेंटर भेजने और देश से बहार करने के खिलाफ किया गया है।

# जापान ने नई पीढ़ी के एच3 रॉकेट से नेविगेशन उपग्रह किया लॉन्च

**टोक्यो, 03 फरवरी (एजेंसियां) ।**
जापान ने अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं को और मजबूत करते हुए रविवार को एच3 रॉकेट के माध्यम से एक महत्वपूर्ण नेविगेशन उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया। यह उपग्रह जापान की अधिक सटीक और स्वायत्त स्थान निर्धारण प्रणाली विकसित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।



मिचिबिकी-6 नामक इस उपग्रह को तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया, जो जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप पर स्थित है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (छ्वड्ड) ने पुष्टि की कि लॉन्च के सभी चरण सफलतापूर्वक पूरे हुए और उपग्रह को सही कक्षा में स्थापित कर दिया गया। वर्तमान में जापान की अर्ध-जेनिथ उपग्रह प्रणाली (र्क्ंस्) चार उपग्रहों के साथ कार्यरत है, जिसे 2018 में पूरी तरह सक्रिय किया गया था। यह प्रणाली अमेरिकी जीपीएस तकनीक के साथ मिलकर स्मार्टफोन, ऑटोमोबाइल, समुद्री नेविगेशन और ड्रोन संचालन के लिए उच्च-स्तरीय स्थान संबंधी जानकारी प्रदान करती है। जापान मार्च 2026 तक सात उपग्रहों का नेटवर्क विकसित करने के लिए दो और उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा। इसके अलावा, 2030 के दशक के अंत तक 11 उपग्रहों का पूर्ण नेटवर्क स्थापित करने की योजना बनाई गई है, जिससे जापान की नेविगेशन प्रणाली और भी सटीक और आत्मनिर्भर हो जाएगी।

# सऊदी अरब ने भीख मांगते पकड़े गए 10 पाकिस्तानियों को वापस भेजा, बार-बार हो रही किरकिरी

**कराची, 03 फरवरी (एजेंसियां) ।**
पाकिस्तान के लोगों की हज या उमराह के नाम पर सऊदी अरब जाकर वहां भीख मांगने की प्रवृत्ति से देश को बार-बार शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।इसे रोकने को लेकर सऊदी शासन अब सख्त हो गया है। सऊदी अरब ने भीख मांगने वाले पाकिस्तानियों को पकड़ कर वापस उनके देश भेजना शुरू कर दिया है। हाल ही में उमराह वीजा पर सऊदी पहुंचे 10 ऐसे पाकिस्तानियों को वापस उनके देश भेज दिया जो वहां भीख मांगते हुए पकड़े गए थे। अपनी किरकिरी को देखते हुए पाकिस्तान ने इन सभी को वापस पहुंचते ही हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया।



पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी फेडरल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी (एफआईए) ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि सऊदी अरब ने उमराह वीजा पर वहां जाकर भीख मांग रहे 10 पाकिस्तानियों को वापस भेज दिया है। कराची स्थित जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते ही इन सभी को हिरासत में ले लिया गया। ये सभी पिछले कई महीनों से सऊदी अरब में भीख मांग रहे थे। इनके खिलाफ आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें कराची एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सर्किल भेजा दिया गया है।

एफआईए का कहना है कि एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और विदेश यात्रा के लिए जा रहे यात्रियों की कड़ाई से चेकिंग की जा रही है। जिन लोगों पर शक हो रहा है कि वे भिखमंगी के लिए विदेश जा रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कई सालों से खाड़ी के देश पाकिस्तान के भिखारियों से परेशान हैं। खासकर कोरोना के बाद इनकी संख्या में भारी इजाफा हुआ है। पिछले साल भी सऊदी अरब ने पाकिस्तान से इसकी शिकायत की थी, ओवरसीज अधिकारियों की बैठक में सऊदी अरब ने पाकिस्तान से हज कोटा में सावधानी बरतने और भिखारियों को नहीं भेजने को कहा था। सऊदी का कहना है कि उसकी जेलें ऐसे लोगों से भर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब में करीब 25 लाख पाकिस्तानी रहते हैं और कुल प्रवासियों के मामले में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है। हाल के वर्षों में काफी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक सऊदी अरब में भीख मांगते हुए पाए गए हैं।

सऊदी अरब में भीख मांगना कानूनन जुर्म है जिसके लिए कैद की सजा के साथ-साथ भारी-भरकम जुर्माने का प्रावधान है। 2021 में भीख मांगने पर रोक लगाने के लिए सऊदी अरब ने कड़ा कानून लागू किया था, जिसके तहत भीख मांगने या भिखमंगों का ग्रुप मैनेज करने के लिए अधिकतम एक साल की सजा और एक लाख सऊदी रियाल (23 लाख 23 हजार 261 रुपये) जुर्माने का प्रावधान है। अगर कोई भीख मांगने वालों को किसी तरह से बढ़ावा देता है या उसकी पैसे से मदद करता है तो उसे अधिकतम छह महीने की जेल और 50 हजार सऊदी रियाल का जुर्माना देना पड़ सकता है। सजा और जुर्माना भरने के बाद उसे वापस उसके देश भेजा जाता है। ऐसे सजायाफ्ता कभी सऊदी में लौट कर काम नहीं कर सकते।

# कबड्डी में उप्र की टीम ने जीता स्वर्ण, निदेशक व ओलंपिक संघ के महासचिव सहित खेल प्रेमियों ने दी बधाई

**लखनऊ, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश की पुरुष कबड्डी टीम ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में फुर्ती, रणनीति और शानदार टीमवर्क के सहारे बेहतरीन धमाल मचाते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के लिए दूसरा स्वर्ण योगासन में आर्टिस्टिक पुरुष एकल में प्रवीण कुमार पाठक ने जीता। इस सफलता पर उत्तर प्रदेश के खिखाड़ियों और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गयी।

उप्र ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडेय ने कहा कि इस समय शासन स्तर से खिलाड़ियों को मिल रहे प्रोत्साहन का असर दिख रहा है। आगे चलकर प्रदेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा में और अधिक निखार आएगा। उप्र के युवा वर्ग में खेल के प्रति उत्साह बढ़ा है। वहीं खेल निदेशक आर.पी. सिंह ने कहा कि उप्र में खिलाड़ियों में ऊर्जा बनी रहे। उनको किसी तरह की परेशानी न हो, इसका ध्यान शासन स्तर से विशेष रूप से देखा जा रहा है।

योगासन के आर्टिस्टिक महिला पेयर में आर्यांशी स्वामी व सिमरन की जोड़ी ने रजत पदक जीता। वहीं महिला टीम इवेंट में उत्तर प्रदेश की स्क्वाश टीम को कांस्य पदक मिला। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने रविवार को 2 स्वर्ण, 2 रजत व 1 कांस्य पदक जीते। इसी के साथ उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय खेल में अब तक 6 स्वर्ण, 4 रजत व 5 कांस्य पदक सहित कुल 15 पदक के साथ तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है।हरिद्वार में आयोजित कबड्डी के मुकाबलो में पुरुष कबड्डी के फाइनल में उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को रोमांचक मैच में 57-43 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ यूपी ने चंडीगढ़ से पूल मैच में मिली हार का बदला ले लिया। इससे पहले सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश ने सर्विसेज' की बेहद मजबूत टीम को 43-42 से हराकर फाइनल में जगह बनायी थी। उत्तर प्रदेश की पुरुष कबड्डी टीम ने राष्ट्रीय खेल में दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले यूपी ने 36वें राष्ट्रीय खेल-2022 में स्वर्ण पदक जीता था।अल्मोड़ा में आयोजित योगासन की स्पर्धा में आर्टिस्टिक पुरुष एकल में उत्तर प्रदेश के प्रवीण कुमार पाठक ने 118.91 अंक के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

## न्यूज ब्रीफ

### टाटा स्टील मास्टर्स 2025: प्रज्ञानानंद ने टाईब्रेक में गुकेश को हराकर खिताब जीता

**विज्क आन जी (नीदरलैंड्स)।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स 2025 का खिताब जीत लिया। उन्होंने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को टाईब्रेक मुकाबले में हराकर यह गौरव हासिल किया। रविवार को खेले गए अंतिम (13वें) राउंड में प्रज्ञानानंद को जर्मनी के विंसेंट कीमर के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन कीमर ने उन्हें पराजित कर दिया। इस बीच, गुकेश, अर्जुन एरिगैसी से हार गए, जिससे खिताबी मुकाबला टाईब्रेक में चला गया। टाईब्रेक का रोमांचक मुकाबला टाईब्रेक के पहले गेम में गुकेश ने शानदार खेल दिखाया और प्रज्ञानानंद की गलती का फायदा उठाकर जीत दर्ज की। दूसरे गेम में प्रज्ञानानंद ने ट्रॉम्पोव्स्की ओपनिंग का उपयोग किया और गुकेश की त्रुटि का लाभ उठाते हुए मैच को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद सडन डेथ मुकाबला हुआ, जिसमें प्रज्ञानानंद ने सफेद मोहरों से खेलते हुए धैर्यपूर्वक खेल दिखाया। एक समय गुकेश ने बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अंतिम क्षणों में की गई गलतियों के कारण वे हार गए और प्रज्ञानानंद ने अपना पहला टाटा स्टील मास्टर्स खिताब जीत लिया। गुकेश लगातार दूसरी बार टाईब्रेक में हारे गुकेश के लिए यह लगातार दूसरा वर्ष था जब वे पहले स्थान पर रहे लेकिन टाईब्रेकर में हार गए। पिछले साल वे चीन के वेई यी से पराजित हुए थे।

### डब्ल्यूपीएल : चोटिल एलिसा हीली की जगह चिनेल हेनरी यूपी वारियर्स की टीम में शामिल

**नई दिल्ली।** यूपी वारियर्स (यूपीडब्ल्यू) ने टाटा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के आगामी संस्करण के लिए एलिसा हीली की जगह चिनेल हेनरी को चुना है। हीली चोट के कारण टाटा डब्ल्यूपीएल के तीसरे सत्र से बाहर हो गई थीं। वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करने वाली हेनरी ने अब तक 62 टी-20 आई खेले हैं और उनके नाम 473 रन और 22 विकेट दर्ज हैं। वह 30 लाख रुपये में यूपीडब्ल्यू में शामिल हुई हैं। इस बीच, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सोफी डिवाइन और केट क्रॉस की जगह हीथर ग्राहम और किम गर्थ को चुना। निजी कारणों से डिवाइन और क्रॉस टाटा डब्ल्यूपीएल 2025 में नहीं खेलेंगी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्राहम ने 5 टी-20 आई खेले हैं और उनमें से 8 विकेट अपने नाम किए हैं। गर्थ ने 56 वनडे और 4 टेस्ट के अलावा 59 टी-20आई में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है। उनके नाम 764 रन और 49 विकेट हैं। गर्थ इससे पहले डब्ल्यूपीएल में गुजरात जायंट्स (जीजी) के लिए खेल चुकी हैं। ग्राहम और गर्थ क्रमशः 30 लाख रुपये में आरसीबी में शामिल हुईं।

### आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चार भारतीय शामिल

**नई दिल्ली।** चार भारतीय खिलाड़ियों को आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चुना गया है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीता था। टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट गोंगडी त्रिशा हैं, जिन्होंने शीर्ष क्रम में 309 रन बनाए। त्रिशा को फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, उन्होंने गेंद से 15 रन देकर तीन विकेट लिए और फिर नाबाद 44 रन बनाए, जिससे भारत ने नौ विकेट से खिताबी जीत हासिल की। टीम में उनके साथ साथी ओपनर जी कमलिनी भी हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में 143 रन बनाए, और गेंदबाज आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा भी हैं। वैष्णवी ने टूर्नामेंट में 17 विकेट लिए, जिसमें बेयुमास ओवल में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के दो विकेट भी शामिल हैं, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है, जबकि 17 वर्षीय आयुषी 14 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। दक्षिण अफ्रीका, जो दो साल पहले सुपर सिक्स चरण से आगे बढ़ने में विफल रहा था, की दो खिलाड़ियों को नामित किया है। 11 विकेट लेने के बाद कायला रेनेके को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि जेम्मा बोथा - जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 24 गेंदों पर 37 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली थी - को त्रिशा के साथ ओपनिंग के लिए चुना गया है। तेज गेंदबाज नथाबिसेंग निनी को 12वें खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। इंग्लैंड (जिसे दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने हराया था) की डेविना पेरिन (टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी 176 रन) और विकेटकीपर कैटी जोन्स को भी टीम में जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया की काओइमहे ब्रे पांचवें नंबर पर हैं, जबकि मध्यक्रम में नेपाल की कप्तान और ऑलराउंडर पूजा महतो हैं, जिन्होंने 70 रन बनाए और नौ विकेट लिए - जिसमें मलेशिया के खिलाफ नौ रन देकर चार विकेट शामिल हैं।

# राष्ट्रीय खेलों में प्रतिस्पर्धा हेरफेर के आरोप ताइक्वांडो के प्रतियोगिता निदेशक बदले

**देहरादून, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में ताइक्वांडो प्रतिस्पर्धा में अनियमितताओं की शिकायतों के बाद बड़ा फैसला लिया गया है। गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी (जीटीसीसी) ने मनीपुलेशन ऑफ कंपटीशन कमेटी (पीएमसी) की सिफारिशों के आधार पर टी. प्रवीण कुमार को हटाकर एस. दिनेश कुमार को नया प्रतियोगिता निदेशक नियुक्त किया है। जीटीसीसी अध्यक्ष सुनैना कुमारी ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा कि तीन सदस्यीय पीएमसी पैनल की सिफारिशों को स्वीकार करना खेल की अखंडता बनाए रखने के लिए आवश्यक था।

### मैच फिक्सिंग के आरोप और हेरफेर की शिकायतें

पीएमसी समिति ने अपनी जांच में पाया कि पूर्व प्रतियोगिता निदेशक ने कुछ राज्य संघों के पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति के सदस्यों के साथ मिलकर चयन प्रक्रिया में हेरफेर किया था। इसके अलावा, उन्होंने एक उपकरण विक्रेता को खेल विशिष्ट स्वयंसेवकों के रूप में नामित किया था, जिससे खेल की निष्पक्षता पर सवाल उठे।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा ने जीटीसीसी के इस फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा, यह चौंकाने वाला है कि राष्ट्रीय खेलों के पदक कथित तौर पर प्रतिस्पर्धा शुरू होने से पहले ही तय कर दिए गए थे। हम एथलीटों के साथ निष्पक्षता बरतने और खेल की छवि खराब करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध हैं।

### पीएमसी की सिफारिशें और कार्रवाई

**शिकायतों को देखते हुए पीएमसी समिति ने चार अहम सिफारिशें कीं:**

- 1. प्रतिस्पर्धा निदेशक को बदला जाए - आईओए और जीटीसीसी के परामर्श से एक नया निदेशक नियुक्त किया जाए।
- 2. तकनीकी अधिकारियों की समीक्षा - नामांकित अधिकारियों में से कम से कम 50त्न को अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय प्रमाणन प्राप्त योग्य अधिकारियों से बदला जाए।
- 3. वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य - पूरी प्रतियोगिता की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए और संदिग्ध मामलों में फुटेज संरक्षित किया जाए।
- 4. निगरानी समिति की तैनाती - प्रतियोगिता के दौरान जीटीसीसी द्वारा नामित अधिकारियों की एक टीम स्थल पर मौजूद रहे ताकि हेरफेर की संभावना को रोका जा सके।

### विवेक पांडे ने वेटलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतकर उत्तराखंड का बढ़ाया मान

**देहरादून।** उत्तराखंड के चंपावत जिले के टनकपुर निवासी विवेक पांडे ने पुरुषों की 109+ किलोग्राम भारवर्ग वेटलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से राज्य में वेटलिफ्टिंग को नई पहचान मिली है। विवेक पांडे के लिए यह सफलता बेहद खास रही, क्योंकि पिछले साल उत्तराखंड ने इस श्रेणी में कोई प्रतिनिधित्व नहीं किया था। महज दो साल पहले वेटलिफ्टिंग की शुरुआत करने वाले विवेक ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए विवेक ने कहा, मैंने दो साल पहले वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। मेरे कोचेस ने मेरी बहुत मदद की। मैं अपनी इस उपलब्धि का पूरा श्रेय अपने माता-पिता को देता हूं।

### राष्ट्रीय खेल: सिफ्त कौर समरा और जोनाथन एंथनी ने जीता स्वर्ण पदक

**देहरादून।** उत्तराखंड के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज त्रिशूल हॉल में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में पंजाब की सिफ्ट कौर समरा ने सटीक निशानेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 50 मीटर 3 पोजीशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। समरा के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें 461.2 अंक दिलाकर प्रतिस्पर्धी फाइनल में शीर्ष स्थान दिलाया। पंजाब की ही उनकी साथी अंजुम मौदगिल ने 458.7 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जबकि तेलंगाना की सुरभि भारद्वाज रापोले ने 448.8 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। इस इवेंट में देश के कुछ शीर्ष निशानेबाजों ने हिस्सा लिया और यह शुरू से लेकर आखिर तक एक कड़ी टक्कर थी। केरल की विदर्शा विनोद ने नील पोजीशन के बाद बढ़त बनाई, लेकिन अंतिम चरणों में अपनी गति बरकरार नहीं रख सकीं, जिससे समरा आगे निकल गईं। अपनी जीत पर समरा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह ओलंपिक के बाद मेरे लिए वापसी जैसा है। मैंने ब्रेक नहीं लिया और प्रशिक्षण जारी रखा, इसलिए आज स्वर्ण जीतना खास लगता है। मैं अपने रूटीन को निष्पादित करने के तरीके और अंतर पैदा करने वाली छोटी-छोटी बातों से खुश हूं। अंजुम के साथ पोडियम साझा करना भी अद्भुत है, जो एक अविश्वसनीय निशानेबाज हैं। वहीं, रजत पदक जीतने वाली अंजुम मौदगिल ने कहा, यह तीसरा राष्ट्रीय खेल है जिसमें सिफ्ट और मैंने एक साथ पोडियम पर जगह बनाई है। वह एक असाधारण निशानेबाज है और मैं हमेशा से उसकी प्रशंसक रही हूँ। हालाँकि शुरुआत में मेरे स्कोर बहुत अच्छे नहीं थे, लेकिन मुझे पता था कि शांत और केंद्रित रहने से मैं पोडियम तक पहुँच सकती हूँ। यह सबसे अच्छी शूटिंग रेंज रही है जहाँ मैंने प्रतिस्पर्धा की है और आयोजन शानदार रहा है। पुरुषों की 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में कर्नाटक के जोनाथन एंथनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। एसएससीबी के रविंदर सिंह ने रजत पदक जीता और उनके साथी गुरप्रीत सिंह ने कांस्य पदक जीता।

# यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह ने जीती वॉलीबाल की शील्ड

**प्रयागराज, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

**तहसील मेजा के गांव मिश्रपुर के खेल मैदान पर बालकों की सब जूनियर वॉलीबाल प्रतियोगिता हुई। जिसमें यूनाइटेड वॉलीबाल क्लब ऊँचडीह की टीम विजेता घोषित हुई। वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर के सहयोग से डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज के तत्वावधान में खेली गई (अंडर-17) बालकों की वॉलीबाल प्रतियोगिता में कुल सात टीमों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर खेल-कौशल का प्रदर्शन किया।**

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला यूनाइटेड वॉलीबाल क्लब ऊँचडीह और वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर के बीच खेला गया। जिसमें यूनाइटेड वॉलीबाल क्लब ऊँचडीह ने वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर को 24-26, 25-19 और 25-23 अंकों से हराकर एसोसिएशन की चल वैजंती जीत ली। उप विजेता टीम की ओर से अभिषेक यादव और विजेता टीम की ओर से सौरभ तिवारी का खेल विशेष रूप से सराहनीय रहा।

**सब जूनियर वॉलीबाल प्रतियोगिता में वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर बनी उपविजेता**

इसके पूर्व खेले गए प्रथम सेमीफाइनल मैच में वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर ने एचआईए.इंटर कॉलेज मेजारोड को 23-25, 25-22 व 25-21 अंकों से हराया। इसी प्रकार से दूसरे सेमीफाइनल मैच में यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह ने भास्कर क्लब महेवा, मांडा की टीम को 20-25, 25-23 व 25-22 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। समापन समारोह मिश्रपुर के पूर्व प्रधान राम सिंह की अध्यक्षता में हुआ। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने पुरस्कार के साथ विजेता टीम यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह के कप्तान को चल वैजंती प्रदान किया।

## बुंदेलशगा लीग फुटबॉल

जर्मनी में बुंदेलशगा लीग फुटबॉल में खेलते बेयर्न और लेवरकुशन के खिलाड़ी।

# कुलदीप सेन पंजाब किंग्स से जुड़ने पर उत्साहित आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद

**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

पंजाब किंग्स की टीम में शामिल हुए नए खिलाड़ी कुलदीप सेन, जो आईपीएल 2025 की नीलामी में फ्रैंचाइज़ में शामिल हुए थे, इस चुनौती से उत्साहित हैं और इस सीज़न को अपने और टीम के लिए यादगार बनाना चाहते हैं। बचपन से ही क्रिकेट के दीवाने सेन ने 15 साल की छोटी उम्र में ही इस खेल को खेलना शुरू कर दिया था।

उनकी प्रतिबद्धता और धैर्य ने उन्हें 2022 में भारत के लिए अपना वनडे डेब्यू करने में मदद की। हालाँकि, शुरुआती प्रशिक्षण के दिनों में, उनकी माँ के अलावा उनके परिवार में किसी को भी नहीं पता था कि वह क्रिकेट खेलते हैं क्योंकि उनके पिता को यह खेल कभी पसंद नहीं था।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने फ्रेंजाइजी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा, मेरे परिवार में कोई भी क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं जानता था। चूंकि मैं एक मध्यम वर्गीय परिवार से आता हूं, इसलिए उन्हें क्रिकेट खेलने, कहां प्रशिक्षण लेना चाहिए आदि के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। सभी को क्रिकेट देखना पसंद था, लेकिन मेरे पिता को यह बिल्कुल पसंद नहीं था। उन्होंने मेरे खेलने के बाद ही क्रिकेट देखना शुरू किया; अन्यथा, वे प्रशंसक नहीं होते। जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो मेरे परिवार में मेरी मां के अलावा किसी को भी इसके बारे में पता नहीं था।

शुरुआती सालों में आर्थिक तंगी ने कुलदीप के संघर्ष को और बढ़ा दिया; 2019 में घरेलू क्रिकेट के लिए मध्य प्रदेश की टीम में उनके चयन ने न केवल उनके पिता का समर्थन प्राप्त किया, बल्कि उन्हें वित्तीय मदद भी की। तब से, उन्होंने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण भी किया है।

भारत के लिए बुलाए जाने के अपने पल को याद करते हुए, सेन ने कहा, जब मुझे भारत के लिए बुलाया गया, तब मैं एनसीए में था। मुझे नहीं पता था कि मेरा चयन होने वाला है। राजस्थान रॉयल्स में मेरे दोस्त ने मुझे फोन किया और बताया कि मेरा चयन हो गया है। मैं उस समय सो रहा था और मुझे अपने कॉल-अप के बारे में पता नहीं था। बांग्लादेश के खिलाफ मैच से एक रात पहले मैं सो नहीं सका...मैं मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित भी था। देश के लिए खेलना अभी भी मेरे लिए सबसे अच्छी बात है, और मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा।

सेन अब इस साल आईपीएल में पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उन्होंने खुलासा किया कि यह और भी खास है क्योंकि 2018 में उनका पहला आईपीएल ट्रायल किंग्स के लिए था।

कुलदीप ने आईपीएल नीलामी के अपने पल को याद करते हुए कहा, मैं बैंगलोर में ट्रेनिंग कर रहा था और अपने दोस्तों के साथ बैठा था। नीलामी शुरू होने से पहले ही मुझे यह आभास हो गया था कि मुझे पंजाब किंग्स द्वारा खरीद लिया जाएगा।

# माया राजेश्वरन ने एलएंडटी मुंबई ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई

**मुंबई, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

**भारत की 15 वर्षीय माया राजेश्वरन ने मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में जारी एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 सीरीज में एक और सनसनीखेज जीत दर्ज की। माया राजेश्वरन ने जेसिका फेला के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 7-6, 1-6, 6-4 से जीत दर्ज करते हुए मुख्य ड्रॉ का टिकट हासिल किया।**

माया राजेश्वरन ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने पिछले राउंड में दुनिया की 265वें नंबर की खिलाड़ी निकोल फोसा ह्यूर्गो को हराया था। अब वह मुख्य ड्रॉ का हिस्सा होंगी और पहले दौर में ग्रेट ब्रिटेन की युरिको लिली मियाजाकी से भिड़ेंगी।

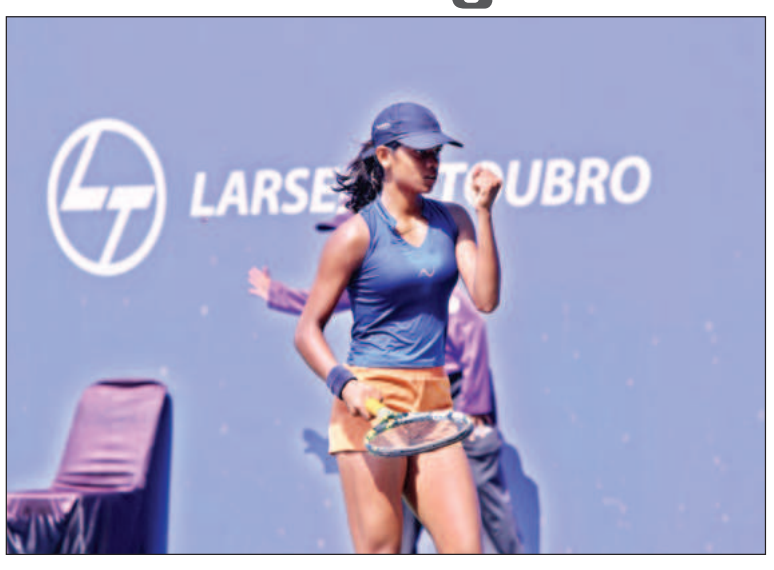

युवा टेनिस स्टार स्पेन में राफेल नडाल अकादमी का हिस्सा रही हैं, जबकि दुनिया भर में आईटीएफ जूनियर टूर्नामेंट में भाग ले चुकी हैं। मुख्य ड्रॉ में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के बाद माया ने अपने अब तक के प्रदर्शन पर विचार किया और अपने लक्ष्यों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, सबसे पहले, मैं क्वालीफाई करने से बहुत खुश थी क्योंकि जब मैंने टूर्नामेंट में प्रवेश किया था तो यह मेरा पहला लक्ष्य था। मेरे लक्ष्य अभी पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन अभी के लिए पहला लक्ष्य पूरा हो गया है। उसने तीसरे सेट में मेरी परीक्षा ली, लेकिन मैं जीत कर खुश हूं।

इस 15 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने अपने सफर में मिले सपोर्ट पर भी प्रकाश डाला। माया ने खासतौर पर अपने माता-पिता से मिले सपोर्ट की बात की। उन्होंने कहा, एक बात जिससे मैं वास्तव में खुश हूं, वह यह है कि मेरे पिताजी अक्सर मुझसे परेशान नहीं होते, क्योंकि मैं भारत में टूर्नामेंट नहीं खेलती, लेकिन जब मैं भारत में यात्रा करती हूं, तो वे आते हैं। जब वह मेरे साथ होते हैं तब मैं बहुत खुश होती हूं क्योंकि अगर वे वहां होते हैं, तो मैं वास्तव में अपना सिर नीचे करके ध्यान केंद्रित करती हूं। वे मुझे शांत रहने में मदद करते हैं, इसलिए भले ही मैं बहुत कठिन मैच खेल रही हूं, वे मेरा समर्थन करने के लिए वहां मौजूद रहेंगे। मुझे लगता है कि उस समय मेरा लगभग 100 फीसदी दबाव उन पर जाता है, इसलिए मैं सहज महसूस करती हूं।

एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 सीरीज में क्वालीफाइंग ड्रॉ का हिस्सा बनने के अपने अनुभव पर बात करते हुए माया ने कहा, बहुत अच्छा लगता है। यह कुछ नया नहीं है जो मैं कर रही हूं, लेकिन डब्ल्यूटीए सर्किट में खेलना बहुत बढ़िया लगता है। मैं महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ को भी मुझ पर विश्वास करने और मुझे इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन में वाइल्डकार्ड के रूप में अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

# जनवरी में कोयला उत्पादन में तेजी, कैप्टिव वाणिज्यिक खदानों का मजबूत योगदान

**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

देश का कोयला क्षेत्र मजबूती के साथ विकास के मार्ग पर अग्रसर है। अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के दौरान उत्पादन और ढुलाई दोनों में निरंतर वृद्धि हुई है। ये आंकड़े निरंतर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने में इस क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन को रेखांकित करते हैं।

कोयला मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि जनवरी 2025 में कुल कोयला उत्पादन 104.43 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज

**जनवरी 2025 तक उत्पादन में 5.88 फीसदी और ढुलाई में 5.73 फीसदी की वृद्धि**

100.05 मीट्रिक टन से 4.38 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2025 के लिए कैप्टिव, वाणिज्यिक और अन्य संस्थाओं का योगदान विशेष रूप से मजबूत रहा है। इसका उत्पादन बढ़कर 19.68 मीट्रिक टन हो गया जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 15.01 मीट्रिक टन से 31.07 फीसदी अधिक है।

बयान के मुताबिक जनवरी 2025 तक संचयी कोयला उत्पादन 830.66 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 784.51 मीट्रिक टन से 5.88 फीसदी अधिक है। इसी तरह कोयला ढुलाई भी इस वृद्धि के अनुरूप रहा। जनवरी 2025 के दौरान कुल कोयला प्रेषण 92.40 मीट्रिक टन रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 86.92 मीट्रिक टन से 6.31 फीसदी अधिक है।

जनवरी 2025 में कैप्टिव और अन्य संस्थाओं से कोयला ढुलाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में 13.64 मीट्रिक टन की तुलना में उछलकर 17.72 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो 29.94 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके साथ ही जनवरी 2025 तक संचयी कोयला ढुलाई बढ़कर 843.75 मीट्रिक टन हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 798.02 मीट्रिक टन से 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

## न्यूज ब्रीफ

### मौद्रिक नीति समिति रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कर सकती है कटौती

**नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में इस हफ्ते होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती होने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आरबीआई की तीन दिवसीय द्विमासिक एमपीसी बैठक 5 से 7 फरवरी तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को बैठक के नतीजे का ऐलान करेंगे। वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे ने एक दिन पहले रविवार को जारी एक बयान में कहा कि यह समय ब्याज दरों में कटौती के लिए सही है। उन्होंने कहा कि सरकार राजकोषीय नीति के साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है, जबकि महंगाई में घरेलू और बाहरी स्तर पर गिरावट आई है। क्या होता है रेपो रेट रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर रिजर्व बैंक अन्य बैंको को कर्ज देता है। इस दर में कटौती होने से बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की दरें भी घटती हैं। रेपो रेट की दर फरवरी, 2023 से 6.50 फीसदी पर यथावत बनी हुई है। रिजर्व बैंक यदि इस बार 0.25 फीसदी की कटौती करता है, तो यह 6.25 फीसदी हो जाएगी।

### बजट के बाद कच्चा तेल महंगा, बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

**नई दिल्ली।** वैश्विक बाजार में एक बार फिर से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव तो 76.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है तो क्रूड का भाव 73.80 डॉलर प्रति बैरल है। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपडेट कर दी हैं। हालांकि, ज्यादातर शहरों में कीमतें स्थिर हैं लेकिन कुछ जगहों पर पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में ईंधन के दाम बढ़े हैं। वहीं राज्यों की बात करें तो मध्य प्रदेश में पेट्रोल 0.68 पैसे प्रति लीटर और छत्तीसगढ़ में 0.64 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। उधर, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और त्रिपुरा समेत कुछ राज्यों में कीमते कम हुई हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.90 रुपये और डीजल 92.49 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपये और डीजल 91.82 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.50 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

### वित्त मंत्री ने घोषित की गिग श्रमिकों के लिए पीएम-जेएवाई की योजना

**नई दिल्ली।** व्यय सचिव मनोज गोविल ने बताया कि वित्त मंत्रालय श्रम विभाग के साथ परामर्श कर रहा है और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत एक करोड़ गिग श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की योजना बना रहा है। गोविल ने बताया कि ई-श्रम मंच पर गिग कर्मचारियों के लिए पहचान पत्र और पंजीकरण की व्यवस्था की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में घोषणा की थी कि गिग कर्मियों को पीएम जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी। इससे आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई योजना को बढ़ावा मिलेगा, जिसका उद्देश्य 12 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर परिवारों को स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है। मनोज गोविल ने एक साक्षात्कार में बताया कि वित्त मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों के साथ परामर्श के माध्यम से योजना की रूपरेखा तैयार की जा रही है। उन्होंने भी बताया कि गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना की लागत के बारे में गणना की जा रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यह निर्णय लिया कि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जाएगी, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। इससे वृद्ध नागरिकों को भी समाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा।

# गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 319 अंक टूटा

**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

**अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने कुछ व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क लगाने और कमजोर वैश्विक रुझानों का असर सोमवार को हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार पर भी दिखा। यही कारण रहा कि दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। इसके साथ ही सेंसेक्स में पिछले पांच कारोबारी दिनों से जारी तेजी थम गई। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 319.22 अंक यानी 0.41 फीसदी टूटकर 77,186.74 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 121.10 अंक यानी 0.52 फीसदी फिसलकर 23,361.05 के स्तर पर बंद हुआ है।**

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयरों में गिरावट रही, जबकि 11 शेयरों में तेजी देखने को मिली है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 शेयरो में गिरावट और 15 शेयर में तेजी रही है। इसके अलावा एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.22 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में शामिल लार्सन एंड टूब्रो, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, आईटीसी, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज में गिरावट हुई। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और मारुति में बढ़त दर्ज हुई है।

इससे पहले शनिवार को बजट पेश होने वाले दिन सेंसेक्स 5.39 अंक यानी 0.01 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 77,505.96 पर बंद हुआ था। निफ्टी 26.25 अंक यानी 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ 23,482.15 के स्तर पर बंद हुआ था।

## अनुसंधान और विकास को मजबूत करने 20,000 करोड़ का आवंटन

**नई दिल्ली।** देश के उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने बताया कि अनुसंधान को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का आवंटन केंद्रीय बजट 2025-26 में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आवंटन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को 20,000 करोड़ रुपये की सहायता भी शामिल है। सरकार द्वारा अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना के लिए भी ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें अगले पांच वर्षों में 50,000 ऐसे लैब्स की स्थापना की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य है युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना। इस स्वर्णिम आवंटन का लाभ निजी व सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान, कृत्रिम मेधा और भू-स्थानिक पहलों के विस्तार और नवाचार आधारित विकास को बढ़ावा देने में मिलेगा। इसके साथ ही कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना और एआई-संचालित शिक्षा में 500 करोड़ रुपये के निवेश से भविष्य के लिए कार्यबल की तैयारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस आवंटन के माध्यम से भारत को गहन प्रौद्योगिकी अनुसंधान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी और देश को वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

# किआ साइरोस सब कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च

**नई दिल्ली, 03 फरवरी (एजेंसियां)।**

**भारत में किआ मोटर्स इंडिया कंपनी ने अपनी बहुप्रतीक्षित किआ साइरोस सब कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च कर दी है। किआ की इस सब कॉम्पैक्ट एसयूवी की कीमत 9 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। वहीं इसके टॉप मॉडल की कीमत 17.80 लाख रुपये है।**

यह कीमक कार बेस एचटीके पेट्रोल मॉडल की है। इस कीमत में आपको टॉप स्पेक डीजल एटी वेरियंट मिलने वाला है। ये वेरियंट अडास से लैस है। कंपनी ने इस कार के लिए 3 जनवरी को बुकिंग्स ओपन कर दी थी। इसके 25,000 रुपये का टोकन अमाउंट तय किया गया था। इस कार के लिए डिलिवरी मिड फरवरी से शुरू होंगी।

इस कार के टॉप वेरियंट में अडास पैकेज उपलब्ध है जो कि ऑप्शनल है। यानी अगर आपको इस फीचर की जरूरत नहीं है तो आपको इसके लिए पे नहीं करना होगा। अगर आप अडास पैकेज चुनते हैं तो आपको 80,000 तक ज्यादा प्राइस पे करना होगा।

ये फीचर आपको टॉप स्पेक एचटीएक्स प्लस ट्रिम में मिलेगा। साइरोस दो इंजन विकल्पों के साथ आता है जिन्हें मैनुअल या ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। पेट्रोल सिरोस खरीदारों को 120एचपी, 172एनएम, 1.0-लीटर 3-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल यूनिट मिलती है।

डीजल सिरोस 116एचपी, 250एनएम, 1.5-लीटर 4-सिलेंडर इंजन मिलता है। दोनों इंजनों के लिए 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स स्टैंडर्ड हैं; खरीदार पेट्रोल वेरिएंट के साथ 7-स्पीड डीसीटी और डीजल वेरिएंट के साथ 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर का विकल्प चुन सकते हैं।साइरोस का डिज़ाइन ईवी9 और ईवी3 जैसी ग्लोबल किआ एसयूवीएस से लिया गया है, जो केवल 4 मीटर से कम माप वाली टॉलबॉय बॉडी में पैक की गई हैं। टॉप-स्पेक वेरिएंट में, 17 इंच के अलॉय व्हील्ज का इस्तेमाल किया गया है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### जनता ने...

यदि सदन चलाना चाहते हैं तो अपनी सीट पर जाकर बैठिए। उन्होंने विपक्षी सदस्यों से कहा, मैं आप सबसे आग्रह करना चाहता हूं कि आप जिन भी विषयों को उठाना चाहते हैं, राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा में उन सभी को उठा सकते हैं। आपको पर्याप्त समय और अवसर दिया जाएगा।

बिरला ने कहा, कई मंचों पर यह निर्णय हुआ है कि प्रश्नकाल स्थगित नहीं होना चाहिए, यह सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अन्य मुद्दे प्रश्नकाल के बाद उठाए जाने की परंपरा कायम की जानी चाहिए। उन्होंने हंगामा करने वाले सांसदों से कहा, हम संकल्प लें कि प्रश्नकाल कभी स्थगित न हो। यह मेरा आग्रह है। यदि आप नारेबाजी करने आए हैं, संसद को नियोजित तरीके से स्थगित कराने आए हैं, मेज थपथपाने आए हैं तो मैं आपसे कुछ नहीं कह सकता। मैं आग्रह ही कर सकता हूं।

इसके बावजूद संसद के निचले और ऊपरी दोनों सदन में हंगामा चलता रहा। इस वजह से बजट सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही पूरी तरह बाधित रही। विपक्षी सांसद महाकुंभ भगदड़ की घटना समेत कई मुद्दों पर सरकार के खिलाफ लगातार नारेबाजी कर रहे थे। राज्यसभा में दूसरे दिन की कार्यवाही भी शुरू हुई तो विपक्षी दलों के सभी सांसद राज्यसभा से बाहर चले गए। विपक्ष के हंगामे को लेकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ये लोग सरकार से सवाल नहीं पूछना चाहते, इन लोगों से जनता आने वाले समय में सवाल पूछेगी।स्पीकर ओम बिरला ने एनके प्रेमचंद्रन और कीर्ति आजाद का नाम लेते हुए पूछा, आप लोग मुझसे सवाल पूछना चाहते हैं लेकिन अपनी सीट पर बैठते नहीं हैं और हंगामा करते हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और मणिकम टैगोर से स्पीकर ने पूछा, आपको प्रश्न नहीं पूछना है, ठीक है। लेकिन जनता ने आपको टेबल तोड़ने के लिए तो यहां नहीं भेजा है।

### बच्चों की शिक्षा के...

दिल्ली की जनता इस झूठे व्यक्ति को जान गई है। अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान केजरीवाल कहा था कि हम राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे, लेकिन इन्होंने पार्टी बनाई। इन्होंने कहा था कि हम गाड़ी नहीं लेंगे, लेकिन गाड़ी ली, इन्होंने कहा था कि सिक्योरिटी नहीं लेंगे, लेकिन सिक्योरिटी ली, इन्होंने कहा था कि बंगला नहीं लेंगे, लेकिन इन्होंने अपने लिए 52 करोड़ रुपए का 50 हजार गज का शीश महल बना लिया।शाह ने कहा, केजरीवाल ने घोटालों की भरमार कर दी। हजारों करोड़ का शराब घोटाला किया और मंदिर, स्कूल, गुरुद्वारे के पास शराब की दुकानें खोल दी। 28,400 करोड़ का जल बोर्ड का घोटाला किया, 4,500 करोड़ का डीटीसी बस घोटाला किया, 1,300 करोड़ का क्लासरूम घोटाला किया। 571 करोड़ का सीसीटीवी घोटाला किया और 65,000 नकली टेस्ट का घोटाला किया। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़कर आए केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार की मूर्ति बन गए और बड़े मियां-छोटे मियां दोनों शराब घोटाले में जेल गए।गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, इन्होंने अभी-अभी एक पाप किया है। केजरीवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार यमुना जी के पानी में जहर घोल रही है। केजरीवाल तो खुद को हरियाणा का बेटा कहते थे, लेकिन अब इन्होंने हरियाणा का अपमान किया है। ये स्वयं पानी को शुद्ध नहीं कर पाए, इसलिए हरियाणा पर आरोप लगा रहे हैं और हरियाणा वालों का अपमान कर रहे हैं।

### आतंकी हमले में ...

दूसरी ओर दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में छुट्टी समाप्त होने के बाद घर से ड्यूटी पर लौटते समय रहस्यमयी हालात में लापता हुआ सेना का जवान देर शाम को कश्मीर से मिल गया है। पुलिस और सेना के अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस इसे अभी आतंकी मामले से जोड़ कर नहीं देख रही है। इस मामले में सेना से लेकर पुलिस के आला अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। जवान के मिलने की जानकारी परिवार को दे दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि राइफलमैन आबिद भट शनिवार को रंगरेथ मिलिट्री कैंप में ड्यूटी पर लौटने के लिए अनंतनाग के चित्तरगुल स्थित अपने घर से निकला था। 162 टेरिटोरियल आर्मी यूनिट का सैनिक आबिद एक महीने की छुट्टी पर गया था। शनिवार सुबह तक वह कैंप में नहीं पहुंचा तो सेना ने परिवार से संपर्क किया।

### 220 बीघा में...

में नष्ट किया गया। पिछले सप्ताह 30 जनवरी 2025 को ग्वालपाड़ा पुलिस ने सोनारी सर में 40 बीघा क्षेत्र में अफीम की खेती को नष्ट कर दिया था। ग्वालपाड़ा प्रशासन ने 2021 और 2023 में शियालमारी में बड़े पैमाने पर अफीम की खेती को नष्ट किया था। सर क्षेत्र में अफीम की खेती सबसे पहले 2010 में दरंग जिले के मगुरमारी सर में सामने आई थी।राज्य के बाहर का एक गिरोह राज्य में सर की दुर्गमता का फायदा उठाकर स्थानीय निवासियों के एक वर्ग के साथ मिलकर अफीम की खेती करता है। यह गिरोह स्थानीय निवासियों को अफीम के बीज और अन्य सामग्री सहित हर चीज की आपूर्ति करता है। दरअसल, सर के इलाकों में रहने वाले लोगों को असल पता ही नहीं है कि अफीम वास्तव में होता क्या है। सर निवासी अशरफ अली ने कहा, लोगों को लगता है कि यह फूलों की खेती है। सर के इलाकों के कुछ नेता इसका फायदा उठाकर स्थानीय लोगों को मजदूर के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। अगर जिला प्रशासन अफीम की खेती देखने के लिए बाहर से आने वाले रैकेट के लोगों और उन्हें पनाह देने वाले लोगों पर नजर रखे तो उनके ठिकानों का पता लगाया जा सकता है।

### गोधरा कांड...

और ट्यूब एक ट्रक से चोरी कर लिए गए थे। इस मामले में ट्रक के ड्राइवर सोमनाथ गायकवाड़ ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि ऐसा ही एक मामला नासिक में भी हुआ था। जिसमें सिन्नार पुलिस थाने और पुणे के मनचार थाने के इलाके में भी एक ट्रक से माल चोरी हुआ था। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि इन घटनाओं में कोई अंतर-राज्यीय गैंग शामिल है और पुलिस को ये भी पता चला कि इसमें शामिल चोर गुजरात के गोधरा के हैं।

जांच के दौरान पुलिस ने बीती 22 जनवरी से नासिक से गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तार आरोपियों में सलीम जारदा और उसके सहयोगी साहिल पठान, सूफियान चनाकी, अयूब सुनथिया, इरफान दरवेश का नाम शामिल है। ये सभी गोधरा के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक टेम्पो ट्रक और चोरी किया हुआ सामान भी बरामद कर लिया। चोरों के पास से बरामद सामान की कुल कीमत करीब 14.4 लाख रुपए है। पुलिस ने बताया कि सलीम जारदा उन 31 दोषियों में शामिल है, जिन पर साल 2002 के गुजरात दंगे के दौरान गोधरा में ट्रेन जलाने का दोषी पाया गया था।गोधरा कांड में जारदा समेत 11 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई थी और बाकी 20 लोगों को उम्रकैद हुई थी। हालांकि बाद में गुजरात उच्च न्यायालय ने जारदा समेत 11 लोगों की मौत की सजा को घटाकर उम्रकैद में तब्दील कर दिया। उल्लेखनीय है कि जारदा पूर्व में भी आठ बार जमानत मिलने के बाद फरार हो चुका है। जारदा ने एक गैंग बनाया, जो गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र में चोरी को अंजाम देता है।

### अनैतिक और...

एक महिला एक साझा घर में रहते हैं, जो विवाह के समान होता है। इस संबंध को कानूनी मान्यता देने के लिए कुछ विशेष नियम बनाए गए हैं। जैसे, लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है और इसे एक महीने के भीतर करना होगा। इसके लिए लोगों को 16 पन्नों का फॉर्म भरना होगा। अगर जोड़ा चाहे तो अपने समुदाय के प्रमुखों से प्रमाण पत्र जारी करवाकर उसे रजिस्ट्रेशन के लिए इस्तेमाल कर सकता है। लिव-इन पंजीकरण के दौरान आवेदकों से पूछा जाता है कि क्या वे ऐसे रिश्तों की श्रेणी में आते हैं जिसमें संबंध निषिद्ध हैं। यदि वे आते हैं, तो उनसे पूछा जाता है कि क्या उनके रीति-रिवाज जोड़े के बीच ऐसे विवाह की अनुमति देते हैं। फिर उन्हें समुदाय के प्रमुखों द्वारा एक प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। इसी के बाद अगले चरण में रजिस्ट्रार को यह प्रमाणपत्र की संक्षिप्त जांच करनी होती है और आगे फैसले लिया जाता है।

उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड में यूसीसी 27 जनवरी 2025 से लागू हुआ है। इस कानून को राज्य में लागू करने के लिए पूर्व में काफी तैयारी की गई थी। उत्तराखंड सरकार ने 27 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। इसके बाद राज्य के अंदर और बाहर रह रहे 60,000 से ज्यादा लोगों के साथ 70 अलग-अलग मंचों पर विस्तार से चर्चा की। बाद में 700 पन्नों से ज्यादा की एक रिपोर्ट तैयार की, जिसे 2 फरवरी 2024 को उत्तराखंड सरकार को सौंप दिया गया।

### राज्यपाल को ...

लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया है।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को वापस बुलाने के लिए भारत के राष्ट्रपति के मुख्य सचिव समेत दूसरों को निर्देशित करने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि 6 जनवरी को विधानसभा में अपने पारंपरिक संबोधन को दिए बिना ही बाहर चले गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले सुनाई करने से ही स्पष्ट इंकार कर दिया।विधानसभा सत्र की शुरुआत के दिन राष्ट्रगान नहीं बजाने को लेकर राज्यपाल आरएन रवि ने प्रदेश सरकार की आलोचना की और हाउस को संबोधित करने से इंकार कर दिया। राज्यपाल आरएन रवि ने कहा था कि राष्ट्रगान के प्रति उचित सम्मान दिखाने के लिए इसे उनके संबोधन की शुरुआत और अंत में बजाने का अनुरोध किया था। लेकिन उनके बार-बार अनुरोध करने के बाद भी उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया गया। राज्यपाल ने कहा, इस संबोधन के कई अंश हैं, जिनके साथ मैं तथ्यात्मक और नैतिक आधार पर असहमत हूं। उन्हें मेरे द्वारा अपने संबोधन में शामिल करना संविधान का मजाक होगा। इसलिए मैं अपना संबोधन समाप्त करता हूं। मेरी ये कामना है कि यह सदन लोगों की भलाई के लिए एक सार्थक और स्वस्थ चर्चा हो।

राज्यपाल द्वारा विधानसभा को संबोधित करने से इंकार करने को लेकर तमिलनाडु के एलओपी और एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा था, राज्यपाल ने राष्ट्रगान गाए जाने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके सुझावों को राज्य सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। ये सारा मामला राज्यपाल और प्रदेश सरकार के बीच विवाद का है।

### मुस्लिम वोट..

मुस्तफाबाद, जाफराबाद, द्वारका, गोविंदपुरी जैसे इलाकों में बसया जाता है। घुसपैठियों के दिल्ली में रहने की व्यवस्था कराने के लिए पूरा नेटवर्क सक्रिय है, जिसमें दलाल से लेकर मजहबी प्रचार-प्रसार करने वाले लोग शामिल हैं और इन्हें राजनीतिक दलों के नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। इनकी मदद से घुसपैठिए फर्जी दस्तावेज बनवाने में कामयाब हो जाते हैं और जगह-जगह अपने रोजगार करने लगते हैं। रहने के लिए इनकी अनधिकृत बस्तियों की संख्या बढ़ती जा रही है और राजधानी के बुनियादी ढांचे पर इसका असर दिख रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि ये अवैध प्रवासी कम वेतन वाली नौकरियों में स्थानीय श्रमिकों की जगह ले रहे हैं, जिससे सामाजिक और आर्थिक संरचना पर प्रभाव पड़ रहा है। वहीं जनसंख्या की दृष्टि से बात करें तो स्टडी में साफ तौर पर कहा गया है कि राजधानी में मुस्लिम आबादी की वृद्धि हुई है और धार्मिक संरचना में भी बदलाव आया है। उधर, दिल्ली सरकार जो रोहिंग्याओं को सब्सिडी देने का काम करती है उसे लेकर भी रिपोर्ट में चिंता जाहिर की गई है। कहा गया है कि ऐसे संसाधन उपलब्ध कराने से दिल्ली में और अधिक अवैध प्रवासियों आने की कोशिश करेंगे। ऐसे दिल्ली की समस्या घटने की जगह और बढ़ जाएगी।

### केरल को भी ...

सीपीएस की रिपोर्ट बताती है कि केरल की आबादी में हर साल सबसे ज्यादा मुस्लिम समुदाय के लोग ही जुड़ रहे हैं। यह आंकड़ा सीपीएस ने केरल में हर समुदाय में हर साल होने वाली मौतों और हर साल पैदा होने वाले बच्चों के बीच अंतर निकाल कर तैयार किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाले समय में यह अंतर और बढ़ता जा सकता है।

# आज गुरु होंगे मिथुन राशि में मार्गी

## पांच राशियों का चमकेगा भाग्य

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सभी 9 ग्रहों में कुछ ग्रह ऐसे होते हैं जिनकी चाल में बदलाव होने से सभी राशियों के जातकों के जीवन में काफी प्रभाव देखने को मिलता है। ग्रह एक निश्चित अंतराल पर राशि परिवर्तन और चाल में बदलाव करते हैं। देवगुरु बृहस्पति 04 फरवरी 2025 को दोपहर करीब 01 बजकर 46 मिनट पर बुधदेव की राशि मिथुन राशि में मार्गी होंगे। शनि के बाद देवगुरु बृहस्पति दूसरे ऐसे ग्रह हैं जो एक से दूसरे राशि में प्रवेश करने में काफी समय लेते हैं।

गुरु एक राशि राशि करीब 13 महीनों तक रहते हैं, इस तरह से एक राशि चक्र का पूरा एक चक्कर लगाने में काफी समय लेते हैं। ज्योतिष शास्त्र की गणनाओं के मुताबकि हर वर्ष देवगुरु बृहस्पति करीब 4 महीनों तक वक्री यानी उल्टी चाल से चलते हैं। ज्योतिष में मार्गी होने का मतलब उल्टी चाल से फिर सीधी चाल से आगे बढ़ने से होता है। ज्योतिष शास्त्र में गुरु ग्रह को जीव, ज्ञान, विद्या, आध्यात्म, धर्म, संतान, सुख-सौभाग्य और विवाह के कारक होते हैं। जब भी गुरु अपनी मार्गी चाल यानी सीधी चाल में होते हैं तो कई तरह की सकारात्मकता ऊर्जा अवसर लेकर आते हैं। गुरु के मार्गी होने से कुछ राशि वालों को भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। गुरु के मिथुन राशि में मार्गी होने से किन राशि वालों के लिए शुभ रहेगा।

**मेष राशि** –मेष राशि के जातकों के लिए 4 फरवरी के बाद से दिन शुरू होने वाले हैं। गुरु के मिथुन राशि में मार्गी होने से अब मेष राशि के जातकों के बिगड़े हुए काम जल्द से जल्द पूरे होंगे। अधूरे कामों में तेजी आएगी। सफलता के अच्छे योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा जातकों को लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी और लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उन्हे अच्छा खासा मुनाफा हासिल हो सकता है। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा।

**सिंह राशि** –गुरु के मार्गी होने से सिंह राशि वालों के सभी सपने पूरे होंगे। जीवन में अच्छा खासा धन अर्जित करेंगे और मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति पहले मुकाबले बेहतर रहेगी। शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में बेहतर अवसर मिलेंगे। धन लाभ के कुछ मौके मिलेंगे। सेहत अच्छी रहेगी और जीवनसाथी संग बेहतर रिश्ते होंगे।

**कन्या राशि**–कन्या राशि के जातकों के लिए गुरु का मिथुन राशि में मार्गी होना किसी वरदान से कम नहीं है। जीवन में सकारात्मकता बनी रहेगी। लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आय में बढ़ोतरी और धन लाभ के भरपूर मौके मिलेंगे। नए-नए अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक देंगे। नौकरी करने वाले जातकों को प्रमोशन और वेतन में वृद्धि के योग हैं। वहीं जो लोग व्यपार से संबंधित है उन्हे अच्छा मिल सकता है।

**तुला राशि** –तुला राशि के जातकों के लिए देवगुरु का मिथुन राशि में मार्गी होना अच्छा साबित हो सकता है। लाभ के भरपूर मौके आपको मिलेंगे। आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले मजबूत रहेगी। आने वाले समय आपका और यह बहुत ही शुभ साबित होगा। लाभ के में वृद्धि होगी। समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

**मकर राशि** –मकर राशि के जातकों के लिए गुरु का मार्गी होना अच्छा साबित होगा। कोई खुशखबरी मिल सकती है और अधूरे कामों में तेजी आएगी। अचानक से धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। समय अच्छा रहेगा।

# भाग्य, मस्तिष्क और स्वास्थ्य रेखा से मिलकर बनती है धन की कोठरी

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, मनुष्य की हथेली पर कई तरह की रेखाएं और आकृतियां बनी होती हैं। इन्हीं रेखाओं का अध्ययन करके किसी भी व्यक्ति के भाग्य, सेहत, विवाह, बच्चे और सुख-सुविधा के बारे में पता लगाया जा सकता है। व्यक्ति के हाथ पर बनी हर रेखा उसके भविष्य, वर्तमान तथा भूत से संबंधित रहस्यों को अपने में समाहित किए हुए है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इसके अलावा व्यक्ति के हाथ में कुछ ऐसे चिह्न और रेखाएं होती हैं जो राजयोग के संकेत देती हैं। ऐसे व्यक्ति का जीवन ऐश्वर्य से भर हुआ होता है और जीवन भर सुख-समृद्धि मिलती है। इसके अलावा हाथ में कुछ ऐसी भी रेखाएं होती हैं जो व्यक्ति के करियर और वैवाहिक जीवन के बारे में दर्शाती हैं। आज हम आपके लिए हथेली की कुछ ऐसी ही रेखा के बारे में बताने जा रहे हैं, जो प्रेम विवाह और विदेश यात्रा के संकेत देती हैं।

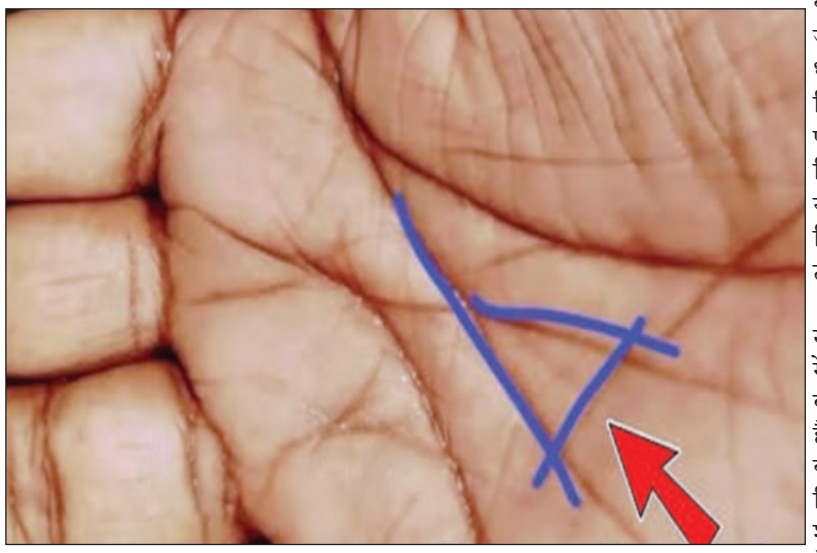

धन की कोठरी। यह सवाल हस्तरेखा में विश्वास रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का होता है। सामान्य स्थितियों में भी हाथ में इस कोठरी को लेकर बहुत चर्चाएं होती हैं। हाथ में यह कोठरी भाग्य रेखा, मस्तिष्क रेखा और स्वास्थ्य रेखा से मिलकर बनती है। इन तीनों रेखाओं से मिलकर बनने वाले इस त्रिकोण को धन की कोठरी कहा जाता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जीवन में अत्यधिक धन एकत्र कर लेते हैं। प्राचीन ग्रंथों में इस त्रिभुज को धनी माना गया है। यह त्रिभुज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शनि रेखा, बुध रेखा और मस्तिष्क रेखा से मिलकर बना है। शनि धन और रहस्य का कारक है। बुध व्यापार, गुप्त विद्याओं का कारक है। बुद्धि यानी मस्तिष्क रेखा बुद्धि का कारक है। ऐसे में यदि बुध और शनि पर्वत अच्छी स्थिति में हैं, बुद्धिमान हो और वह इन सभी गुणों को व्यापार में लगाता है तो वह धनी होता है। हालांकि इसका दूसरा पक्ष भी है। ऐसे व्यक्ति अति इंद्रिय होता है। बुध पर्वत अच्छा होने पर ऐसा व्यक्ति रहस्यमयी विद्याओं का धनी होता है। ऐसे व्यक्ति के पास वैज्ञानिकता का गुण आ जाता है।

ऐसे में जिन हाथों में तीनों रेखाओं से मिलकर त्रिभुज है तो यह शुभ है, लेकिन यदि इनमें से कोई एक रेखा टूटी ना हो अथवा त्रिभुज टूटा हुआ नहीं होना चाहिए। यह त्रिभुज यानी धन की कोठरी बंद होनी चाहिए। इस त्रिभुज से व्यक्ति धनवान तो होता है, साथ ही वह रहस्यमयी विद्याओं का धनी भी होता है। लेकिन यदि त्रिभुज के अंदर क्रॉस का निशान बन गया जो तो व्यक्ति का सारा धन नष्ट हो जाता है। हालांकि विद्याएं नष्ट नहीं होती। त्रिभुज में कोई दोष नहीं होने की स्थिति में शुभ परिणाम मिलता है।

हस्तरेखा शास्त्र में चंद्र पर्वत को बेहद ही खास माना जाता है। यदि किसी जातक के हाथ में चंद्र पर्वत से कोई यात्रा रेखा निकलकर पूरी हथेली को पार करते हुए गुरु पर्वत तक पहुंचती है, तो ऐसे व्यक्ति के जीवन में लंबी यात्रा के योग होते हैं। कहा जता है कि ये लोग एक देश से दूसरे देश की यात्रा करते हैं।

हस्त रेखा विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, किसी जातक के हाथ में चंद्र पर्वत से कोई रेखा निकलकर बुध पर्वत तक जाती है, तो ऐसे व्यक्ति को यात्रा से धन की प्राप्ति होती है, लेकिन जब किसी जातक की हथेली में चंद्र क्षेत्र पर बनी यात्रा रेखा पर कोई क्रॉस का निशान बन जाता है, तो ऐसे में विदेश यात्रा के बिगड़ल जाते हैं। साथ ही किसी न किसी कारण से विदेश यात्रा टालनी पड़ती है।

यदि किसी जातक के चंद्र पर्वत से कोई यात्रा रेखा निकलकर हृदय रेखा से मिल जाती है। तो ऐसे में व्यक्ति के जीवन में प्रेम संबंध बनते हैं और वह उनमें सफलता भी प्राप्त करता है, यानि ऐसे व्यक्ति का प्रेम विवाह में बदल जाता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार यदि किसी के हाथ में दो हृदय रेखाएं हैं और एक रेखा चंद्र पर्वत की ओर जा रही है, तो ये स्थिति भी सुखी वैवाहिक योग बनाती है। यदि किसी व्यक्ति के हाथ की सबसे छोटी उंगली के नीचे मौजूद बुध पर्वत से निकली हुई रेखा अनामिका उंगली के नीचे पहुंचती है, तो ऐसे लोगों को जीवन में एक बार विदेश घूमने का मौका जरुर मिलता है।

**नीतिका शर्मा**
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

# पद-प्रतिष्ठा के लिए देवी कूष्मांडा और कला-व्यवसाय में कामयाबी के लिए देवी स्कंदमाता की आराधना करें

देवी दुर्गा के नौ रूप हैं, जिनकी नवरात्रि में आराधना की जाती है। देवी दुर्गा का चौथा स्वरूप कूष्मांडा है. देवी कूष्मांडा, सिंह पर सवार हैं और सूर्यलोक में निवास करती हैं, जो क्षमता किसी भी अन्य देवी-देवता में नहीं है, इसलिए जब कोई कारक ग्रह अस्त हो जाए तो देवी कूष्मांडा की आराधना करनी चाहिए। देवी कूष्मांडा अष्टभुजा धारी हैं और अस्त्र-शस्त्र के साथ माता के एक हाथ में अमृत कलश भी है. देवी कूष्मांडा की पूजा-अर्चना से असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है। देवी कूष्मांडा की पूजा-अर्चना से सूर्य ग्रह की अनुकुलता प्राप्त होती है इसलिए सिंह राशि वालों को देवी की आराधना से संपूर्ण सुख की प्राप्ति होती है।

जिन श्रद्धालुओं की सूर्य की दशा-अन्तरदशा चल रही हो उन्हें भी देवी कूष्मांडा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। सम्मान, सफलता आदि की कामना रखनेवाले श्रद्धालुओं को देवी कूष्मांडा की आराधना करनी चाहिए। जिन श्रद्धालुओं के पिता से मतभेद हों वे संकल्प लेकर देवी कूष्मांडा की आराधना करें, विवाद से राहत मिलेगी।

नमामि स्कन्दमाता स्कन्दधारिणीम्।
समग्रतत्वसागरम् पारपारगहराम्।।
शिवाप्रभा समुज्वलां स्फुच्छशागशेखराम्।
ललाटरत्नभास्करां जगत्प्रदीप्ति भास्कराम्।।
महेन्द्रकश्यपार्चितां सनत्कुमार संस्तुताम्।
सुरासुरेन्द्रवन्दिता यथार्थनिर्मलाद्भुताम्।।
अतर्क्यरोचिरूविजां विकार दोषवर्जिताम्।
मुमुक्षुभिर्विचिन्तितां विशेषतत्वमुचिताम्।।
नानालङ्कार भूषिताम् मृगेन्द्रवाहनाग्रजाम्।
सुशुध्दतत्वतोषणां त्रिवेदमार भूषणाम्।।
सुधार्मिकौपकारिणी सुरेन्द्र वैरिघातिनीम्।
शुभां पुष्पमालिनीं सुवर्णकल्पशाखिनीम्
तमोऽन्धकारयामिनीं शिवस्वभावकामिनीम्।
सहस्रसूर्यराजिकां धनज्जयोग्रकारिकाम्।।
सुशुध्द काल कन्दला सुभृडवृन्दमज्जुलाम्।
प्रजायिनी प्रजावति नमामि मातरम् सतीम्।।
स्वकर्मकारणे गतिं हरिप्रयाच पार्वतीम्।
अनन्तशक्ति कान्तिदां यशोअर्थभुक्तिमुक्तिदाम्।।
पुनः पुनर्जगद्धितां नमाम्यहम् सुरार्चिताम्।
जयेश्वरि त्रिलोचने प्रसीद देवी पाहिमाम्।।

देवी दुर्गा का पांचवां स्वरूप स्कंदमाता है। देवी स्कंदमाता, सिंह पर सवार हैं. देवी स्कन्दमाता की चार भुजाएं हैं, माता अपने दोनों हाथों में कमल का फूल धारण करती हैं और एक हाथ में भगवान कार्तिकेय को अपनी गोद में लिये बैठी हैं, जबकि माता का चौथा हाथ श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करता है। जो व्यक्ति जाने/अनजाने भ्रूण हत्या जैसे अपराध में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष शामिल रहे हों उन्हें देवी स्कन्दमाता से सच्चे दिल से क्षमा मांगनी चाहिए और पूजा-अर्चना करके प्रायश्चित व्रत करना चाहिए, साथ ही भविष्य में ऐसी गलती नहीं करने का संकल्प लेना चाहिए।

देवी स्कंदमाता की पूजा-अर्चना से बुध ग्रह की अनुकूलता प्राप्त होती है इसलिए मिथुन और कन्या राशिवालों को देवी की आराधना से संपूर्ण सुख की प्राप्ति होती है। जिन श्रद्धालुओं की बुध की दशा-अंतर्दशा चल रही हो उन्हें भी देवी स्कन्दमाता की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। कला/व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता के लिए श्रद्धालुओं को देवी स्कंदमाता की आराधना करनी चाहिए। जिन श्रद्धालुओं के बहन/बेटी से मतभेद हों वे संकल्प लेकर देवी स्कन्दमाता की आराधना करें, विवाद से राहत मिलेगी।

दुर्गतिनाशिनी त्वंहि दरिद्रादि विनाशनीम्।
जयंदा धनदा कूष्माण्डे प्रणमाम्यहम्।।
जगतमाता जगतकत्री जगदाधार रूपणीम्।
चराचरेश्वरी कूष्माण्डे प्रणमाम्यहम्।।
त्रैलोक्यसुन्दरी त्वंहि दुःख शोक निवारिणीम्।
परमानन्दमयी, कूष्माण्डे प्रणमाम्यहम्।।

देवी कूष्मांडा....आप दुर्भाग्य का नाश करने वाली, दरिद्रता आदि का नाश करने वाली हैं. जयंदा, धन की दाता, कूष्मांडा को नमस्कार है। ब्रह्माण्ड की माता, ब्रह्माण्ड की निर्माता, ब्रह्माण्ड का आधार बनी। मैं सभी चर और अचर प्राणियों की देवी कुष्मांडा को प्रणाम करता हूं. आप तीनों लोकों में सबसे सुंदर हैं और दुःख और शोक को दूर करने वाली हैं। मैं परम आनंद से परिपूर्ण कुष्मांडा को प्रणाम करता हूं।

# छोटे-छोटे उपायों से घर में लाए सकारात्मकता

आज जीवन में इतना स्ट्रेस और तनाव है कि पॉजिटिव रहना ही बहुत बड़ी चुनौती है। वहीं जब थक-हार कर आप घर आएं और घर में भी यही नेगेटिव एनर्जी और बोरियत भरा माहौल देखने को मिले, तो जीवन में सकारात्मक रहना वाकई बहुत मुश्किल भरा हो सकता है। किसी-किसी घर में पैर रखते ही आपका मूड अचानक से काफी खुशनुमा हो जाता है तो वहीं कुछ घरों में पैर रखते ही अच्छा-खासा मूड भी एकदम खराब और नेगेटिव हो जाता है। दरअसल ऐसा घर की वाइब के चलते होता है। घर की छोटी-छोटी चीजें मिलकर एक माहौल तैयार करती हैं, जो वहां रहने वालों के मूड को काफी हद तक प्रभावित करता है। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने वाले हैं जो आपके घर में पॉजिटिविटी का माहौल बनाने में हेल्प करेंगे।

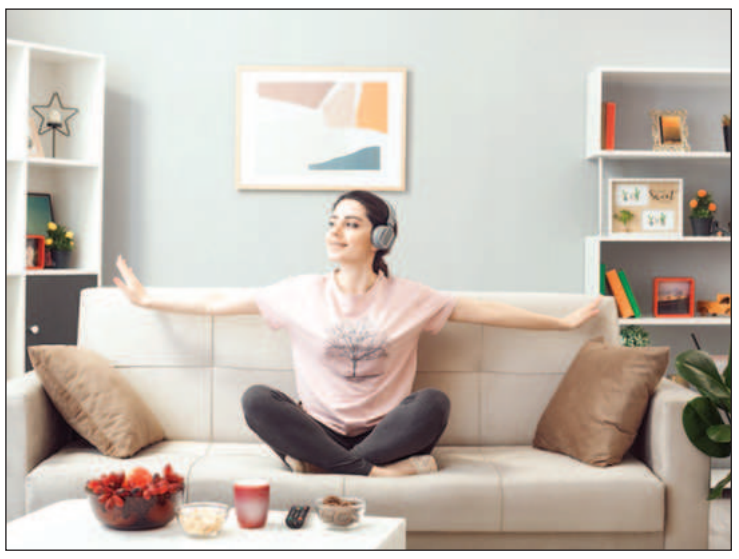

### म्यूजिक से बनाएं खुशनुमा माहौल

घर का माहौल हमेशा उदास और नेगेटिव बना हुआ रहता है, तो म्यूजिक की मदद से भी तुरंत इसे खुशनुमा बनाया जा सकता है। म्यूजिक में हीलिंग प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जो मूड को तुरंत बेहतर बनाने का काम करती हैं। आप चाहें तो अध्यात्म से जुड़े मंत्र और गीत सुन सकते हैं। इसके अलावा क्लासिकल म्यूजिक और मन को सुकून देने वाले सॉफ्ट म्यूजिक का सहारा ले कर घर के माहौल को तुरंत पॉजिटिव बनाया जा सकता है।

### घर को रखें साफ-सुथरा

अगर आपके घर में सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा रहता है, घर गंदा और अव्यस्थित रहता है तो जाहिर है कि उसमें रहना किसी को भी अच्छा नहीं लगेगा। ऐसे घर में हमेशा ही नेगेटिविटी का माहौल बना रहता है। इसलिए बेहतर है कि एक दिन आप अपने घर के लिए निकालें। जितना भी गैर जरूरी सामान है उसे घर से निकाल दें। बाकी जरूरी सामान को ऑर्गेनाइज कर के रखें और घर की साफ सफाई पर भी ध्यान दें। इससे भी तुरंत आपके मूड में पॉजिटिविटी आएगी।

### नेचर की लें मदद

घर में पॉजिटिविटी का माहौल बनाए रखना है तो नेचर आपकी इसमें भरपूर मदद कर सकता है। इसके लिए आप घर को असली पेड़-पौधों की मदद से डेकोरेट कर सकते हैं। कुछ पौधे ऐसे होते हैं जो नेगेटिविटी को दूर करने का काम करते हैं, आप ऐसे पौधों को घर की डेकोरेशन के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा घर के खिड़की-दरवाजों से बाहर की धूप और ताजी हवा अंदर आने दें। इससे घर की नेगेटिविटी दूर होती है और आपके मूड में भी तुरंत सुधार देखने को मिलता है। घर में जितना ज्यादा नेचर एलिमेंट एड करेंगे उतनी ज्यादा घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी।

### खुशबू से महकाएं घर का आंगन

घर से भीनी-भीनी खुशबू आती है तो मूड भी तुरंत ही बेहतर हो जाता है। ऐसे में अगर आपका दिन जरा बेहतर नहीं जा रहा है तो आप घर में किसी सुगंधित चीज की खुशबू फैला सकते हैं। इसके लिए आप कपूर, तेज पत्ता और लौंग जैसी चीजें जला सकते हैं। वहीं इसके अलावा खुशबूदार मोमबत्ती, डिफ्यूजर, प्राकृतिक रूम फ्रेशनर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके मूड में तुरंत ही पॉजिटिव बदलाव आएगा।

### लाइटिंग का करें इस्तेमाल

किसी भी त्यौहार या खास मौके पर खूब सारी लाइट्स और दीयों से घर की सजावट की जाती है। ऐसा करने से तुरंत ही घर में फेस्टिवल वाला माहौल बन जाता है और सब कुछ पॉजिटिव सा लगने लगता है। आप अपने घर में पॉजिटिव माहौल बनाए रखने की लिए घर के मंदिर या पौधों के पास दीए लगा सकते हैं। इसके अलावा अच्छी लाइटिंग से भी घर का इंटीरियर जगमगाया जा सकता है। कोशिश करें कि प्राकृतिक रूप से घर में ज्यादा से ज्यादा रोशनी आए।

# पहली कमाई 75 रुपए,फ्लॉप फिल्म से किया डेब्यू

## आज है सिनेमा का सुपरस्टार, लेता है 100 करोड़ फीस, क्या आपने इस बच्चे को पहचाना?

फोटो में दिख रहा यह बच्चा आज सिनेमा का सुपरस्टार है। इसने 14 साल की उम्र में बैकग्राउंड डांसर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। इसकी पहली फिल्म, बीवी हो तो ऐसी (1988) फ्लॉप रही। लेकिन 1989 में आई मैंने प्यार किया ने इसे रातों रात स्टार बना दिया। 4 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 27।5 करोड़ की कमाई की और उनकी फीस 31,000 रुपये से बढ़कर 75,000 रुपये हो गई। जीहां हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान की।

सलमान खान ने महज 14 साल की उम्र में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर अपना करियर शुरु किया। उनकी पहली कमाई ताज होटल में एक परफॉर्मेंस के दौरान हुई थी, जहां उन्होंने 75 रुपए कमाए थे। उनकी पहली फिल्म बीवी हो तो ऐसी (1988), थी, जिसमें वह सपोर्टिव रोल में दिखे थे। यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर असफल रही। इस फिल्म से सलमान को ज्यादा पहचान नहीं मिली। आज सलमान भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेताओं में से एक हैं, जिनकी कुल संपत्ति 2,900 करोड़ रुपये है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान हर फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपये की फीस लेते हैं।

सलमान की पहली बड़ी हिट फिल्म मैंने प्यार किया है, जो 1989 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म उनके करियर के लिए मिल का पत्थर साबित हुई। मैंने प्यार किया के दौरान सलमान को शुरू में 31,000 रुपये का फीस दिया गया था। हालांकि, उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और बाद में उनकी फीस बढ़ाकर 71,000 से 75,000 रुपये कर दी गई। फिल्म का बजट 4 करोड़ था और इसने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 27।5 करोड़ रुपये कमाए। अकेले भारत में इसने 23 करोड़ रुपये कमाए, जो उस समय के लिए असाधारण था।

# खूबसूरत साड़ी पहन श्रद्धा दास ने शेयर किया ग्लैमरस लुक

श्रद्धा दास इंडस्ट्री की एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स से फैंस को दीवाना बनाया हुआ है। हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस दास अपनी खूबसूरती और ग्लैमरस लुक्स के कारण अक्सर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने ग्रीन कलर की बेहद ही खूबसूरत स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं।बालों का स्टाइलिश लुक में बन बनाकर, गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं।श्रद्धा दास सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

# अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स की रफ्तार बरकरार

## 9 दिनों में फिल्म ने बटोरे लिए 111.7 करोड़

अक्षय कुमार की 24 जनवरी को रिलीज की गई फिल्म स्काई फोर्स को सिनेमाघरों में आज 9वां दिन है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग ली और गणतंत्र दिवस के मौके पर बंपर कमाई की।फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन देखकर अक्षय कुमार के फैंस ने भी राहत की सांस ली है, क्योंकि इस फिल्म के साथ ही उनका फ्लॉप फिल्मों का सिलसिला अब खत्म होता नजर आ रहा है। तो चलिए जानते हैं कि फिल्म ने अभी तक कितनी कमाई कर ली है और कितना कमाने के बाद फिल्म अपने बजट निकाल पाएगी।फिल्म को स्त्री 2 और भेडिया जैसी फिल्में बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। प्रोडक्शन हाउस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की पिछले 9 दिनों की कमाई से जुड़े ऑफिशियल आंकड़े शेयर किए गए हैं।इसके मुताबिक, फिल्म ने पहले हफ्ते में 99।7 करोड़ कमाए थे। वहीं 8वें और 9वें दिन फिल्म का कलेक्शन 4।6 करोड़ और 7।4 करोड़ रुपये रहा। यानी कल फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ। और इस तरह से फिल्म ने 9 दिनों में 111।7 करोड़ रुपये कमा लिए।फिल्म को करीब 160 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया गया है।

फिल्म ने आज बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा निकाल लिया है। अब उम्मीद है कि फिल्म जल्द ही अपने बजट वाले आंकड़े को भी टच कर लेगी। अब फिल्म बहुत जल्द ओएमजी 2 का रिकॉर्ड ब्रेक कर सकती है। इस फिल्म में अक्षय कुमार लीड में नहीं थे लेकिन स्पेशल अपीयरेंस से जरूर था।

फिल्म ने करीब 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी।स्काई फोर्स अगर अकेले ही सिनेमाहॉल में होती तो आखिरी दिनों में जो ऑडियंस बंटकर शाहिद कपूर की फिल्म देखने पहुंची वो भी स्काई फोर्स की तरफ मुड़ जाती। हालांकि, शाहिद की फिल्म नई है इसलिए 31 जनवरी को देवा रिलीज के बाद स्काई फोर्स की कमाई में गिरावट दिखी और देवा की कमाई हर दिन स्काई फोर्स की कमाई से ज्यादा रही।अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार और वीर पहाडिया अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, सारा अली खान और डायना पेंटी भी फिल्म में दिखी हैं।

# आईफा 2025 में स्त्री 2 और लापता लेडीज ने मारी बाजी, मिले सबसे ज्यादा नॉमिनेशन

जयपुर में 8 और 9 मार्च को आयोजित होने वाले आईफा (इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवार्ड्स) की सिल्वर जुबली एडिशन में बेस्ट निर्देशन, लीड रोल में बेस्ट परफॉर्मेंस (महिला, पुरुष), बेस्ट सपोर्टिंग रोल (महिला, पुरुष), बेस्ट नेगेटिव रोल, बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन और सिंगर (पुरुष, महिला) जैसी 10 कैटेगरी में सिनेमैटिक हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा. वहीं बात करें तो सबसे ज्यादा नामांकन की तो वो लापता लेडीज, भूल-भुलैया 3 और स्त्री 2- सरकटे का आतंक सबसे ऊपर है. लापता लेडीज को 9, भूल भुलैय 3 को 7 और स्त्री 2 को 6 नॉमिनेशन मिले हैं.आईफा अवॉर्ड्स में बेस्ट पिक्चर के लिए लापता लेडीज, भूल भुलैया 3, स्त्री 2, किल आर्टिकल 370 और शैतान हैं. देखना दिलचस्प होगा कि यह अवॉर्ड किसको मिलता है. देखें सभी कैटेगरी में नॉमिनेशन की लिस्ट.इनके अलावा बेस्ट टाइटल ट्रैक, बेस्ट डॉक्यूमेंट्री, बेस्ट नॉन स्क्रिप्टेड सीरीज, बेस्ट स्टोरीज, बेस्ट वेब सीरीज डायरेक्टर, वेबे सीरीज के लिए बेस्ट एक्टर-एक्ट्रेस, वेबे सीरीज में सपोर्टिंग रोल में बेस्ट एक्टर-एक्ट्रेस जैसी कैटेगरी में भी आईफा अवॉर्ड्स दिए जाएंगे.

# पर्दे पर फिर से नजर आएंगे इंदर और सुरु, सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी सनम तेरी कसम

हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन स्टारर रोमांटिक फिल्म सनम तेरी कसम सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने बताया कि प्रशंसकों की मांग पर 7 फरवरी को एक बार फिर से इंदर और सुरु की कहानी दिखाई जाएगी।साल 2016 में रिलीज हुई हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की फिल्म सनम तेरी कसम को दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला। फिल्म को प्रशंसकों से मिले प्यार पर अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने कहा, सनम तेरी कसम के लिए प्यार कभी कम नहीं हुआ।

फिल्म की री-रिलीज को लेकर देश के कई हिस्सों से प्रशंसकों की अपील को देखना उत्साहजनक है। इस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ दिया है और एक बार फिर से बड़े पर्दे पर इसके जादू को देखना एक ऐसी भावना है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। इस प्रेम कहानी को जिंदा रखने के लिए धन्यवाद!

फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, जब से सनम तेरी कसम रिलीज हुई, इसने लोगों के दिलों में जगह बना ली। रिलीज के इतने सालों बाद भी प्रशंसकों ने इसके फिर से रिलीज होने के लिए जोर दिया है, यह इस बात का सबूत है कि इसका कितना प्रभाव पड़ा है। हम इसे 7 फरवरी को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज करने के लिए उत्साहित हैं। मुझे उम्मीद है कि पुराने और नए दोनों दर्शक एक बार फिर इसके सदाबहार रोमांस का अनुभव करेंगे।जानकारी के अनुसार सनम तेरी कसम की री-रिलीज को लेकर बिहार समेत देश के कई हिस्सों से प्रशंसकों ने मांग करते हुए प्यार का इजहार किया। प्रशंसकों की मांग पर फिल्म निर्माताओं ने फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला लिया।राधिका राव और विनय सप्रू के निर्देशन में बनी फिल्म सनम तेरी कसम 7 फरवरी को सिनेमाघरों में वापसी करने के लिए तैयार है।फिल्म में हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन के साथ मनीष चौधरी, मुरली शर्मा, अनुराग सिन्हा, विजय राज, सुदेश बेरी, कमल अदिब के साथ ही अन्य सितारे अहम भूमिका में थे।

# अनुपमा का हिस्सा बनना सपना सच होने जैसा : अद्रिजा रॉय

अभिनेत्री अद्रिजा रॉय लोकप्रिय टीवी शो अनुपमा में काम करने को लेकर उत्साहित हैं। शो में अभिनेत्री के किरदार का नाम राहीळ है। उन्होंने बताया कि उनके और उनके किरदार के बीच बहुत सी समानताएं हैं और अनुपमा में काम करना सपना सच होने जैसा है।अद्रिजा रॉय ने कहा, राही और अद्रिजा के बीच बहुत सी समानताएं हैं। वह व्यावहारिक है, हर चीज को समझने की कोशिश करती है और वह अपनी मां से प्यार करती है। मैं बहुत सी चीजों से खुद को जोड़ पाती हूं। शुरुआत से ही मुझे इस किरदार में ढलने में ज्यादा समय नहीं लगा, क्योंकि कुछ अलग सोचने की जरूरत नहीं है। इस पीढ़ी की कोई भी लड़की परिस्थितियों पर जिस तरह रिएक्ट करती है, उसी तरह राही (चरित्र) भी रिएक्ट करती है। मुझे लगता है कि यह एक प्लस प्वाइंट है।उन्होंने सह-कलाकार शिवम खजूरिया के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के बारे में भी बात की। अभिनेत्री ने कहा, शिवम और मेरे बीच बहुत अच्छा रिश्ता है क्योंकि हम लगभग एक ही उम्र के हैं। पहले दिन से ही हमारी बॉन्डिंग मजबूत थी। हम एक साथ सीन्स पर चर्चा करते थे, तय करते थे कि हम क्या करेंगे और हम उन्हें कैसे करेंगे। जब आप योजना बनाते हैं और एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो यह स्वाभाविक रूप से सीन में दिखाई देता है। शायद इसीलिए दर्शकों को यह पसंद आया है।अद्रिजा रॉय ने बताया कि अनुपमा जैसे शो का हिस्सा बनने पर वह खुद को भाग्यशाली महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे अनुपमा जैसे बड़े शो का हिस्सा बनने का मौका मिला। अनुपमा एक ब्रांड है, इसलिए स्वाभाविक रूप से मैं बहुत उत्साहित हूं। मेरा किरदार, पूरी टीम, और शो से जुड़ी हर चीज कहानी, मौजूदा ट्रैक, सब कमाल का है। मैं बस यही उम्मीद करती हूं कि सब कुछ ठीक चलता रहे।उन्होंने कहा, अनुपमा का हिस्सा बनना - उस शो के साथ काम करना, उस शो से जुड़ना - यह किसी सपने के सच होने जैसा है और मैं अभी उस सपने को जी रही हूं। मैं जो काम करती हूं, वही मुझे प्रेरणा भी देता है। काम ही मुझे अच्छा महसूस कराता है और जब दर्शक इसका आनंद लेते हैं, तो यह सब सार्थक हो जाता है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा । अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे ।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा।साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह**

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन मे बहुत ख़ूबसूरती रहेगी ।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंद-दिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आपका गुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज़ कर सकता है। वे लोग ख़ुशक़िस्मत हैं जो अपने गुस्से पर क़ाबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका गुस्सा आपको ख़त्म करे, आप उसे ख़त्म कर दें। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। बदलते समय के साथ क़दमताल करने के लिए नई तकनीक से तालमेल बैठाना महत्वपूर्ण रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें ।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपको अपने जीवनसाथी का सहयोगी पक्ष देखने को मिल सकता है।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

खाते-पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है।अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अपने भाई बहनों की सलाह लें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। दफ़्तर में शांत और संतुष्ट सोच आपके मन को उत्साहित रखेगी। भविष्य की योजनाओं के लिए आपको नए संपर्क बनाने की ज़रूरत है। वे करिअर की तरक़्क़ी में बहुत मददगार रहेंगे। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

### मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 04 फरवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 02:33 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 09:50 तक
योग : शुभ रात्रि 12:05 तक
करण : गर सायं 03:34 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 06:13 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:22 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:13 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:05 ( विजयवाडा )

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 09:50 तक , भौम अश्विनी रात्रि 09:50 तक , अचला-रथ-पुत्र सप्तमी , नर्मदा जयंती , मन्वादि तिथि , भद्रा रात्रि 02:31 से



पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# मुख्यमंत्री भजनलाल और देवनानी ने विधानसभा में किया नेवा सेवा केन्द्र का शुभारंभ

**जयपुर,03 फरवरी (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को विधानसभा में नेवा सेवा केन्द्र का फीता खोलकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और राज्य सभा के सदस्य मदन राठौड सहित विधायकगण भी मौजूद थे।

देवनानी ने बताया कि नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के इस केन्द्र से विधान सभा को पेपरलैस बनाये जाने से संबंधित नेवा माडयूल्स का प्रशिक्षण और इससे संबंधित तकनीकी सहायता विधायकगण को उपलब्ध करवाई जायेगी। यह केन्द्र विधायकगण के साथ अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए भी ई-लर्निंग कम ई-फैसिलेशन सेन्टर के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार की राज्य की विधान सभाओं को डिजिटल बनाये जाने के लिए नेवा एप्लीकेशन का संचालन राजस्थान विधानसभा में भी किया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि वन-नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के उपयोग से राजस्थान विधान सभा का सदन और विधानसभा सचिवालय भी लोकसभा तथा अन्य विधान सभाओं की तर्ज पर डिजिटल हो गये है। उन्होंने बताया कि इस ई-विधान एप्लीकेशन से राज्य विधान सभा के



सदस्यों और राज्य के अधिकारियों के साथ-साथ मीडिया प्रतिनिधिगण, अनुसंधानकर्ता और आम नागरिकगण को विधान सभा से संबंधित विधेयक, रिर्पोटस, सदन के पटल पर रखे जाने वाले विधेयक, प्रश्न, बुलेटिन सहित अन्य कार्यवाही विवरण संबंधित सूचनाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। राजस्थान विधानसभा को डिजिटल बनाये जाने वाली इस महत्वपूर्ण परियोजना की अध्यक्ष देवनानी ने निरन्तर समीक्षा की है। देवनानी के निरन्तर प्रयास और पहल से यह परियोजना सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तीसरे सत्र से आरम्भ हो सकी है।

यह परियोजना केन्द्र व राज्य सरकार के क्रमश: 60 व 40 के अनुपात में वित्तीय सहायता से पूरी हुई है। इसके तहत विधान सभा के सदन में विधायकगण की प्रत्येक सीट पर एक आईपैड लगाया गया है। परियोजना के तहत एक लैपटॉप मय प्रिन्टर भी विधायकगण को उपलब्ध करवाये जाने का प्रावधान भी है। इस मौके पर विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, प्रमुख संदर्भ व अनुसंधान अधिकारी विनोद मिश्रा, नेवा के नोडल अधिकारी नरेश जैन सहित विधानसभा के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

### विधानसभा में डोटासरा की दहाड़

## ईआरसीपी के लिए केंद्र सरकार ने अब तक क्या दिया, एक धेला भी दिया क्या?

**जयपुर,03 फरवरी (एजेंसियां)।** राजस्थान विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर सरकार से सीधा सवाल किया – मध्यप्रदेश के साथ समझौता हुआ तो क्या शर्तें थीं? केंद्र के दो बजट आ चुके हैं, लेकिन इस योजना के लिए आपकी सरकार ने एक धेला भी दिया क्या?

डोटासरा ने नवनेरा बांध का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के समय यह काम दिसंबर से पहले ही पूरा हो चुका था। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से दौरे कर रहे हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन कांग्रेस सरकार के समय शुरू किए गए ईआरसीपी कार्यों को कम से कम देखा तो सही।डोटासरा ने मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खुद को भामाशाह समझ रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। उन्होंने कहा, चार महीने हो गए, यमुना से पानी लाने की डीपीआर बनी क्या? प्रधानमंत्री के पुराने बयान सुनिए, केंद्र का दूसरा बजट आ गया, लेकिन एठउझ को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की बात अब भी अधर में लटकी हुई है।

### बाल, महिला और युवा कल्याणकारी कार्यक्रमों के

## प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में सरकार उठा रही है ठोस कदम : सुधांश पंत

**जयपुर,03 फरवरी (एजेंसियां)।** राजस्थान सरकार स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य से मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भारत सरकार के सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, डॉ. राजीव बहल ने राज्य में स्वास्थ्य से जुड़े शोध, उनके उपयोग और उनकी जरूरतों पर चर्चा की।

बैठक में शिशु मृत्यु दर (एनएमआर) को कम करने के लिए प्रभावी उपायों पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने 'कंगारू मदर केयर' (केएमसी) को डूंगरपुर जैसे जनजातीय जिलों में लागू करने और बाद में पूरे राज्य में इसे बढ़ाने की जरूरत बताई। यह पद्धति अस्पतालों में शिशु मृत्यु दर को 40 प्रतिशत तक कम करने में सहायक है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान एंटीनेटल स्टेरॉयड का सही तरीके से उपयोग करने से शिशु की मौत के खतरे को कम किया जा सकता है। बैठक में आईसीएमआर द्वारा प्रस्तुत 'संकल्प डेटा' के आधार पर प्रसव से पूर्व शिशु मृत्यु और नवजात मृत्यु दर के ताजा आंकड़ों की भी समीक्षा की गई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड ने सुझाव दिया कि ऑक्जीलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम) को गर्भावस्था और प्रसव की जटिलताओं को पहचानने और इनका सुरक्षित समाधान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।

### स्विस राजदूत ने की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी से मुलाकात

## पर्यटन को बढ़ावा, तकनीकी सहयोग सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

**जयपुर,03 फरवरी (एजेंसियां)।** उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी से सोमवार को उप मुख्यमंत्री कार्यालय में स्विस राजदूत माया तिस्साफी ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्य सरकार एवं स्विस सरकार के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शॉर्ट टर्म स्किल डवलपमेंट कोर्स संचालित करने, एडवेंचर ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने में सहयोग करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके साथ ही ट्रेफिक मैनेजमेंट, वेस्ट मैनेजमेंट, सैनिटेशन आदि क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग पर भी दोनों के बीच में सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान स्विस राजदूत ने वर्ल्ड हैरीटेज सिटी जयपुर के स्थापत्य, कला एवं आतिथ्य की जमकर सराहना की।

# अनिल विज और नायब सैनी में गहराया विवाद

### विज ने सीएम पर उठाए गंभीर सवाल

**चंडीगढ़,03 फरवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा की राजनीति में एक बार फिर भूचाल आ गया है. प्रदेश के ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी पर हमला बोला है. विज ने सोमवार को ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर कर मुख्यमंत्री सैनी के करीबी माने जाने वाले आशीष तायल और चित्रा सरवारा के रिश्तों को लेकर सवाल उठाए.

अनिल विज इन दिनों सीएम नायब सैनी की कार्यशैली पर खुलकर सवाल उठा रहे हैं. सोमवार को उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें नायब सैनी के करीबी आशीष तायल और भाजपा की विपक्षी उम्मीदवार चित्रा सरवारा के बीच संबंधों की पोल खुल गई। विज ने वीडियो शेयर कर लिखा- खुद को नायब सैनी का दोस्त बताने वाले आशीष तायल की फेसबुक पर सैनी के साथ कई तस्वीरें हैं। जो कार्यकर्ता चुनाव के दौरान तायल के साथ दिखे, वही कार्यकर्ता भाजपा प्रतिद्वंद्वी चित्रा सरवारा के साथ भी दिखे।

विज ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा कि आशीष तायल आज भी नायब सैनी के मित्र हैं, तो सवाल उठता है कि भाजपा प्रत्याशी का विरोध किसने करवाया? राजनीतिक गलियारों में हलचल। विज के इस बयान के बाद हरियाणा की राजनीति में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। पार्टी के अंदरूनी मामलों को लेकर सार्वजनिक तौर पर सवाल उठाने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी विज कई बार सरकार की नीतियों और फैसलों पर असहमति जता चुके हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अनिल विज की यह नाराजगी सीएम पद को लेकर भी हो सकती है। विज को हरियाणा का गब्बर कहा जाता है और वे भाजपा सरकार के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। लेकिन जब 2024 में मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावनाओं पर विराम लगा तो वे लगातार नाराज नजर आए। भाजपा नेतृत्व के लिए नई चुनौती हरियाणा में अगले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को अंदरूनी कलह से निपटना पड़ सकता है। अनिल विज जैसे कद्दावर नेता की नाराजगी भाजपा के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर भाजपा ने जल्द ही स्थिति पर काबू नहीं पाया तो इसका सीधा असर हरियाणा की राजनीति और आने वाले चुनावों पर पड़ सकता है।

### हरियाणा सरकार ने श्रद्धालुओं को दी बड़ी राहत

# जल्द शुरू होगी सालासर और खाटू श्याम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा

**चंडीगढ़,03 फरवरी (एजेंसियां)।** प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। अब सालासर बालाजी और खाटूश्याम के दर्शन के लिए लंबी दूरी तय करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जल्द ही इन तीर्थ स्थलों के लिए हेलीकॉप्टर से सीधी यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह सेवा हरियाणा के चार प्रमुख जिलों से शुरू की जाएगी।इन शहरों से शुरू होगी



हरियाणा सरकार ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल के अनुसार सबसे पहले यह सेवा हिसार और अंबाला से शुरू होगी। इसके बाद गुरुग्राम और फरीदाबाद से सीधी यात्रा की सुविधा मिलेगी। तीसरे चरण में इसे करनाल और कुरुक्षेत्र तक बढ़ाया जाएगा।इस योजना के तहत अब श्रद्धालु कम समय में सालासर बालाजी और खाटूश्यामजी के दर्शन कर सकेंगे। इस सेवा को 15 अगस्त से पहले शुरू करने की योजना है। श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द यह सुविधा मिल सके, इसके लिए सरकार इस प्रोजेक्ट पर तेजी से काम कर रही है।

हरियाणा सरकार का मानना है कि हेलीकॉप्टर सेवा से धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लाखों श्रद्धालु सालासर और खाटूश्याम मंदिर में दर्शन करने आते हैं। लेकिन सड़क मार्ग से यह सफर 8 से 10 घंटे का समय लेता है। हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने के बाद यात्रा का समय घटकर एक से डेढ़ घंटे रह जाएगा।इसके अलावा सरकार गुरुग्राम से चंडीगढ़ और हिसार से चंडीगढ़ के बीच हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की संभावना पर भी विचार कर रही है। इस संबंध में अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। हेलीकॉप्टर सेवा के साथ-साथ सरकार करनाल, भिवानी और नारनौल में स्थित फ्लाइंग स्कूलों के विकास पर भी फोकस कर रही है। नागरिक उड्डयन विभाग ने इन स्कूलों से पूरी जानकारी मांगी है, ताकि प्रदेश में हवाई सेवाओं का विस्तार किया जा सके। सड़क यात्रा की तुलना में हेलीकॉप्टर से यात्रा करने पर 80% तक समय की बचत होगी। आरामदायक यात्रा: थकान भरी लंबी बस यात्रा के बजाय आरामदायक हवाई यात्रा। सुरक्षित यात्रा: खराब सड़कों और ट्रैफिक जाम से बचें। हरियाणा सरकार की यह पहल धार्मिक यात्रियों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। हेलीकॉप्टर सेवा से श्रद्धालुओं को कम समय में आरामदायक यात्रा का फायदा मिलेगा। साथ ही, धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। उम्मीद है कि 15 अगस्त से पहले यह सेवा शुरू हो जाएगी, जिससे हजारों श्रद्धालुओं को फायदा होगा।

## भाजपा सरकार बनने से बढ़ेगा देश की राजधानी दिल्ली का गौरव : औम प्रकाश

**चंडीगढ़,03 फरवरी (एजेंसियां)।** भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औम प्रकाश धनखड़ ने बवाना, नजफगढ़ और रोहिणी में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार आ रही है । बवाना, रोहिणी और नजफगढ़ के मतदाता दिल्ली की सरकार में अपनी भागीदारी बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में पांच फरवरी को कमल का बटन दबाएं।

राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि दिल्ली में आपा की सरकार

घोटालों में लगी रही और देश की राजधानी की गरिमा और गौरव को कम करने का पाप किया है। भाजपा की नीति राष्ट्र हित की रही है और हमारी सरकार बनने से देश की राजधानी दिल्ली का गौरव विश्व पटल पर बढ़ेगा।

धनखड़ ने कहा कि दिल्ली की जनता पूरी तरह से बदलाव के मूड में है और केजरीवाल से छुटकारा चाहती है। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने जनता में बदलाव के मूड का अनुभव हुआ है। इसलिए बवाना से रवींद्र, रोहिणी से बिजेंद्र गुप्ता और नजफगढ़ से नीलम कृष्ण पहलवान बड़े अंतर से चुनाव जीत रहे हैं। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि देश की जनता का भरोसा पीएम मोदी जी पर है। मोदी जी जो कहते हैं वह पूरा जरूर करते हैं। इसलिए दिल्ली की जनता के आशीर्वाद से दिल्ली में बड़े बहुमत से भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इस दौरान चेयरमैन कप्तान बिरधाना, निगम पार्षद दीपक डबास सहित पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## सैलजा ने नहरों के पुल की सुरक्षा को लेकर सीएम को लिखा पत्र

**चंडीगढ़,03 फरवरी (एजेंसियां)।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर कहा है कि नहरों के पुलों पर रेलिंग न होने के चलते हादसे हो रहे है और लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा है। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए साथ ही फतेहाबाद जिला के गांव सरदारेवाला के समीप भाखड़ा नहर में गाड़ी गिरने से मारे गए 12 लोगों के परिवारजनों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए।

सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर कहा है कि उनके सिरसा लोकसभा क्षेत्र के जिला फतेहाबाद के गांव सरदारेवाला के समीप एक गाड़ी के भाखड़ा नहर में गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई, अगर सिंचाई विभाग ने लोगों की मांग पर पहले ही संज्ञान लिया होता तो यह हादसा होने से रोका जा सकता था।

# केंद्र सरकार के बजट को हर तरफ से सकारात्मक प्रशंसा मिली: चलवाडी नारायणस्वामी

## राज्य की कांग्रेस सरकार ही कर रही विरोध

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायण स्वामी ने कहा कि केंद्र सरकार के बजट को हर तरफ से सकारात्मक प्रशंसा मिली है। देश की जनता ने विभिन्न तरीकों से अपनी सराहना व्यक्त की है। लेकिन चूंकि राज्य की कांग्रेस सरकार केंद्र की विपक्षी पार्टी है, इसलिए उसे विरोध करना ही होगा और वह सिर्फ यही करती है। लेकिन उनकी आलोचनाओं में कोई तथ्य नहीं है। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि केन्द्रीय बजट को पूरे देश में सराहना मिली है। विपक्षी दलों की ओर से ही इसकी आलोचना की गई है। उनके लिए विपक्षी पार्टी की प्रशंसा करना कठिन है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने स्वाभाविक रूप से इसकी आलोचना की है। हमेशा आंदोलनात्मक तरीके से भाजपा और भाजपा सरकार की आलोचना करना उनका स्वाभाविक व्यवहार है। उनका व्यवहार तो राष्ट्रपति के बारे में भी बुरा-भला कहने का है, यहां तक कि प्रधानमंत्री का भी सम्मान नहीं करते। मुख्यमंत्री समेत कई मंत्री कह रहे हैं कि कर्नाटक को कोई फायदा नहीं हुआ है और उसे कुछ भी नहीं मिला है। कांग्रेस को बजट में शायद कुछ

न मिले। लेकिन देश की जनता को इस बजट में बहुत कुछ मिला है। सोशल मीडिया पर देश की जनता ने इस बजट की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे स्वतंत्र भारत के वर्षों का सबसे अच्छा और सबसे दूरदर्शी बजट बताया है। उन्होंने खुले तौर पर इसे विकासोन्मुख बजट बताकर इसकी प्रशंसा की। कर्नाटक को पिछले वर्ष केंद्र से 44,485.49 करोड़ रुपये की सहायता मिलनी थी। इसके अतिरिक्त 46,937.72 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। फिर भी वे झूठ बोल रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्होंने हमें कुछ नहीं दिया। अतिरिक्त 2,400 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। फिर भी वे कह रहे हैं कि उन्होंने हमारे साथ अन्याय किया है। यह जीएसटी का पैसा है। क्या कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने हमें 2,500 करोड़ रुपये अतिरिक्त दिये? वे अब भी कह रहे हैं कि उन्होंने कुछ नहीं दिया। इस वर्ष का बजट पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। इससे कर्नाटक को 51,876.54 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा। वे कैसे कह सकते हैं कि इसमें कोई लाभ नहीं है? रेलवे परियोजनाओं के लिए 7564 करोड़ रुपये दिए गए हैं। यह हमें दिए गए जीएसटी के पैसे में नहीं है, यह अलग है। कर्नाटक के बजट में अनुसूचित जातियों के बारे में सिद्धरामैया ने क्या कहा? उनका कहना है कि उन्होंने एससी/एसटी विकास के लिए 39,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसे इस तरह से गारंटी में स्थानांतरित किया जाता है कि एक हाथ से दिया जाता है और दूसरे हाथ से लिया जाता है। एक साल 11,000 करोड़, अगले साल 14,000 करोड़ - कुल मिलाकर दलितों का 25,000 करोड़ रुपया निगल लिया गया। अगर उनसे पूछा जाए तो वे जवाब नहीं देंगे। हालाँकि, यह पैसा यहाँ विभिन्न विभागों को आवंटित किया जाना चाहिए। वे धोखाधड़ी करने के लिए केवल एक किस्त की राशि का उल्लेख करते हैं। केंद्र सरकार जो पैसा रखती है वह संबंधित विभागों में ही रहता है। मैं यह नहीं कहूंगा कि कुल राशि इतनी अधिक है। संबंधित विभागों में व्यय समान है। जैसा कि कांग्रेस कहती है, केन्द्रीय बजट हमेशा किसी एक राज्य को ध्यान में रखकर नहीं बनाया जाता। यहां तक कि राज्य सरकार भी यह नहीं कहती कि उन्होंने प्रत्येक जिले को इतनी धनराशि आवंटित की है। इसी तरह, जब पूरे देश का बजट पेश किया जाता है, तो कोई यह नहीं कहता कि इस राज्य के लिए इतना और उस राज्य के लिए इतना। यह हास्यास्पद है कि कर्नाटक को कुछ भी नहीं दिया गया। इस बार बजट में कर्नाटक की 22 परियोजनाओं के लिए धनराशि आवंटित की गई है।

# प्रयागराज कुंभ मेला के भगदड़ में लापता छात्रा को पुलिस ने ढूंढा, अब दे सकेगी इंटर की परीक्षा

**औरंगाबाद (एजेंसियां)।**

प्रयागराज के महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ में मारे जाने के कयासों के बीच पुलिस ने बिहार के औरंगाबाद की एक लापता छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया है। छात्रा 29 जनवरी को महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ के बाद से लापता थी। परिजन उसे ढूंढने में परेशान थे, लेकिन उसके संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। लापता रिशु इंटर की छात्रा है और 4 फरवरी से उसकी परीक्षा शुरू होने वाली थी।

इस मामले में पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने सोमवार को बताया कि ओबरा थाना क्षेत्र के घोड़दौड़ गांव निवासी अखिलेश सिंह की पुत्री इंटर की छात्रा रिशु कुमारी सपरिवार महाकुंभ मेले में स्नान करने प्रयागराज गई थी। इसी दौरान 29 जनवरी को वहां हुई भगदड़ के बाद से वह गुम थी। परिजन उसे ढूंढने में परेशान थे, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। चूंकि रिशु इंटर की छात्रा है और 4 फरवरी से उसकी परीक्षा शुरू होने वाली थी। इस कारण परिजन बेहद परेशान थे। परिजन बार-बार पुलिस से उसकी सकुशल बरामदगी की गुहार लगा रहे थे। परिजनों ने कहा कि भगवान का शुक्र है कि रिशु को 5 दिन बाद राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) ने दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से सकुशल बरामद कर लिया। अब वह अपना इंटर का एग्जाम दे सकेगी।

परिजनों ने बताया कि जीआरपी के माध्यम से रिशु की सकुशल बरामदगी की सूचना मिलते ही परिजन उसे लाने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के लिए रवाना हो गए है। रिशु की सकुशल बरामदगी से उसके परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई है। रिशु के मिलने से उसकी तीन बहने और एक भाई बेहद खुश हैं। गौरतलब है कि रिशु कुंभ मेले में हुई भगदड़ में परिजनों से अलग हो गई थी। परिजनों ने कई दिनों तक प्रयागराज में रहकर उसकी तलाश की और सोशल मीडिया के माध्यम से भी खोजबीन की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इस बीच नाउम्मीदी के बीच रिशु के सकुशल मिलने की सुखद खबर कुंभ मेले में बिछुड़ने के बाद भी मिलने की बात को एक बार फिर चरितार्थ कर दिया है। कहा जाता है कि कुंभ में बिछड़े आखिरकार मिल ही जाया करते है और रिशु भी मिल ही गई। इसे कुंभ के बिछुड़े के मिलने का एक बड़ा उदाहरण भी माना जा सकता है।

### मौलाना की पिटाई मामले पर भड़के तेजस्वी

# बिहार में प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं

**दरभंगा (एजेंसियां)।**

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रविवार को मधुबनी के बेनीपट्टी पहुंचे। यहां उन्होंने मौलाना से मारपीट के मामले को लेकर राज्य सरकार और प्रशासन पर जमकर जुबानी हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में शासन-प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं रह गई है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होश में नहीं हैं। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में पुलिस अब रक्षक नहीं, बल्कि भक्षक बन गई है।

जानकारी के मुताबिक, तेजस्वी यादव ने बेनीपट्टी पहुंचकर मौलाना से मुलाकात की और उनके साथ हुई मारपीट को लेकर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने मौलाना से 25,000 रुपये घूस लेने के बाद भी उनकी बर्बरतापूर्वक पिटाई की, दाढ़ी और बाल खींचकर उनका अपमान किया। इस घटना को उन्होंने अल्पसंख्यकों के प्रति दुर्भावना का प्रतीक बताया।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार

में हालात बद से बदतर हो गए हैं। भ्रष्टाचार हर स्तर पर हावी है और पुलिस जनता की सेवा करने के बजाय पैसे लेकर अत्याचार कर रही है। उन्होंने प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बेनीपट्टी की घटना बिहार में पुलिस की असलियत दिखाती है।

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अब पूरी तरह अचेत अवस्था में हैं और केवल वही देखते और सुनते हैं, जो उनके अधिकारी उन्हें दिखाते और बताते हैं। उन्होंने कहा कि चाचा नाम की कोई चीज नहीं रही, अब सरकार पूरी तरह से अफसरशाही के हाथों में है।

बीजेपी पर भी हमला बोलते हुए उन्होंने मांग की कि इस घटना में शामिल डीएसपी को तत्काल निलंबित किया जाए और उस पर मुकदमा दर्ज हो। तेजस्वी ने यह भी कहा कि अगर प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो जनता जवाब देना जानती है।

बेनीपट्टी की इस घटना के बाद अल्पसंख्यक समाज में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय नेताओं ने इस घटना की निंदा की है और दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। तेजस्वी यादव की इस यात्रा से बेनीपट्टी में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

# अपराधियों ने सीएसपी संचालक से लूट लिए चार लाख रुपये, विरोध करने पर आंख में मारी गोली

**पटना (एजेंसियां)।**

बिहार के आरा में दिनदहाड़े हथियार बंद बदमाशों ने एक सीएसपी संचालक से लूट के दौरान गोली मारकर जख्मी कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी घायल सीएसपी संचालक के पास से करीब 4 लाख रुपए भी लूट कर ले भागे। इधर गोली लगने के बाद जख्मी सीएसपी संचालक की हालत नाजुक बनी हुई हैं, जिसे बेहतर इलाज के लिए चिकित्सक ने पटना रेफर कर दिया गया है। घटना शाहपुर प्रखंड के बहोरनपुर थाना क्षेत्र के बहोरनपुर बांध के पास की है। घायल बहोरनपुर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव निवासी स्वर्गीय राजेन्द्र राय के पुत्र धर्मेन्द्र राय (38) हैं, जो अपने गांव दामोदरपुर में पीएनबी का सीएसपी चलाते हैं।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि आज धर्मेन्द्र राय गौरा बाजार स्थित पीएनबी बैंक

से करीब 4 लाख रुपया निकाल कर अपने घर आ रहे थे। इसी बीच बहोरनपुर बांध के पास उजले रंग की अपाची बाइक पर सवार दो अज्ञात हथियार बंद बदमाश उसका पीछा करते हुए बीच रास्ते में रोककर लूटपाट करने लगे। इस दौरान जब सीएसपी संचालक ने लूट का विरोध किया तो बदमाशों ने उनके सर में गोली मार दी और उनके पास मौजूद 4 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए। लूट के दौरान किये गये गोलीकाण्ड से सीएसपी संचालक के घायल होने की सूचना परिजन और बहोरनपुर थाना पुलिस को मिली तो परिवार वाले और स्थानीय थाना पुलिस तुरंत जख्मी को इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी क्लीनिक पर लाये, जहां जख्मी की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक डॉक्टर विकास सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया।

घटना के संबंध में घायल सीएसपी संचालक के बड़े भाई धीरेन्द्र राय ने बताया कि आज मेरा छोटा भाई धर्मेंद्र राय, जो गांव में ही पीएनबी का सीएसपी चलाते हैं.वह गौरा बाजार स्थित पीएनबी बैंक से 4 लाख रुपया निकाल कर घर आ रहें थे। इसी बीच अपाचे बाइक पर सवार हथियार से लैस दो अज्ञात बदमाश उसे रोक कर लूटपाट करने लगे। लूट-पाट का विरोध करने पर बदमाशों ने उसे गोली मार दी और फिर उनके पास मौजूद चार लाख रुपए लूटकर फरार हो गए।

घायल के बड़े भाई ने बताया कि कुछ साल पहले भी उनके पिता की हत्या कर दी गई थी और आज फिर मेरे भाई को गोली मारकर जख्मी कर दिया गया है। हम लोगों के द्वारा कई बार प्रशासन से सुरक्षा की गुहार भी लगायी गई, लेकिन आज तक हम लोगों को किसी तरह का कोई सुरक्षा नहीं प्रदान किया गया है,जिसका खामियाजा हुआ कि आज मेरे छोटे भाई को भी बदमाशों ने गोली मारकर दी। उन्होंने बताया कि हम लोगों की किसी से भी कोई दुश्मनी नहीं है। हम लोग दमादरपुर में अपने जमीन में बाजार लगवाते हैं, इसी कारण हम लोगों को अपराधियों द्वारा टारगेट किया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही बीजेपी के युवा नेता राकेश विशेश्वर ओझा भी वहां पहुंचे और उन्होंने कहा कि लगातार क्षेत्र में हो रही अपराधी घटना से सभी लोग खौफ से जी रहे हैं।.पुलिस के वरीय अधिकारी इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाए, जबकि घायल को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर करने वाले आरा सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ विकास सिंह ने बताया कि पेशेंट की हालत काफी नाजुक है क्योंकि गोली उसके सीधे सर में मारी गई है. पेशेंट की हालत क्रिटिकल है, इसलिए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है।

# चंदतन पहाड़ी से महात्मा बुद्ध की मूर्ति खंडित कर की गायब, शहर में आक्रोश

**पटना (एजेंसियां)।**

सासाराम के ऐतिहासिक चंदतन पहाड़ी पर स्थापित महात्मा बुद्ध की प्रतिमा असामाजिक तत्वों का निशाना बन गई। प्रतिमा को न केवल खंडित किया गया बल्कि पूरी तरह से हटा दिया गया है। अब वहां सिर्फ प्रतिमा का आधार यानी चरण पादुका ही शेष रह गया है। इस घटना से शहरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है।

महात्मा बुद्ध की प्रतिमा खंडित होने की खबर फैलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचने लगे। विभिन्न संगठनों ने इस घटना की निंदा करते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। रोहतास पुलिस प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी तेज कर दी गई है। प्रशासन ने आम जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

भीम आर्मी के नेता अमित पासवान ने इस घटना को समाज के सौहार्द को बिगाड़ने वाला कृत्य बताया है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने कई दशक पहले 300 फीट ऊंची चंदतन पहाड़ी पर महात्मा बुद्ध की प्रतिमा स्थापित की थी।

यहां हर वर्ष पेंटिंग और लेखन प्रतियोगिताओं सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते थे। लेकिन अब इस प्रतिमा को नष्ट कर दिया गया है, जो बेहद निंदनीय है। उन्होंने जनता से शांति बनाए रखने और प्रशासन पर भरोसा रखने की अपील की। प्रशासन ने भरोसा दिया है कि दोषियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कुमार वैभव ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी। उन्होंने कहा कि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन कई संदिग्धों से पूछताछ जारी है। जल्द ही दोषियों को पकड़कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने घटना के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। पुलिस की गश्त तेज कर दी गई है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी रखी जा रही है। वहीं, शहर के बुद्ध अनुयायियों और स्थानीय संगठनों ने मांग की है कि प्रशासन इस ऐतिहासिक स्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करे और मूर्ति को पुनः स्थापित किया जाए। प्रशासन इस दिशा में भी विचार कर रहा है।

# हर घर नल की योजना की खुली पोल प्रगति यात्रा से पहले फट गई पानी की टंकी

**मुंगेर (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा चल रही है। इस यात्रा के दौरान वह सभी जिलों में किये गये विकास का सर्वेक्षण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिले में तैयारियां भी की जा रही हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन से पहले ही अधिकारियों के द्वारा किये गये कार्यों में हुए अनियमितता का भंडाफोड़ हो गया। मामला मुंगेर जिला के धरहरा प्रखंड अंतर्गत अमारी पंचायत के अंदलपुर गांव के वार्ड संख्या -1 का जंहा पानी सलाई के लिए लगे दो बड़ी प्लास्टिक की टंकी फट गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान 5 फरवरी को मुंगेर पहुंचेंगे।

दरअसल लोक स्वास्थ प्रमंडल मुंगेर द्वारा मुख्यमंत्री पेयजल निश्चय योजना के तहत लाखों

रुपये की लागत से प्रखंड के अमारी पंचायत के अंदलपुर गांव के वार्ड संख्या एक में दो बड़ी - बड़ी प्लास्टिक की टंकी लगाई गयी। इस टंकी के द्वारा इस इलाके के लोगो के घरो में पानी की सप्लाई की जा रही थी। अचानक पानी की टंकी फट गई जिसके कारण इस घरो में जाने वाली पानी की सप्लाई बंद हो गया। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों ने बताया कि दो महीना से मोटर खराब था, इसलिए पानी का सप्लाई बंद था। पीएचडी विभाग के द्वारा 10 दिन पहले पानी का मोटर ठीक किया गया था और पानी का सप्लाई शुरू हुआ। रविवार करीब 10 बजे अचानक पानी का टंकी फट गया।

वही पीएचडी विभाग के अधिकारी अभिरंजन से बताया कि अंदलपुर गांव में मुख्यमंत्री पेयजल निश्चय योजना के तहत दो पांच हजार की पानी की टंकी फट गयी है, जिसके कारण लोगो के घरो में पानी का सप्लाई बंद हो गया है। वही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने प्रगति यात्रा के दौरान 5 फरवरी को मुंगेर पहुंचेंगे, जहां वह 450 करोड रुपए की लागत से विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। वही मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व ही पानी का टंकी फट जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के लिए हाहाकार मच गया है। ग्रामीण इधर-उधर से पानी लाने को लेकर विवश हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com